सूर्योदय 5:40 सूर्यास्त 7:13

आज का तापमान

शिमला	17.5 न्यू	26.6 अधि
धर्मशाला	20.9 न्यू	29.9 अधि

बाजार

सेंसेक्स	81332.72
निफ्टी	24834.85

सोना 67,410 चांदी 89,000

अनंत ज्ञान

www.anantgyaan.in

मुझे कमजोर समझा जा रहा, पर चुनाव में होगी मेरी जीत: हैरिस

पृष्ठ 13 पर

आरएनआई नं. HPHIN01099 | कांगड़ा | सोमवार, 29 जुलाई 2024 | 14 श्रावण, विक्रमी संवत 2081 | वर्ष 1, अंक 222, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

झंडा रस्म के साथ अंतरराष्ट्रीय मिंजर मेले का आगाज

राज्यपाल शुक्ल ने किया शुभारंभ, संस्कृति को बचाने और सहेजने के लिए युवा पीढ़ी का आह्वान

ओपी शर्मा, चंबा

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर रविवार को आठ दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मिंजर मेले का शुभारंभ किया। सुबह 9 बजे लक्ष्मी नारायण मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों के सुख-स्मृद्धि की कामना की।

राज्यपाल ने इसके बाद 11 बजे चंबा चौगान में पहुंचकर झंडा रस्म अदा कर मिंजर मेले का आगाज किया। राज्यपाल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि चंबा जिले के लोग अपनी संस्कृति को बचाने व सहेजने में सबसे आगे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अपनी संस्कृति को बचाने व सहेजने के लिए युवा पीढ़ी आगे आए। चंबा एक बहुत ही सुंदर जगह है और इसको पर्यटन की दृष्टि से भी विकसित करना चाहिए। इस मौके पर उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों व वीरांगनाओं को भी सम्मानित किया। मिंजर के शुभारंभ पर अलग-अलग क्षेत्र से आए सांस्कृतिक दलों में अपनी कला का प्रदर्शन किया। राज्यपाल ने यहां लगाईं प्रदर्शनियों का जायजा लिया और उनके बारे में जानकारी हासिल की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, नीरज नैय्यर, भाजपा विधायक डलहौजी डीएस ठाकुर आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे। (अनंत ज्ञान)

चंबा में अंतरराष्ट्रीय मिंजर मेले के शुभारंभ से पहले राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने लक्ष्मी नारायण मंदिर में मिंजर अर्पित की।

राज्यपाल ने लक्ष्मी नारायण मंदिर में पूजा कर प्रदेशवासियों की सुख-स्मृद्धि की मांगी दुआ

भाकर ने कांस्य जीत खोला भारत का खाता

ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनीं

एजेंसी, पेरिस

स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने रविवार को महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक जीतकर भारत के 12 साल के लंबे इंतजार को खत्म किया। इसके साथ ही पेरिस ओलंपिक में भारत के पदक का खाता भी खुल गया।

मनु ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनीं। मनु ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 221.7 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। ओह ने 243.2 अंक के फाइनल के ओलंपिक रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

-संबंधित खबर खेल पेज पर

221.7
अंक लेकर झटका ब्रांज

पीएम मोदी ने दी बधाई

मनु भाकर के ब्रांज जीतने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी। उन्होंने (एक्स) पर पोस्ट कर लिखा कि यह एक खास जीत है। मनु भाकर शूटिंग में मेडल जीतने वाली पहली महिला बनी हैं...शानदार उपलब्धि।

न्यूज शॉर्ट्स

सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को कथित शराब नीति मामले में वरिष्ठ 'आप' नेता और पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी कर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सिसोदिया की जमानत याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने 16 जुलाई को कहा था, नोटिस का जवाब 29 जुलाई तक दें। हम दो सप्ताह बाद इस पर फिर विचार करेंगे।

पंजाब में दो तस्कर दबोचे एक करोड़ रुपए बरामद

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने रविवार को इंटरनेशनल ड्रग तस्कर गुरजंत सिंह भोलू और किंदरबीर सिंह के 2 सहयोगियों को अमृतसर से गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक करोड़ रुपए से अधिक की नकदी भी जब्त की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि आरोपी विदेश में रह रहे दो मादक पदार्थ तस्करों के लिए काम कर रहे थे।

रामदेव के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला आज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट सोमवार को कोरोनिल से कोविड -19 का उपचार होने के दावे को लेकर बाबा रामदेव के खिलाफ चिकित्सक संघों की ओर से दायर याचिका पर फैसला सुनाएगा। यह याचिका चिकित्सक संघों की ओर से रामदेव, उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ 2021 में दायर एक मुकदमे का हिस्सा है।

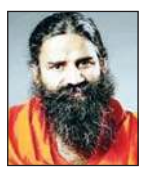

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- अब टीसीपी एक्ट के तहत आएंगे एक हजार वर्ग मीटर में बने भवन -पेज 2
- जवाली-जयूर मार्ग पर बस और स्कूटी की टक्कर में महिला की मौत -पेज 4
- हिमाचल की मंडियों में कम पहुंच रहा सेब -पेज 12
- महात्मा गांधी का अहिंसा का संदेश आज भी प्रासंगिक: जयशंकर -पेज 13
- रमिता जिंदल एयर राइफल के फाइनल में -पेज 14

आजादी के पर्व पर खादी का एक कपड़ा जरूर खरीदें : मोदी

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' कार्यक्रम में देशवासियों से की अपील

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि खादी ग्रामोद्योग का कारोबार पहली बार डेढ़ लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है और खादी एवं हथकरघा की बढ़ती बिक्री बड़ी संख्या में रोजगार के नए अवसर पैदा कर रही है।

'मन की बात' की 112वीं कड़ी में पीएम मोदी ने देशवासियों से खादी के कपड़े खरीदने का आग्रह किया। जो पहले कभी खादी के उत्पादों का उपयोग नहीं करते थे, वह भी आज बड़े गर्व से खादी पहनते हैं। उन्होंने देशवासियों से खादी के कपड़े खरीदने का आग्रह भी किया। पीएम ने पेरिस ओलिंपिक, मैथ्स ओलंपियाड, असम मोइदम, टाइगर डे, वनों के संरक्षण और स्वतंत्रता दिवस पर भी बात की। उन्होंने हैंडलूम पर चर्चा की। हर साल 7 अगस्त को नेशनल हैंडलूम-डे मनाया जाता है। आजादी के पर्व पर एक कपड़ा खादी का जरूर खरीदें। साथ ही प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त की स्पीच में शामिल विषयों पर सुझाव मांगे। खादी और हैंडलूम उत्पादों की बढ़ती ब्रिक्री देश में रोजगार के नए अवसर पैदा कर रही है और इससे महिलाएं सबसे ज्यादा जुड़ी हैं, तो सबसे ज्यादा फायदा भी उन्हीं को हो रहा है। प्रधानमंत्री ने मादक पदार्थों के सेवन से जुड़ी चिंताओं पर भी बात की। उन्होंने लोगों से भारत को नशा मुक्त बनाने की अपील की। नशे की लत के शिकार लोगों की मदद के लिए सरकार ने 'मानस' नामक अभियान की शुरुआत की है, जो मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में बहुत बड़ा कदम है। कुछ दिन पहले ही 'मानस' की हेल्पलाइन और पोर्टल को लांच किया था और सरकार ने एक टोल फ्री नंबर 1933 भी जारी किया है। इस पर कॉल करके कोई भी जरूरी सलाह ले सकता है या फिर पुनर्वास से जुड़ी जानकारी हासिल कर सकता है। उन्होंने लोगों से मादक पदार्थों से जुड़ी जानकारी इस नंबर पर साझा करने का आग्रह भी किया। प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में भारत को मिली सफलता का जिक्र किया।

भाजपा शासित राज्यों में कल्याणकारी योजनाओं को पूरा करने पर दिया जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में रविवार को दूसरे दिन भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उपमुख्यमंत्रियों की बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्रियों ने अपने-अपने राज्यों में विभिन्न विकास योजनाओं पर प्रस्तुतियां दीं। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा ने बैठक में हिस्सा लिया। मोदी ने भाजपा शासित राज्यों में जारी कल्याणकारी योजनाओं की कवरेज सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि इसे सुशासन के उदाहरण के तौर पर देखा जाना चाहिए। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों, खासकर गरीबों की मदद के लिए भाजपा शासित राज्यों की सरकारों के प्रयासों का उल्लेख किया।

सेफ खेलना छोड़िए कॉमन सेंस का इस्तेमाल करें जज: सीजेआई

बेंगलुरु। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि महत्वपूर्ण आपराधिक मामलों में संदेह की गुंजाइश रहने की स्थिति में अधीनस्थ कोर्ट के जज जमानत देकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं। तुलनात्मक समानता और भेदभाव-रोधी बर्कले केंद्र के 11वें वार्षिक सम्मेलन में कहा जज सेफ खेलना छोड़िए, कॉमन सेंस का इस्तेमाल करें। जिन लोगों को निचली अदालतों से जमानत मिलनी चाहिए, उन्हें वहां जमानत नहीं मिल रही है, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें हमेशा उच्च न्यायालयों का रुख करना पड़ता है।

गुलाब चंद कटारिया बने पंजाब के नए राज्यपाल

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही 10 राज्य और एक केंद्र शासित प्रदेश के राज्यपाल और प्रशासक बदले गए।

राष्ट्रपति भवन ने शनिवार देर रात 6 नए राज्यपाल और 3 के ट्रांसफर का आदेश जारी किया। लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को असम का राज्यपाल नियुक्त किया और उन्हें मणिपुर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। गुलाब चंद कटारिया को पंजाब का राज्यपाल बनाया है। लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को असम के राज्यपाल होंगे और मणिपुर के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा है। अनुसुइया उइके पिछले साल फरवरी से मणिपुर के राज्यपाल के रूप में कार्यरत हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश माथुर सिक्किम, सीपी राधाकृष्णन झारखंड के राज्यपाल होंगे। राधाकृष्णन के पास तेलंगाना का अतिरिक्त प्रभार भी है। पूर्व केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री संतोष कुमार गंगवार झारखंड के नए राज्यपाल होंगे। जिष्णु देव वर्मा तेलंगाना के नए राज्यपाल होंगे। के. कैलाशनाथन को पुडुचेरी का उपराज्यपाल नियुक्त किया है।

दिल्ली में कोचिंग सेंटर का मालिक और समन्वयक गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने रविवार को उस कोचिंग सेंटर के मालिक और समन्वयक को गिरफ्तार कर लिया, जिसके 'बेसमेंट' में शनिवार को पानी भर जाने के कारण तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत हो गई। इस घटना को लेकर इलाके में विरोध-प्रदर्शन हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कोचिंग सेंटर को 'बेसमेंट' का उपयोग स्टोर रूम के रूप में करने की अनुमति थी, लेकिन इसका इस्तेमाल पुस्तकालय के रूप में किया जा रहा था, जो नियमों का उल्लंघन है। दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) आयुक्त को निर्देश दिया कि वह दिल्ली में एमसीडी के अधिकार क्षेत्र में आने वाले ऐसे सभी कोचिंग संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें, जो 'बेसमेंट' में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बेसमेंट में पानी भरने से हुई थी तीन छात्रों की मौत

रूसी सेना में काम कर रहे 10 भारतीय जल्द लौटेंगे स्वदेश

नई दिल्ली। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने बताया कि रूसी सेना में काम कर रहे 10 भारतीय नागरिकों को रूस सशस्त्र बलों में छोड़ दिया है। यह जानकारी सांसद धर्मेंद्र यादव की ओर से पूछे गए सवालों के जवाब में दी है। धर्मेंद्र यादव ने लोकसभा में पूछा था कि विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि उन भारतीयों का विवरण दें, जिन्हें मानव तस्करी के जरिए यूक्रेन के युद्ध क्षेत्र में ले जाया गया है। क्या सरकार की ओर से उन्हें भारत वापस लाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, अगर उन्हें भारत ला जा रहा है कि उनका विवरण दें और अगर उन्हें वापस नहीं लाने की कोशिश हो रही है तो इसके क्या कारण हैं। मानव तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है।

हिमाचल में आज से रफ्तार पकड़ेगा मानसून, भारी बारिश का येलो अलर्ट

शिमला, धर्मशाला और नाहन में झमाझम बरसे बादल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश में सोमवार से मानसून रफ्तार पकड़ेगा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 31 जुलाई तक भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि, प्रदेश के क्षेत्रों में मानसून कमजोर पड़ा हुआ है। कुछ क्षेत्रों में ही बादल बरसे रहे हैं और कुछ इलाकों में बारिश न होने से लोग उमस भरी गर्मी से काफी परेशान हैं।

शिमला सहित धौलाकुआं, नाहन, हमीरपुर के कुछ इलाकों और धर्मशाला में रविवार को बादल झमाझम बरसे। शनिवार को धौलाकुआं में 69, नाहन में 36, धर्मशाला में 20 और शिमला-कांगड़ा में एक-एक मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। 29 जुलाई से अधिकांश जगह मौसम खराब रहने का पूर्वानुमान है। वहीं, शिमला में न्यूनतम तापमान 18.6, कल्पा में 17.2, धर्मशाला में 20.9, ऊना में 25.6, नाहन में 25.4, केलांग में 16.5, सोलन में 23.0, मनाली में 20.7, कांगड़ा में 24.0, मंडी में 25.1, बिलासपुर में 26.1, हमीरपुर में 26.5 और चंबा में 24.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

ADMISSIONS OPEN

- DIPLOMA IN CLOUD COMPUTING & CYBER SECURITY
- DIPLOMA IN CLOUD COMPUTING WITH AI
- MASTER IN CLOUD COMPUTING
- BCA-CLOUD COMPUTING
- MASTER IN BLOCKCHAIN DEVELOPMENT
- ETHICAL HACKING & Many More...

Special OFFER
For Admissions Till 31st July 2024

100% JOB GUARANTEE
Legacy of 31 Years

LEARN TO GROW WITH NEW TECHNOLOGIES
T & C Apply*

76 YEARS of Brand Legacy | 100+ Successful Centers | LIMCA BOOK OF RECORDS For achieving highest no. of placements in vocational training industry. | Skill India | N·S·D·C

CONTACT- +91-9875909385, 0172-2608956
ADDRESS- SCO 96-97, Ground & 3rd Floor, Sector 34-A, CHANDIGARH

For Best Placement & Research Oriented University in Himachal Pradesh.

SRI SAI UNIVERSITY
PALAMPUR (HP)

SSU PALAMPUR | SRI SAI UNIVERSITY Transforming Dreams into Reality

ADMISSIONS OPEN

Innovative Courses with IBM
IBM Innovation Centre for Education

COURSES UG PG Ph.D

www. srisaiuniversity.org | 97365-01261, 94170-50602

न्यूज ब्रीफ

खड़कीधार में चलाया पौधरोपण अभियान

अनंत ज्ञान, जुन्गा (शिमला)। ग्राम पंचायत जुन्गा, ग्राम संगठन और स्थानीय महिला मंडल के सयुक्त तत्वाधान में रविवार को जुन्गा के समीप खड़कीधार में वन महोत्सव का आयोजन किया गया। जुन्गा पंचायत के प्रधान बंसीलाल कश्यप ने देवदार का पौधरोपित कर वन महोत्सव का शुभारंभ किया। इस मौके पर ग्राम संगठन व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने 200 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए । प्रधान बंसी लाल कश्यप ने बताया कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए हर व्यक्ति को पौधरोपण करना चाहिए। इस मौके पर ग्राम संगठन की प्रधान पूनम कश्यप और अनिता शर्मा सहित विभिन्न स्वयं सहायता समूह और महिला मंडलों ने भाग लिया।

तारा माता मंदिर के निकट रोपे 51 पौधे

अनंत ज्ञान, शिमला। भारत विकास परिषद की शिमला शाखा एवं सक्षम (दिव्यांगों के उत्थान हेतु संस्था) के द्वारा वन विभाग शिमला शहरी के सहयोग से न्यू शिमला स्थान तारा माता मंदिर के निकट पौधरोपण अभियान के तहत देवदार और बान के 51 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर संगठन मंत्री डॉ. सुफल सूद, सचिव ललित चौधरी, उपप्रधान राकेश भारद्वाज, संयोजक रमेश चोपड़ा एवं सक्षम के उपप्रधान डॉ. विनय गुप्ता संयुक्त सचिव संदीप शर्मा सहित 35 वालंटियर्स उपस्थित रहे।

नेरवा क्षेत्र में कल बंद रहेगी बिजली

नेरवा। नेरवा क्षेत्र में मंगलवार 30 जुलाई को बिजली बंद रहेगी। सहायक अभियंता विद्युत उपमंडल नेरवा अरविंद धीमान ने बताया कि मंगलवार को 22 केवी नियंत्रण केंद्र झिकनी पुल में ज़रूरी रखरखाव का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। लिहाज़ा इस दिन प्रातः दस बजे से सांय पांच बजे तक झिकनी पुल से नेरवा, दवाड़ा, टिक्करी, थरोच, केदी, भराणू, शिल्हा आदि क्षेत्रों में बिजली बंद रहेगी। उन्होंने समस्त उपभोक्ताओं से सहयोग का आग्रह किया है।

उमंग ने शुराला के जंगल में 100 पौधे लगाए

शिमला। उमंग फाउंडेशन व आर्किड होटल शिमला ने शिमला शहर के साथ लगते गांव शुराला में वन भूमि पर युवक मंडल शुराला के साथ मिलकर देवदार के 100 पौधे लगाए। इस पौधरोपण कार्यक्रम की अध्यक्षता कसुंपटी ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र कंवर ने की और मुख्यातिथि के रूप में स्थानीय काउंसलर नरेंद्र ठाकुर, कुलदीप ठाकुर व ब्लॉक विकास समिति मशोबरा के उपाध्यक्ष विक्रम ठाकुर ने पौधे लगा पौधरोपण कार्यक्रम की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में आर्किड होटल के प्रबंधक महेंद्र रावत, होटल के स्टाफ रेखा शर्मा, सतीश चौहान , अभिषेक ,उपेंद्र व पूरन चंद ने भाग लिया ।

महिला मरीजों को सुविधा देने में खुल रही प्रशासन की पोल, गर्भवती महिलाओं पर नहीं आ रहा तरस

ऑपरेशन केएनएच, टेस्ट हो रहे आईजीएमसी में

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश के एकमात्र महिला एवं शिशु रोग केएनएच में गर्भवती महिला मरीज सुविधाओं के लिए तरस रही है। यहां पर महिलाओं को अपना उपचार करवाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

यहां पर स्थिति कुछ इस तरह से बन चुकी है कि केएनएच में रसोली के ऑपरेशन तो चिकित्सक कर देते है, बाद में महिलाओं को रिपोर्ट चेक करवाने आईजीएमसी जाना पड़ता है। यहां तक आधे से ज्यादा टैस्ट करवाने के लिए भी महिलाओं को आईजीएमसी दौड़ाया जाता है। यहां मेडिसन के डॉक्टर तक नहीं है। आईजीएमसी के ही डॉक्टरों मरीजों को चैक करते है।

डॉक्टर दिन को आईजीएमसी तो शाम को कई बार केएनएच में दिखाई देते है। केएनएच में प्रदेश भर से महिला मरीज अपना उपचार करवाने आती है, लेकिन महिलाओं को यहां पर उपचार के लिए दर दर भटकना पड़ता है।

केएनएच में मेडिसिन के डाक्टर नहीं, आईजीएमसी के ही डॉक्टर कर रहे चेकअप

यहां पर सवाल तो यह है कि अगर केएनएच में मरीजों के ऑपरेशन हो रहे है तो यहां पर टैस्ट की सुविधा भी होनी चाहिए। वहीं केएनएच में दवाई के डॉक्टर का होना भी बहुत जरूरी है, ताकि महिलाएं अपनी रिपोर्ट उन्हें दिखा सके।

महिलाओं को रिपोर्ट दिखाने के लिए आईजीएमसी दौड़ाया जाता है। ऐसे में ऑपरेशन के बाद खासकर महिलाओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एक तरफ सरकार व स्वास्थ्य विभाग दावे करता है कि गर्भवति महिलाओं को अस्पताल में सारी सुविधा उपलब्ध है, लेकिन स्थिति कुछ और ही व्यां कर रही है। इन दिनों सुविधा को लेकर प्रशासन के सब दावे खोखले नजर आ रहे है।

अल्ट्रासाउंड करवाने भेज रहे आईजीएमसी

केएनएच में गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड करवाने के लिए भी दर-दर की ठोकरे खानी पड़ती है। महिलाओं को जब चिकित्सक अल्ट्रासाउंड के लिए कहते है, तो उन्हें तुरंत आईजीएमसी भेज दिया जाता है। जब महिलाएं आईजीएमसी पहुंचती है तो कुछ महिलाओं को फॉर्म गलत भरने के चलते वापिस केएनएच भेज दिया जाता है तो कुछ महिलाओं को 20 से 25 दिन की डेट दी जाती है। ऐसे में महिलाओं को गर्भावस्था में अपना चैकअप करवाना मुश्किल हो गया है। केएनएच में सिर्फ उन महिलाओं के अल्ट्रासाउंड होते है, जिसकी डिलीवरी को कम दिन बचे होते है। बाकी आपातकालीन में ही टेस्ट हो होते।

आईजीएमसी के आधे डॉक्टर केएनएच में दे रहे सेवाएं

केएनएच अस्पताल में चिकित्सक की कमी चल रही है। आधे डॉक्टर आईजीएमसी के केएनएच में सेवाएं दे रहे हैं। तभी यहां पर अधिक घटनाएं सामने आती है। चिकित्सक भी साफ शबदों में कहते है कि उन्हें भी दो-दो अस्पताल का जिम्मा संभालना पड़ रहा है।

स्टाफ सिलेक्शन कमीशन बंद कर युवाओं के भविष्य से किया खिलवाड़: बिंदल

अनंत ज्ञान, शिमला

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि कोई भी सरकार अपने फैसलों के लिए जानी जाती है। वर्तमान प्रदेश की कांग्रेस सरकार जो सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में चल रही हैं। वह हिमाचल प्रदेश के विकास कार्यों को बंद करने के लिए जानी जाएगी। यह सरकार खुले हुए संस्थानों को बंद करने के लिए भी जानी जाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि सत्ता मे आते ही सुक्खू सरकार ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा खोले गए 1100 से अधिक संस्थान बंद करने का महान कार्य किया। इस के बाद नौकरी देने के लिए बनाया गया, चलाया गया स्टाफ सलेक्शन कमीशन हमीरपुर बन्द करके लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया और विगत 19 महीनों में एक भी नौकरी आज तक नही दी गई है। इसके बाद प्रदेश सरकर द्वारा सड़कों का काम बन्द कर दिया गया, पूरे प्रदेश में नई सड़के प्रदेश सरकार द्वारा तो क्या बनाई जानी थी, पर पुरानी सडके भी गड्ढों में तबदील हो गई। अभी 1100 संस्थान बन्द करके तसल्ली नहीं हुई थी और 800 स्कूल और बन्द कर दिए और इसी सप्ताह 400 स्कूल और बन्द करने का कीर्तिमान इस सरकार के सिर पर सजा।

गरीब की सेवा करने वाली योजनाएं सहारा योजना अपरोक्ष रूप से बंद कन्याओं की शादी के लिए सहयोग देने वाली योजना अपरोक्ष रूप से बन्द गरीबों का इलाज करने वाली आयुष्मान व हिम केयर अपरोक्ष रूप से बन्द अटल आदर्श विद्यालय शानदार भवनों के साथ तैयार है उन्हें बन्द करने का नायाब तरीका निकाला, उन्हें आउटसोर्स करेगें।

डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि सरकार बनाना, सरकार बचाना, सरकार चलाने में तीनों तब तक कोई मायने नहीं रखता जब तक वह सरकार जनता को सुख न दे। वर्तमान की कांग्रेस सरकार केवल और केवल राजनीति करने में लगी है और प्रदेश की जनता लगातार इसका दंश झेल रही है।

इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना में आए 76 हजार से अधिक आवेदन

अनंत ज्ञान, शिमला

इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना के तहत सरकार के पास हजारों की संख्या में आवेदन पहुंच रहे हैं।

शिमला जिले में ही अब तक कुल 76 हजार 911 आवेदन प्राप्त किए जा चुके हैं। अब तक जिला शिमला में इस योजना के अंतर्गत 2569 पात्र महिलाओं को 1500 रुपए के माध्यम से लाभान्वित किया गया है। इसमें तहसील शिमला (शहरी) से 1431, शिमला (ग्रामीण) से 6933, सुन्नी से 4180, ठियोग से 10065, कुमारसैन से 6092, चौपाल से 12947, रामपुर से 7911, ननखड़ी से 4170, जुब्बल से 4345, कोटखाई से 4966, रोहड़ू से 7440, चिड़गांव से 5866 तथा डोडरा क्वार से 565 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना के तहत हिमाचल प्रदेश की स्थाई निवासी होना आवश्यक है, जिनके परिवार से कोई सदस्य केंद्र या राज्य सरकार के कर्मचारी या पेंशनर, अनुबंध या आउटसोर्स या दैनिक वेतन भोगी या अंशकालिक इत्यादि वर्ग के कर्मचारी, सेवारत या भूतपूर्व सैनिक व सैनिक विधवाएं, मानदेय प्राप्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता या सहायिका या आशा वर्कर या मिड डे मील वर्कर या मल्टी टास्क वर्कर, सामाजिक सुरक्षा पेंशन लाभार्थी इत्यादि श्रेणियों में शामिल न हो। इसके साथ साथ बौद्ध मठों में स्थाई रूप से रहने वाली बौद्ध भिक्षुणियां (चोमो) को भी योजना का लाभ मिलेगा। सुख-सम्मान निधि प्राप्त करने के लिए इच्छुक महिला को निर्धारित प्रपत्र 1 पर तहसील कल्याण अधिकारी को आवेदन प्रस्तुत करना होगा।

श्यामला ट्रस्ट ने गोल पहाड़ी पर रोपे एक हजार पौधे

अनंत ज्ञान, शिमला । शिमला के कैथू स्थित गोल पहाड़ी पर एक 'पौधा परिवार के नाम' पौधारोपण अभियान के तहत एक हजार पौधे लगाए गए। सुनील उपाध्याय एजुकेशनल ट्रस्ट, श्यामला एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर व आर्यावर्त एजुकेशनल वेलफेयर एंड चैरिटेबल सोसायटी तथा प्रेस रिलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, शिमला चैप्टर के आह्वान पर शिमला जिला के लोग भारी संख्या में इस अभियान में शामिल हुए और पौधरोपण किया। अभियान में लोगों ने परिवार के साथ पहुंच कर पौधे लगाए।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर नितिन व्यास ने की, प्रोफेसर नागेश ठाकुर मुख्य अतिथि के के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नागेश ठाकुर ने कहा कि हमारी संस्कृत पर्यावरण के संरक्षण करने वाली रही है।

कर्मियों के मानदेय में बढ़ोतरी करे केंद्र : विपन

दशमी रावत, रोहड़ू

हिमाचल प्रदेश आशा कार्यकर्ता संघ, आंगनबाड़ी कर्मचारी महासंघ व मिड डे मिल कर्मचारी संघ संबंधित भामसं इकाई जुब्बल, रोहड़ू, टिक्कर व चिड़गांव खंड ने केन्द्र सरकार द्वारा पेश बजट में आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी व मिड-डे मिल कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि न करने पर रोष व्यक्त किया है ।

आशा कार्यकर्त्ता संघ की प्रदेश उपप्रधान व जुब्बल खंड की प्रधान पुष्पा मान्टा, सचिव किरण धान्टा, टिक्कर खंड की प्रधान अनिता शर्मा, सचिव कान्ता धान्टा, चिड़गांव खंड की प्रधान विजय लक्ष्मी, सचिव संधीरा शर्मा, उप प्रधान पुनम ठाकुर आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ छौहारा की प्रधान आशा रुगटा, सचिव रेखा शौंघी, जिला उपाध्यक्ष रोमा भाऊटा, पूर्व प्रदेश अतिरिक्त महामंत्री उषा पनिष्टा, खंड सचिव निर्मला, जुब्बल इकाई की प्रधान अनु ठाकुर, मिड-डे मिल संघ की जिला उप प्रधान बीना शर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार यह कहकर पल्ला झाड़ती है कि ये केन्द्र के प्रोजेक्ट हैं, लेकिन न तो वेतन बढ़ाया जा रहा है और न ही उन्हें सरकारी कर्मचारी घोषित किया जा रहा है ।

11 दिसम्बर 2023 को जन्तर मन्तर नई दिल्ली में भामसं के बैनर तले असंगठित क्षेत्र की विशाल रैली हुई थी, जिसमें हजारों बहनों ने भाग लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया था । उसके बाद केंद्र सरकार के स्वास्थ्य, महिला समाज एवं बाल कल्याण मंत्री ने संघ के प्रतिनिधियों से वार्ता कर उनकी मांगों पर अमल करने का आश्वासन दिया था। उन्हें केंद्र सरकार द्वारा पेश बजट में मांगे पूर्ण होने की उम्मीद थी।

प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री व वित्त मंत्री से उन्हें शीघ्र न्यूनतम वेतन देने व सरकारी कर्मचारी घोषित करने के लिए नीति बनाने, आन लाईन के बढ़ रहे कार्य के लिए सभी आंगनबाड़ी वर्कर्ज के पुराने फोन की जगह टेबलेट देने की मांग की है । इस अवसर पर राष्ट्रीय कर्मचारी महासंघ के अखिल भारतीय राष्ट्रीय अध्यक्ष विपन डोगरा, प्रदेश सगंठन मंत्री बृज लाल शर्मा आदि शामिल रहे। (अनंत ज्ञान)

बैठक के दौरान विभिन्न संगठनों के सदस्य रोष जताते हुए।

सरकार कमजोर वर्ग के उत्थान को प्रतिबद्ध : धर्माणी

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने रेस्ट हाउस घुमारवीं में सुनीं जनसमस्याएं

नीरज शर्मा, घुमारवीं

राज्य सरकार समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि समाज में सभी को समान अवसर और संसाधन उपलब्ध हो सकें। यह शब्द प्रदेश सरकार में नगर, ग्राम नियोजन एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने घुमारवीं के लोक निर्माण विभाग के रेस्ट हाउस में जन समस्याओं को सुनते हुए कहे। इस अवसर पर उन्होंने अधिकतर समस्याओं का निपटारा मौके पर ही कर दिया।

रेस्ट हाउस घुमारवीं में लोगों की समस्याएं सुनते मंत्री राजेश धर्माणी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने ऐसे वर्गों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं, ताकि वह सम्मानजनक जीवन जी सकें। । उन्होंने कहा कि स्वर्ण जयंती आश्रय योजना के तहत 50 हजार रुपये से कम आय वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के परिवारों को घर के निर्माण के लिए 1.50 लाख रुपये प्रदान किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 50 हजार से कम आय वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्गों को औजारों और उपकरणों की खरीद के लिए 1300 रुपये, प्रशिक्षितों को सिलाई मशीन के लिए 1800 रुपए प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि घुमारवीं उपमंडल के अंतर्गत गाहर से केट नसवाल सड़क को एफडीआर तकनीक से बनाई जाएगी, जो कि एफडीआई तकनीक से बनाई जाने वाली हिमाचल प्रदेश की पहली सड़क होगी।

एफडीआर तकनीक से पहली मर्तवा बनने जा रही करीब सात किलोमीटर गाहर -केट सम्पर्क सड़क पर लगभग 5 करोड़ 50 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि डंगार से जाहू वाया लोहट,भराड़ी, बाड़ा दा घाट सड़क एमडीआर सड़क के लिए चयनित किया है।

इस मेजर डिस्टिक रोड योजना के इस क्षेत्र के हजारों लोगों को लाभ मिलेगा। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं के कौशल को निखारने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के युवाओं को उद्योगोन्मुखी आधुनिक पाठ्यक्रमों का ज्ञान प्रदान किया जा रहा है और रोजगार उपलब्ध करवाने वाले आधुनिक पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। राज्य के युवाओं को रोजगार देने के लिए रोजगार मेले लगाए जा रहे हैं।

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार की तलाश में भटकने के बजाय उन्हें रोजगार प्रदाता के रूप में उभरने के अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

भराड़ी ओल्ड स्टूडेंट यूनियन जरूरतमंदों का बनी सहारा

बिलासपुर। भराड़ी की ओल्ड स्टूडेंट यूनियन जरूरतमंदों की सहायता करती हुई दूसरों लोगों के लिए प्रेरणा बन चुकी है। यूनियन की शुरुआत वर्ष 2010 में शुरू हुई थी। इस यूनियन में वही लोग जुड़े हैं जो भराड़ी स्कूल में पढ़े हैं। ठंडोडा गांव के स्वर्गीय रतन लाल सोनी व भपराल गांव के धर्म सिंह आजाद वर्ष 1966 में भराड़ी स्कूल में पढ़कर निकले थे। अलग-अलग क्षेत्रों में बेहतर नाम कमाते हुए इन दोनों ने अच्छा मुकाम हासिल किया था। यूनियन 2010 से अब करीब 50 लाख रुपए से ज्यादा की सहायता राशि जरूरतमंदों को बांट चुकी है। यह यूनियन गरीब लड़की की शादी के लिए 5100 रुपएकी आर्थिक सहायता देती है। वहीं आपदा या दुर्घटना के लिए भी यूनियन द्वारा सहायता दी जाती है। भराड़ी स्कूल में 10वीं और 12वीं कक्षा में बेहतर अंक लाने वाले विद्यार्थियों को यूनियन द्वारा सम्मानित किया जाता है। यूनियन के प्रति सदस्य प्रति महीना दो सौ रुपए जमा करते हैं।

बिलासपुर शहर को स्वच्छ-सुंदर बनाने के लिए शुरू किया सफाई अभियान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

सदर विधानसभा क्षेत्र को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए बिलासपुर शहर के डियारा सेक्टर के वार्ड नंबर-10 से हिमुडा के डायरेक्टर व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पूर्व जिला परिषद सदस्य जितेंद्र चंदेल की अगुवाई में सफाई अभियान की शुरुआत की गई। रविवार सुबह करीब आठ बजे से लेकर 11 बजे तक वार्ड नंबर-10 की गलियों व सार्वजनिक स्थलों से कूड़ा एकत्रित किया गया और अवांछित झाड़ियों की कांट-छांट भी की गई।

इस दौरान लोगों को स्वच्छता बारे जागरूक भी किया गया तथा उन्हें अपने आसपास के क्षेत्र के स्वच्छ बनाने के लिए प्रेरित भी किया गया ।एकत्रित किए गए कूड़े को निष्पादन के लिए नगर परिषद को सौंपा गया। हिमुडा के डायरेक्टर जितेंद्र चंदेल ने कहा कि बरसात के मौसम में डेंगू, मलेरिया व स्क्रब टाइफस जैसी बीमारियां होने का अंदेशा रहता है। बिलासपुर शहर के डियारा सेक्टर में पहले भी डेंगू फैल चुका है। लोगों से आग्रह किया कि वह कूड़े को खुले में न फेंके और सूखे और गीले कूड़े को अलग-अलग एकत्रित कर नगर परिषद को देना सुनिश्चत करें तथा गमलों व अपने आसपास गड्ढों में पानी एकत्रित न होने दें। गड्ढों को मिट्टी से भर दें तथा गमलों व कूलर की सप्ताह में एक बार साफ-सफाई जरूर करें। उन्होंने लोगों को प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों की जानकारी भी दी। प्रदेश सरकार हर वर्ग को लाभान्वित करने का प्रयास कर रही है। सरकार अपनी गारंटियों को चरणबद्ध तरीके से पूरा कर रही है। गत वर्ष आई प्राकृतिक आपदा के समय केंद्र सरकार ने प्रदेश की सहायता नहीं की। बावजूद इसके मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह ने अपने सीमित संसाधनों से 4500 करोड़ रुपए प्राकृतिक आपदा प्रभावितों को वितरित किए।

इस अवसर पर वार्ड नंबर-10 के पार्षद मनोज कुमार पिल्लई, पार्षद श्याम लाल पंवर व साजिद खान, चंदन शर्मा, मनमोहन भंडारी, डॉ. विनोद कुंदी, कमल कुंदी, रितेष मेहता, सुमित मेहता, संदीप मेहता, प्रवेज, कमला देवी व उर्मिला चंदेल भी मौजूद रहे।

बिलासपुर महाविद्यालय में जल्द शुरू होगी काउंसिलिंग प्रक्रिया

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में सत्र 2024 -25 के लिए स्नातकोत्तर विषयों के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया आरंभ करने जा रहा है। यह प्रवेश एमए अर्थशास्त्र, एमए इंग्लिश, एमएससी मैथ्स, एमकॉम, एमएससी कैमिस्ट्री तथा एमएससी फिजिकल और पीजीडीसीए प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए है। प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि 15 जुलाई से 25 जुलाई शाम 5 बजे तक रखी गई थी।

महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य डॉ पी एस कटवाल ने बताया कि 29 जुलाई को सभी उपरोक्त विषयों के प्रथम सेमेस्टर के लिए काउंसलिंग की जाएगी। काउंसलिंग में सभी विद्यार्थियों को ऑनलाइन भरे हुए फॉर्म की एक हार्ड कॉपी व सभी ओरिजिनल दस्तावेज व उन दस्तावेजों की एक-एक कॉपी साथ में लाना अनिवार्य है। इसके साथ ही यदि किसी विद्यार्थी ने किसी कैटेगरी के लिए आवेदन किया है तो उसे उस कैटिगरी का प्रमाण पत्र साथ में लाना अनिवार्य है तभी उसे उस कैटेगरी का लाभ मिलेगा। चयनित विद्यार्थियों को 29 जुलाई से 31 जुलाई तक अपनी फीस जमा करवानी होगी और उनकी रेगुलर टीचिंग 1 अगस्त 2024 से शुरू हो जाएगी। डॉक्टर कटवाल ने कहा कि काउंसलिंग की प्रक्रिया सुबह 10 बजे महाविद्यालय परिसर में ही की जाएगी। पीजी फर्स्ट सेमेस्टर मे उन्ही विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा जो काउंसलिंग में उपस्थित रहेंगे। अब तक पीजीडीसीए विषय में 23, एमकॉम में 66, एमएससी कैमिस्ट्री में 171, एमएससी मैथ्स में 113,एमएससी फिजिक्स में 80, एमए इंग्लिश में 13 व एमए अर्थशास्त्र में 9 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। पीजीडीसीए विषय के लिए सब्सिडाइज्ड व नॉन सब्सिडाइज्ड सीटों की संख्या 20 -20 रखी गई है इसके अलावा अन्य सभी विषयों में सीटों की संख्या 30 रखी गई है।

स्वास्थ्य

बच्चों के शरीर को सही ग्रोथ देने में डाइट बहुत अहम : डॉ. सतीश शर्मा

डाइट को लेकर न करें कोई भी लापरवाही

शुभम राही, बिलासपुर

बच्चों के शरीर को सही ग्रोथ देने में अच्छी डाइट का अहम योगदान होता है। अगर बच्चों में जरूरी पोषक तत्वों की कमी होती है, तो उन्हें कई हेल्थ प्रॉब्लम्स बड़ी ही आसानी से अपने चपेट में ले सकती हैं। यह बात जिला अस्पताल बिलासपुर में तैनात वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सतीश शर्मा ने हेल्थ टिप्स के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि बच्चों की डाइट को लेकर जरा सी भी हुई लापरवाही उनको जल्दी-जल्दी बीमार डालने का काम कर सकती है। बच्चों की इम्यूनिटी बचपन में काफी अच्छी होती है, जिसकी वजह से वह कई बीमारियों से आसानी से लड़ सकते हैं। इसलिए बच्चों के सही विकास और इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखने के लिए उनके आहार में मिनरल्स, हार्बोहाइड्रेट, विटामिंस और जरूरी पोषक तत्वों का होना आवश्यक होता है। कैल्शियम हमारे सेहत के लिए बहुत ही जरूरी तत्वों में शामिल होता है । यह दांतो और हड्डियों के हेल्थ को सही रखने में मददगार होता है। डॉ सतीश बताते है कि इसकी कमी होने पर बच्चों के दांतो से जुड़ी कई दिक्कतें शुरू होने लगती हैं। इसलिए ऐसी समस्याओं से बचने के लिए अपने बच्चों को कैल्शियम से भरपूर डाइट दें। प्रोटीन हमारे शरीर की ग्रोथ के लिए बेहद जरूरी है और बच्चों की लंबाई के साथ ही उनके बॉडी ग्रोथ के लिए भी आवश्यक है। बॉडी की मांसपेशियों और ऊतकों के बिल्डअप के लिए प्रोटीन बेहद जरूरी होता है। इसकी कमी होने पर हमारे मसल्स में कमजोरी आने लगती है।

इसके अलावा बच्चों में इसकी कमी होने पर उनके विकास पर भी इसका गहरा असर पड़ सकता है। हमारे शरीर के लिए विटामिन सी भी जरूरी तत्वों में शामिल होता है। इसलिए बच्चों की डाइट में विटामिन सी से भरपूर सब्जियों और फलों को जरूर शामिल करें। बच्चों के इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में विटामिन सी मदद कर सकता है और कई इंफेक्शन से भी बचाव करने में मददगार होता है। हमारे शरीर में जब आयरन की कमी होने लगती है, तो इसकी वजह से हमारे मसूड़े काले नजर आने लगते हैं और इसके कारण से बच्चों के बॉडी में खून की कमी हो सकती है। आयरन की कमी होने पर आपका बच्चा एनीमिया का शिकार बन सकता है।

इसलिए अपने बच्चे को हमेशा आयरन से भरपूर चीजों को खिलाएं और कोशिश करें कि इसकी कमी आपके बच्चे में ना हो। अगर आपका बच्चा पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को खाने के लिए आनाकानी करता है, तो इन चीजों के खिलाने के तरीके में बदलाव लेकर आ सकते हैं या इन्हें फ्लेवर या सजावट के साथ उनके सामने पेश करें। हो सकता है कि आपका बच्चा इस तरीके से इन चीजों के इनटेक कर ले। (अनंत ज्ञान)

अब टीसीपी एक्ट के तहत आएंगे एक हजार वर्ग मीटर में बने भवन

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

हिमाचल प्रदेश सरकार ने प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में 1,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में बनने वाले किसी भी भवन या बुनियादी ढांचे को नगर एवं ग्राम नियोजन अधिनियम के अंतर्गत लाने का निर्णय लिया है। नगर एवं ग्राम नियोजन तथा तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में 1,000 वर्ग मीटर से अधिक ग्रामीण क्षेत्र में होने वाले निर्माण नगर एवं ग्राम नियोजन अधिनियम के अंतर्गत आएंगे।

उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उदेश्य यही है कि आपदा की आशंका वाले क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का भवन निर्माण न हो। उन्होंने कहा कि जहां भवन का निर्माण होना है, उस जगह को देखा जाएगा वहां निर्माण होना उचित है या नही। उस भवन का स्ट्रक्चर डिजाइन देखा जाएगा कि वह सुरक्षित है या नहीं है। उस क्षेत्र की जीओलॉजिकल इंफर्मेशन देखी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऐसी जगह में भवनों का निर्माण हो गया है, जहां पर वह भवन सुरक्षित नही थे। उनकी जीओलॉजिकल इंफर्मेशन थी कि वहां भूस्खलन भविष्य में भी हो सकते है। टीसीपी इन सभी चीजों को देख कर ही नक्शा पास करती है। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे क्षेत्रो में भवनों का निर्माण हुए है, जहां पैदल जाने के लिए भी रास्ता नही है।

आपदा के समय जहां फायर बिग्रेड की गाड़ी भी नहीं जा सकती। ऐसे क्षेत्रों में आपदा के समय राहत कार्य नहीं कर पाते है। उन्होंने कहा कि दूसरा उसका उद्देश्य है कि प्रदेश में बड़े प्रोजेक्ट आ रहे हैं बड़ा होटल बन रहा है इस्टीट्यूट बन रहा है वो सरकार को कुछ योगदान दे, जिससे सरकार उस पैसे से आसपास के क्षेत्रों का विकास कार्य कर सके।

कहानी-8

अनंत ज्ञान
हर गांव कुछ कहता है

अपने सामाजिक दायित्वों को निभाते हुए 'अनंत ज्ञान' ने हिमाचल के विभिन्न गांवों के ऊपर 'हर गांव कुछ कहता है' नाम से एक सीरीज शुरू की है। सीरीज के तहत पाठकों को हिमाचल के गांवों की खूबियों से रू-ब-रू करवाया जाएगा। इसमें गांवों की कई रोचक और प्रेरक जानकारियों से आज की पीढ़ी को अवगत करवाने का प्रयास रहेगा। पाठक भी अपने गांव के ऐसे रोचक प्रसंग/जानकारीपरक सामग्री अपने नाम और फोटोग्राफ्स के साथ हमें भेज सकते हैं। कृपया सामग्री ई-मेल (editoranantgyaan@gmail.com) अथवा व्हाट्सऐप नं. 8894521702 पर भेजें। सामग्री से संबंधित अगर आपसे कोई संपर्क करना हो तो अपना मोबाइल नं. भी अवश्य मेल पर ही लिखकर भेजें।

धुंदला गांव में राजा के बंगले में होती थी सेना की भर्ती

आज हम बात करेंगे ऊना जिले के बंगाणा उपमंडल के सबसे बड़े गांव की। इस खूबसूरत गांव का नाम है धुंदला। यह गांव अपने आप

राजेश शर्मा, ऊना

में ही एक इतिहास लिए हुए है। इस गांव में लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है, जबकि सेना में भी काफी लोग अच्छे-अच्छे पदों पर सेवा दे रहे हैं। गांव के तकरीबन सभी वार्ड पक्की सड़क से जुड़ चुके हैं। मोहल्लों और वार्डों में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था भी है। यहां हिंदू, मुस्लिम और कुछ सिख समुदाय के लोग हैं। सभी लोग आपस में सौहार्दपूर्ण माहौल में रहते हैं। गांव के कुछ युवा आईटी सेक्टर में अच्छे पैकेज के साथ काम कर रहे हैं। अकाउंट्स के क्षेत्र में भी यहां कई लोगों ने अपनी पहचान बनाई है।

प्राचीन जमासनी देवी मंदिर है पहचान

धुंदला गांव की पहचान प्राचीन माता जमासनी देवी मंदिर से भी है। यह मंदिर पांडवों के समय से भी पहले का बना हुआ बताया जाता है। मंदिर का जो पुराना ढांचा था उनके अभी भी वहां चिन्ह मिलते हैं। हर्षवर्धन काल की ईंटें इस मंदिर क्षेत्र के आस पास मिलती हैं। उससे यह भी अनुमान लगाया जाता है कि कभी पहले भी यह क्षेत्र नगरी रहा होगा जहां आबादी में मंदिर भी था। मंदिर के पास सैकड़ों वर्ष पुराना पीपल का पेड़ है। यह किसी मंदिर की छत पर था। पीपल की जड़ों ने ऐसा मंदिर नुमा आकार लिया है। जड़ों में अभी भी ईंट पत्थर निकलते हैं। प्राचीन मंदिर की इतनी मान्यता है कि राज्य सरकार के पर्यटन महकमे ने यहां श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इंतजाम भी किए हैं और मंदिर का विकास भी कराया गया है।

धुंदला का ननावीं बंगला होता था सेना का भर्ती स्थल

राजा मोहिंदर पाल सिंह देश की आजादी के पश्चात भारत सरकार की पूरी मदद भी करते थे। कुटलैहड़ एक रियासत थी, लेकिन इस रियासत के अधिक से अधिक युवा सेना में जाएं इसलिए यहां सेना ने भर्ती केंद्र भी संचालित किया था। इस केंद्र में अस्सी के दशक तक भर्तियां होती रहीं। भर्ती स्थल पर युवाओं के ठहरने के अस्थायी इंतजाम भी हुआ करते थे। अक्सर यहां भर्ती कैंप लगाए जाते थे। दौड़ के अलावा शारीरिक मापदंड पूरा करने के लिए राजा के बंगला में इंतजाम रहता था। कई लोग यहां भर्ती होकर सेना के ऊंचे पदों तक पहुंचे। यहां कारगिल युद्ध में प्वाइंट 5140 के हीरो रहे हवलदार देव प्रकाश का भी घर है।

राजा मोहिंदर पाल का विश्राम गृह (बंगला) भी रहा इतिहास

धुंदला गांव का एक वार्ड ननावीं भी है। इस वार्ड में कुटलैहड़ रियासत के पूर्व राजा मोहिंदर पाल सिंह का विश्राम गृह (बंगला) था। यहां राजा साहब जब प्रभावी थे तब उनकी कभी-कभार सभा लगती थी। इस क्षेत्र के लोगों की सुनवाई यहां होती थी। राजा सोलह सिंगी धार की वन संपदा के भी स्वामी थे। इसके लिए यहां विश्राम गृह को वन परिक्षेत्र अधिकारी का दफ्तर भी कहा जाता था। यहां वन रक्षक और अन्य स्टाफ तैनात रहता था। लोग यहां इस भवन को राजा का बंगला नाम से भी पहचानते थे। वर्तमान में यह खंडहर बन चुका है और अब तो उसका अस्तित्व भी मिट गया है। बताया जाता है कि सरकार द्वारा वन जागीरें वापस लेने के बाद राज परिवार इस बंगले और भूमि को बेच चुके हैं।

क्षेत्रफल और आबादी के हिसाब से सबसे बड़ा गांव : प्रधान सुषमा कुमारी

ग्राम पंचायत धुंदला की प्रधान सुषमा ने बताया कि कुछ समय पहले तक आबादी और क्षेत्रफल के हिसाब से धुंदला कुटलैहड़ का सबसे बड़ा गांव होता था। अब इस गांव की दो पंचायतें बनाई गई हैं, लेकिन विकास के मामले में अब भी यह नंबर वन पंचायत है। सभी सड़कें पक्की हैं और लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा लोगों को प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। कई समुदायों के लोग यहां हैं, लेकिन सभी आपसी भाईचारे की भावना से रहते हैं।

खेल मैदान और पंचायत घर की जरूरत : उपप्रधान रमन कुमार

उप प्रधान रमन कुमार का कहना है कि उनके गांव में जमा दो तक विद्यालय और स्वास्थ्य उप केंद्र है। यहां पशु औषधालय की जरूरत है। पशुधन भी लोगों के पास है जिसके कारण यहां पशुओं के उपचार के लिए लोगों को दूर जाना पड़ता है। उन्होंने युवाओं के लिए खेल मैदान और पंचायत घर का नया भवन बनाए जाने को भी यहां की जरूरत बताया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए विधायक ने आश्वासन भी दिया है। लोगों की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। गांवों में शहरों जैसी सुविधाएं मिलें ऐसी व्यवस्था बनाई जा रही है।

शहीद बृजेश कुमार स्मारक द्वार

धुंदला के ननावीं वार्ड का प्रवेश द्वार गांव के सपूत शहीद बलिदानी बृजेश कुमार के नाम पर है। बृजेश कुछ साल पहले आतंकियों से लोहा लेते शहीद हो गए थे। इस प्रवेश द्वार पर एक वाटिका का निर्माण भी किया जा रहा है। यहां लोगों के बैठने के अलावा कूड़ा एकत्रित करने के लिए डस्टबिन भी स्थापित किए गए हैं। हिम ईरा की एक शॉप और मनरेगा रेन शेल्टर भी यहां यात्रियों की सुविधा के लिए लगाया गया है। हिम ईरा शॉप को महिला मंडल समूह द्वारा चलाया जा रहा है।

धुंदला एक मॉडल गांव : रि. कैप्टन गुरदास मान

धुंदला गांव के निवासी सेना के पूर्व अधिकारी कैप्टन गुरदास राम ने कहा कि धुंदला एक मॉडल गांव है। यहां हर वार्ड के लिए रास्ते हैं, और विकास कार्यों में भी अव्वल है। यहां लोग मुख्य रूप से कृषि का कार्य करते हैं। ऑर्गेनिक फार्मिं को बढ़ावा देने के लिए यहां लोगों में जागरूकता आ रही है। वह दिन दूर नहीं जब लोग बैलों से ऑर्गेनिक खेती की दिशा में बढ़ेंगे। गांव में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय है और यहां उच्च विद्यालय काफी पुराना था। यहां लोग सेना में सेवाएं दे रहे हैं और कई बच्चे इंजीनियरिंग के क्षेत्र और अन्य क्षेत्रों में भी पहचान बना रहे हैं।

बहुत बदल गई है ग्रामीण विकास की व्यवस्था : वार्ड मेंबर कर्म चंद

धुंदला गांव के पूर्व वार्ड सदस्य कर्म चंद का कहना है कि पहले की अपेक्षा अब गांवों के विकास की व्यवस्था बदल चुकी है। विकास के लिए पहले धन की कमी होती थी, लेकिन अब वह नहीं है। गांवों के सामाजिक जीवन में कभी आपसी प्रेम भाईचारे की मिसालें देखने को मिलती थीं, कब दूरियां होने लगी हैं। व्यस्तता या आधुनिकता इसके पीछे कोई भी कारण हो सकता है। गांवों की पुरानी संस्कृति और सभ्यता के संरक्षण की जरूरत है।

न्यूज ब्रीफ

लोकसभा चुनाव कांग्रेस को आईना : रतन सिंह पाल

अनंत ज्ञान, सोलन। भारतीय जनता पार्टी जिला सोलन के अध्यक्ष रतन सिंह पाल ने कहा कि गत लोकसभा चुनाव में जिला सोलन के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को मिली ऐतिहासिक लीड से वर्तमान सरकार और कांग्रेस पार्टी को जिला की जनता ने आईना दिखा दिया। डेड़ साल पहले झूठ का सहारा लेकर बनी यह सरकार, जिसके चलते प्रदेश और जिला के कांग्रेसी नेता भी अपने-अपने विधानसभा हलकों को भी नहीं बचा पाए। यहीं नहीं प्रदेश और जिला स्तर के नेता जो अपने आप को मुख्यमंत्री के बराबर समझते है वह अपने बूथ नहीं बचा सके। कुल मिलाकर 52,106 की लीड़ जिला सोलन से मिली, जिससे साफ जाहिर होता है कि जिला में कांग्रेस सरकार से लोगो का मोह भंग हो गया है।

बूणी में डंगा ढहने से मकान को खतरा

अनंत ज्ञान, नादौन। नादौन उपमंडल की पंचायत बूणी के गांव घरठूं में वारिश के कारण डंगा ढह गया है, जिससे मकान को खतरा पैदा हो गया है। मकान के साथ लगता डंगा ढह जाने से परिवार के सदस्य चिंतित हैं। क्षेत्र के संजु कुमार ने बताया कि शनिवार शाम को हुई जोरदार वारिश के कारण घरठूं गांव के देव राज शर्मा के मकान के साथ लगता डंगा ढह गया है जिससे मकान को खतरा बना हुआ है। खबर मिलते ही बूणी पंचायत के उप प्रधान जीवन मिन्हास व वार्ड पंच जीवना कुमारी मौका पर आए तथा हुए नुकसान का जायजा लिया। देव राज ने सरकार से आग्रह किया है कि शीघ्र डंगा लगवाने के लिए सहायता की जाए ताकि मकान को होने वाले खतरे को रोका जा सके।

लौह उद्योग की भट्ठी में धमाके से चार घायल

अनंत ज्ञान, बीबीएन। औद्योगिक क्षेत्र बद्दी में एक लौह उद्योग की भट्ठी में धमाका होने से चार कामगार झुलस गए। घायल अवस्था में इन कामगारों को झाड़माजरी के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर जमशाद व बालमीत को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया, जबकि महेश व अंबिका अभी उपचाराधीन हैं। जानकारी के अनुसार लौह उद्योग की भट्ठी में धमाका हो गया। इस दौरान पिघला हुआ लोहा गिरने से चार कामगार झुलस गए। कामगारों को झाड़माजरी के निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया। एएसपी अशोक वर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने कंपनी के खिलाफ लापरवाही बरतने पर मामला दर्ज कर लिया है। घायल चार कामगारों में दो की हालत ठीक होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। दो अभी उपचाराधीन है। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

अयोध्या बस रूट को हफ्ते में एक दिन चलाने की योजना

घाटे में चल रहा हमीरपुर डिपो का अवाहदेवी-अयोध्या बस रूट

रवि ठाकुर, हमीरपुर

एचआरटीसी डीपो हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश के सबसे लंबे बस रूट अवाहदेवी से अयोध्या बस सेवा को हफ्ते में एक दिन चलाने की योना बनाई जा रही है। निगम की नॉन एसी ऑर्डिनेरी बस अयोध्या धाम पहुंचने के लिए करीब 1,234 किलोमीटर सफर कर रही है। हालांकि निगम को इनकम प्राप्त नहीं हो रही है। निगम अयोध्या धाम बस को अभी रूटीन में रूट पर चला रहा है, जिसे जल्द ही हफ्ते में एक दिन चलाया जाएगा।

हमीरपुर डिपो का अवाहदेवी से अयोध्या धाम बस रूट वर्तमान में घाटे में चल रहा है। यह वही बस रूट है, जो तीन माह पहले हमीरपुर डिपो का लखटकिया रूट बना था। निगम प्रबंधन रूट को डेढ़ लाख तक पहुंचाने का प्रयत्न कर रहे थे, लेकिन गर्मियों के मौसम के चलते रूट दिन-प्रतिदिन घाटे में चलता गया और नौबत बस रूट को बंद करने तक पहुंच गई है। क्योंकि अयोध्या धाम बस रूट तेल खर्च भी नहीं निकाल पा रही है। ऐसे में बस को हफ्ते में एक बार भेजने की योजना बनाई जा रही है। सूत्रों की मानें तो अयोध्या धाम बस को हर शनिवार को भेजने का प्लान तैयार किया गया है। निगम की बस अपने टाइमटेबल के मुताबिक अयोध्या धाम के लिए रवाना होगी और बस अयोध्या धाम से सोमवार को वापस लौटकर आएगी। अयोध्या धाम बस में एक-साथ दो ड्राइवर भेजे जाएंगें, जो कि यात्रियों को अयोध्या धाम पहुंचाएंगे और यात्रियों को दर्शन इत्यादि करवाकर दोबारा हमीरपुर रवाना होगी। (अनंत ज्ञान)

प्रपोजल हेड ऑफिस भेजा गया है : पाठक

हमीरपुर डिपो के उप मंडलीय प्रबंधक राजकुमार पाठक का कहना है कि अवाहदेवी से अयोध्या धाम के लिए चलाई जा रही बस सेवा वर्तमान में घाटे में चल रही है। ऐसे में बस रूट को हफ्ते में एक दिन चलाने का प्रपोजल हैड ऑफिस भेजा गया है, ताकि यात्रियों को भी सुविधा मिलती रहे और निगम को भी घाटा न उठाना पड़े।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. बिंदल ने नाहन में सुनी 'मन की बात'

अनंत ज्ञान, नाहन

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने नाहन विधानसभा क्षेत्र के बूथ नम्बर 82, शम्भूवाला में भाजपा जिला, मंडल पदाधिकारी व अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना।

उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम से पूरे भारत के बारे में पता चलता है और इस कार्यक्रम से अनेकों संस्कृति एवं कार्यक्रमों के बारे में जानकारी मिलती है। आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने हिमाचल का जिक्र किया, इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री और हिमाचल का कितना गहरा नाता है। प्रधानमंत्री ने हमेशा हिमाचल को अपना दूसरा घर माना है और वे हिमाचल की विशेष चिंता करते है।

उन्होंने कहा 112वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी को असम के चराईदेव मैदाम के बारे में अवगत करवाया, जिसको यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थलों में शामिल किया जा रहा है।

इस सूची में यह भारत का 43वां स्थल होगा, लेकिन पूर्वोत्तर से यह पहला स्थल होगा। चराईदेव का अर्थ है पहाड़ियों पर चमकता हुआ शहर, यह अहोम वंश की पहली राजधानी थी।

दूसरी किस्त न मिलने से अधूरे मकानों में बरसाती आफत

अनंत ज्ञान, पंडोह

प्राकृतिक आपदा से पीड़ित परिवारों को फौरी राहत राशि व गृह निर्माण के लिए 7 लाख की राशि देना सुक्खू सरकार का ऐतिहासिक व जनकल्याणकारी निर्णय रहा है। अफसोसजनक बात यह है कि एक वर्ष बीत जाने के बाद अब दूसरी बरसात आ गई पर अभी तक पिछले साल बरसात में बेघर परिवारों के आवास अभी तक नहीं बन पाए हैं। अधिकांश पीड़ित परिवार आज भी टेंट में या आधे अधूरे नव निर्मित घरों में जीवन यापन को मजबूर हैं।

सरकार ने गृह निर्माण के लिए पहली किस्त 2 लाख की जारी करने के बाद दूसरी किस्त नहीं दी है, जिससे ये परिवार और अधिक परेशान हैं।

अब वे दुकानदार जिन्होंने गृह निर्माण सामग्री के लिए इन परिवारों को निर्माण सामग्री उधार दी थी, घर आ कर तंग करने लगे हैं। कुछ परिवारों ने चारदीवारी बना ली है बस लेंटर पड़ना शेष है। कुछ ने मकान कार्य पूरा कर लिया है मगर देनदारी शेष है। दोनों ही दशा में पीड़ित परिवार परेशानी में हैं।

पंडोह के नंदलाल व अशोक कुमार, कुकलाह के भागीरथ, प्रेम सिंह, शेर सिंह, धर्म सिंह, परस राम, विजेन्द्र सिंह और देश राज ने अपनी व्यथा संज्ञा करते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार और धन्यवाद तो व्यक्त किया कि यदि मुख्यमंत्री उनकी सहायता न करते तो वे कभी घर नहीं बना पाते। उन्होंने अफसोस व्यक्त करते हुए कहा कि अब तक इन्हें शेष राशि की अगली किश्त नहीं दी गई है, जिसकी उन्हें बेहद जरूरत है। उन्होंने कहा कि वे कभी खंड विकास अधिकारी के पास गुहार लगाते हैं तो कभी एस डी एम कार्यालय में जाते हैं।

मगर कोई भी अधिकारी उन्हें यह जानकारी नहीं देता है कि किस्त कब मिलेगी। वे हमेशा यही कहते हैं कि सात लाख वाली योजना की कोई जानकारी अथवा सूची हमारे कार्यालय में नहीं है।

फड़ेलानाला में भूस्खलन के कारण 16 घंटे बंद रहा एनएच 305

अनंत ज्ञान, आनी

आनी क्षेत्र में शनिवार रात हुई भारी बारिश के कारण एनएच 305 आनी और कुल्लू के बीच फड़ेलानाला में भूस्खलन के कारण करीब 16 घंटों अवरुद्ध रहा, जिसके चलते आनी और कुल्लू के बीच यातायात वैकल्पिक मार्ग कण्डुगाड से कंडा सड़क पर परिवर्तित किया गया।

वहीं फड़ेलानाला में पहाड़ी पर से लगातार पत्थरों के गिरने के चलते हाइवे बहाली का कार्य देरी से शुरू हो पाया।

एनएच विभाग के आनी सबडिवीजन के एसडीओ रुद्रमणी शर्मा ने बताया कि सैंज-आनी-ओट नेशनल हाईवे305 आनी और कुल्लू के बीच आनी से करीब 8 किलोमीटर दूर फड़ेलानाला में शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे ही बाधित हो गया था।

स्थापना दिवस हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग अधीक्षक ग्रेड-1 अधिकारी संघ ने मनाया स्थापना दिवस

12 सूत्री मांग पत्र को शीघ्र पूरा करे सरकार

अनिल कुमार, हमीरपुर

हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग अधीक्षक ग्रेड-1 (राजपत्रित प्रथम श्रेणी) अधिकारी संघ का प्रथम स्थापना दिवस समारोह जिला मुख्यालय हमीरपुर में मनाया गया, जिसमें अधीक्षक ग्रेड वन की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन ने की। बैठक में सभी जिलों से संघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकरिणी सदस्यों ने भाग लिया।

संघ के प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन, प्रदेश महासचिव कश्मीर ठाकुर, संयुक्त सचिव मिलाप चंद, अशोक गौतम एवं उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार ने बताया कि महाधिवेशन में सचिव शिक्षा हिमाचल प्रदेश सरकार को भेजे गए 12 सूत्रीय मांगपत्र को शीघ्र लागू करने की मांग की गई।

उन्होंने बताया कि सरकार को भेजे गए मांगपत्र में राजकीय महाविद्यालयों में तैनात अधीक्षक ग्रेड वन को आहरण एवं वितरण शक्तियां प्रदान की जाए,ताकि कार्यालय के कार्य निष्पादन एवं वित्तीय प्रबंधन में पूरी पारदर्शिता बनी रहे। राजकीय महाविद्यालयों में अधीक्षक ग्रेड-1 को आहरण एवं वितरण अधिकारी की शक्तियां प्रदान करने से जहां कालेज प्राचार्यों के कंधों का बोझ कम होगा।

वहीं, विद्यार्थियों की गुणात्मक शिक्षा में भी सुधार होगा। मांगपत्र में शिक्षा विभाग में प्रशासनिक अधिकारी, पंजीयक एवं स्थापना अधिकारी के पद भर्ती एवं पदोन्नति नियमों में एकमुश्त छूट देकर वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति देना, अधीक्षक ग्रेड वन के पद को अनुभाग अधिकारी (राजपत्रित प्रथम श्रेणी) में परिवर्तित करना, अधीक्षक ग्रेड वन को एक जनवरी 2016 से पे मैट्रिक्स लेवल-17 में संशोधित वेतनमान देना, राजकीय महाविद्यालयों में तैनात अधीक्षक ग्रेड वन का कार्य प्रोफाइल बनाना, सभी 141 खंड प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी कार्यालयों में अधीक्षक ग्रेड वन के पदों को पुन: बहाल करने, राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूलों में अधीक्षक ग्रेड वन के पद सृजित करने, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) तथा एनसीसी राज्य मुख्यालय में अधीक्षक ग्रेड वन का पद अपग्रेड करने, 7.7.2014 से पूर्व अधीक्षक ग्रेड टू के पद पर 4.9.14 न्यू एसीपी स्कीम के अंतर्गत वेतन वृद्धि से वंचित रह गये अधीक्षक ग्रेड वन को अतिरिक्त वेतन वृद्धि प्रदान करना तथा अधीक्षक ग्रेड वन को दो हजार रूपये मासिक प्रशासनिक भत्ता देना इत्यादि अनेक मांगों को लागू करने की प्रदेश सरकार से मांग की गई।

मीटिंग के बाद हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग अधीक्षक ग्रेड-1 अधिकारी संघ के पदाधिकारी संयुक्त चित्र में।

प्रदेश के कर्मचारियों को लंबित 12 प्रतिशत मंहगाई भत्ते की किस्त जारी करने के लिए प्रदेश सरकार से मांग की गई। उन्होंने प्रदेश के कर्मचारियों को एक वर्ष का सेवा विस्तार देने प्रदेश सरकार के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री की कर्मचारी हितैषी सोच की सराहना की, लेकिन साथ ही संघ ने यह मांग भी की है कि सेवा विस्तार के दौरान कर्मचारियों को पूर्ण वेतन एवं पदोन्नति सहित अन्य सभी सेवा लाभ भी यथावत प्रदान किए जाएं। (अनंत ज्ञान)

आज चुना जाएगा सुजानपुर का नया अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

भाजपा व कांग्रेस के चार-चार पार्षद होने के चलते चुनाव दिलचस्प

ए. कुमार, सुजानपुर

नगर परिषद सुजानपुर में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर कब्जा पाना भाजपा व कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। दोनों राजनीतिक पार्टियों में भाजपा व कांग्रेस के बराबर के चार-चार पार्षद होने के चलते इस दिलचस्प मुकाबले को लेकर वर्चस्व कायम रखने की जंग की ससुगबुगाहट शुरू हो गई है। दोनों पदों के चुनाव को लेकर दोनों सियासी दल अपनी अपनी बिसात बिछाने में लग गए हैं। एक और जहां कांग्रेस के सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र का उपचुनाव जीतने के साथ साथ पंचायत समिति अध्यक्ष पद पर कब्जा पाने से हौसले बुलंद है तो वहीं दूसरी और नगर परिषद सुजानपुर में इन पदों पर कब्जा पाना भाजपा के लिए चुनौती से कम नहीं है। इससे पूर्व इन पदों पर भाजपा समर्थित पार्षद ही विराजमान थे। करीब 6 माह पूर्व

भाजपा समर्थित वार्ड पार्षद एवं अध्यक्ष सुनीता देवी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद नगर परिषद सुजानपुर का अध्यक्ष पद खाली हो गया था। हालांकि दिलचस्प पहलू है सुनीता देवी तथा भाजपा समर्थित पार्षद शकुंतला देवी के बीच समझौता हुआ था की बारी-बारी से अध्यक्ष पद की पारी खेलेंगे। वर्तमान में 9 वार्ड सदस्य वाली नगर परिषद में आठ बार पार्षद है, जबकि वार्ड 7 पार्षद एवं उपाध्यक्ष की मृत्यु के कारण एक पद खाली हो गया था। अब जबकि 6 महीने से अध्यक्ष पद के साथ एक माह से उपाध्यक्ष पद भी खाली है। इन पदों को चुने जाने की तिथि निर्धारित होने के साथ ही राजनीतिक गुणा भाग शुरू हो गए हैं। वर्तमान में चार ही भाजपा तथा चार ही कांग्रेस संबंधित पार्षद है लेकिन भीतर अंदर खाते क्या उठापटक होगी अपने अपने समर्थित पार्षदों को मनाने की कवायद शुरू हो गई है। नगर परिषद सुजानपुर में अध्यक्ष पद एससी वर्ग के लिए आरक्षित है। 8 पार्षदों में 4 पार्षद एससी वर्ग से संबंध रखते हैं।

विधायक का वोट भी होगा काउंट

अगर सर्वसम्मति से फैसला न होकर इन पदों के लिए वोटिंग की जाती है तो विधायक वोटिंग में भाग ले सकते हैं इसी के चलते कांग्रेस को अप्पर हैंड है। नगर परिषद सुजानपुर के ईओ संजय कुमार ने बताया कि सोमवार 11 बजे अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

पुलिस थाना पंचरुखी में भंडारे का आयोजन

अनंत ज्ञान, पंचरुखी। पुलिस थाना पंचरुखी में रविवार को तीसरे विशाल भंडारे का अयोजन किया गया। हजारों लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। थाना प्रभारी नंद लाल शर्मा ने बताया कि जब से थाना में मंदिर की स्थापना की है, तब से लगातार इस भंडारे का आयोजन करवाते आ रहे हैं। इस मौके पर डीएसपी अनिल शर्मा भी मौजूद रहे।

विधायक सुधीर ने सुनी पीएम की मन की बात

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। स्थानीय विधायक सुधीर शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को कार्यकर्ताओं के साथ सुना ।

आईटीआई नैहरनपुखर में साक्षारता शिविर आयोजित

अनंत ज्ञान, परागपुर। सरकारी आईटीआई नैहरनपुखर में 27 जुलाई 2024 को डिजिटल साक्षारता को लेकर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस जागरूकता शिविर मे साइबर क्राइम, सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमता,(एआई), साइबर पुलिंग, ऑनलाइन ठगी, धोखाधड़ी वाली फोन काल्स बारे संस्थान प्रशिक्षणार्थिओं को जागरूक किया गया। इस मौके पर नायब तहसीलदार अश्वनी कुमार व उनके साथ आए आईटी एक्सपर्ट राहुल चौधरी, संस्थान प्रधानाचार्य ई. ललित मोहन, आईटी एक्सपर्ट रवि गुलेरिया व संस्थान के अनुदेशक उपस्थित रहे। आईटी एक्सपर्ट रवि गुलेरिया साइबर क्राइम के सभी विषयों पर बारीकी से जानकारी दी। प्रधानाचार्य ई. ललित मोहन ने सभी प्रशिक्षणार्थिओं को जागरूक रहकर सपने आसपास भी सभी को जागरूक करने का आह्वान किया।

जवान अजय राणा को सैकड़ों नम आंखों ने दी अंतिम विदाई

पैतृक गांव नरेलु में सैन्य सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

अजय पाल, पंचरुखी

ब्लॉक पंचरुखी की ग्राम पंचायत भरवाना के गांव नरेलु के 25 वर्षीय सैनिक अजय राणा का बीमारी के चलते निधन हो गया। रविवार सुबह 9 बजे उनकी पार्थिव देह उनके पैतृक गांव नरेलु में पहुंची, जहां खुर्डपट शमशानघाट में उनका सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

अजय राणा 2018 में 8 डोगरा रेजिमेंट मे भर्ती हुए थे और जम्मू में अपनी सेवाएं दे रहे थे। कुछ महीनों से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा था, जिसके चलते आर्मी अस्पताल दिल्ली में इनका इलाज भी चल रहा था। अभी कुछ दिन पहले ही अजय राणा घर से छुट्टी काटकर गए थे। शुक्रवार को इलाज के दौरान शाम करीब 6 बजे इन्होंने आर्मी अस्पताल दिल्ली में अंतिम सांस ली। हंसमुख व मिलनसार

ग्राम पंचायत भरवाना के गांव नरेलु के 25 वर्षीय सैनिक अजय राणा को श्रद्धांजलि देते कैबिनेट मंत्री यादवेंद्र गोमा।

अजय राणा की जैसे ही मृत्यु की खबर मिली तो पूरे पंचरुखी क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सिर्फ 25 वर्ष की उम्र में अजय राणा की मौत हो गई।

अजय के पिता मदन राणा भी भारतीय सेना मेंडोगरा रेजिमेंट में थे और ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए थे। अजय राणा मां का इकलौता बेटा था। पति के शहीद होने के बाद मां ने बड़े लाड-प्यार से पाल कर उसे सेना में भर्ती करवाया था।

अजय राणा की मां का सपना था कि बेटे के सिर पर सेहरा सजे। अभी एक महिना पहले ही बेटे की सगाई करवाई थी और बहुत जल्द शादी भी होने वाली थी। पर उस अभागी मां को क्या पता था कि लाड-प्यार से पाले बेटे को वह एक दिन तिरंगे में लिपटा हुए देखेगी।

सरकार की तरफ से कैबनेट मंत्री यादवेंद्र गोमा भी उनकी अंतिम यात्रा में शामिल रहे। वहीं, 8 डोगरा रेजिमेंट से आर्मी कैंप पालमपुर के जवानों ने सलामी देकर अजय राणा को श्रद्धांजलि दी। (अनंत ज्ञान)

जवाली-जसूर मार्ग पर बस और स्कूटी की टक्कर में महिला की मौत

अनिल छांगू, जवाली

जवाली-जसूर मार्ग पर स्कूटी व स्कूटी की टक्कर में घायल स्कूटी चालक नीरजा कुमारी (45) पत्नी प्रदीप कुमार निवासी शिव्वोथान, भरमाड़ की देर शाम अस्पताल में मौत हो गई। नीरजा कुमारी का विवाह 2012 मे एडवोकेट प्रदीप कुमार के साथ हुआ था। प्राप्त जानकारी के अनुसार नीरजा शनिवार सायंकालीन अपनी स्कूटी से मायके राजा का तालाब की तरफ जा रही थी कि जवाली की तरफ आ रही बस ने हरनोटा फाटक के नजदीक स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर होने महिला घायल हो गई। घायल महिला को साथ के निजी अस्पताल लाया गया और वहां से परिजन उसको पठानकोट के निजी अस्पताल ले गए लेकिन देर रात को महिला ने दम तोड़ दिया। नीरजा कुमारी जिला चंबा के सरकारी स्कूल में बतौर टीजीटी अध्यापिका के पद पर कार्यरत थी। मृत युवती अपने पीछे एक नौ वर्षीय लड़के को छोड़ गई है नौ बर्षीय वच्चा अपनी मां को मृत देखकर विलख-विलख कर रो रहा है और बच्चे को देखकर हर कोई गमगीन हो गया है। और पति प्रदीप कुमार एडवोकेट जवाली कोर्ट में प्रैक्टिस करता है।

वहीं, जवाली पुलिस ने बस चालक के खिलाफ केस दर्ज करके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है जबकि आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। उधर, एसपी नूरपुर अशोक रतन ने बताया कि पुलिस ने बस चालक के खिलाफ केस दर्ज करके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है जबकि आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। (अनंत ज्ञान)

फर्जी ऑडिटर को तीन दिन का रिमांड

अनंत ज्ञान, गगल। शनिवार को अंबाडी में पकड़े गए फर्जी ऑडिटर को रविवार को कांगड़ा न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे तीन दिन का पुलिस रिमांड मिला है। गगल पुलिस के थाना प्रभारी नारायण सिंह ने बताया कि उसे न्यायालय में पेश किया गया जहां उसे 3 दिन के लिए पुलिस रिमांड में भेज दिया गया है। आरोपी की पहचान जिला चंबा के धरवाला क्षेत्र के पवन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस उससे कड़ी पूछताछ कर रही है। पुलिस उससे यह भी पूछ रही है कि जो फर्जी आईडी शिमला में बनाई है, वह कहां पर बनाई है, इसकी भी छानबीन हो रही ह। इसमें उसने अपने आप को सहायक ऑडिटर बताया है, यह आई कार्ड शिमला का बना हुआ है।

निजी अस्पतालों में हिम केयर सुविधा बंद करना दुर्भाग्यपूर्ण : राजेश कुमार

अनंत ज्ञान, पंचरुखी

प्रदेश सरकार का हिम केयर योजना को प्राइवेट अस्पतालों में बंद करने का निर्णय बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। ये शब्द संगठनात्मक जिला पालमपुर के भाजपा जिला महामंत्री राजेश कुमार राणू ने कहे।

उन्होंने कहा कि हिमाचल में सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं का बहुत अभाव है, इसलिए प्रदेश के गरीब लोग भाजपा सरकार के समय में चलाई गई हिमकेयर योजना से प्राइवेट अस्पतालों में अपना इलाज करवा लेते थे। लेकिन मौजूदा कांग्रेस सरकार ने इस योजना को बंद करके गरीब लोगों के साथ छल किया है। चुनावों के समय बड़ी-बड़ी घोषणाएं करने वाली सुक्खू सरकार भाजपा साकार के समय चलाई गई प्रदेश व जनहित की योजनाओं को बंद करके प्रदेश के लोगों के साथ धोखा कर रही है। राजेश राणू ने कहा कि झूठ की बुनियाद पर टिकी सुक्खू सरकार हमेशा केंद्र में भाजपा सरकार को ही कोसती रहती है कि केंद्र से हमें कुछ नहीं मिल रहा है। आपदा के वक्त भी केंद्र से पूरी मदद मिली, लेकिन जो केंद्र सरकार ने पैसा दिया उसकी कांग्रेस के लोगों ने ही आपसी बंदरबांट कर ली।

हिम केयर कार्ड सुविधा बंद करना आम जनता के साथ धोखा : बिक्रम ठाकुर

शिवम शर्मा, परागपुर

पूर्व उद्योग मंत्री बिक्रम सिंह ठाकुर ने रविवार को ढलियारा में एक बैठक के दौरान प्रदेश काग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों पर खूब हमला बोला। ठाकुर ने प्रदेश मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने करीब 20 महीने के कार्यकाल में ही अपना असली चेहरा जनता को दिखाना शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि पहले सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अपने घोषणा पत्र मे 300 यूनिट बिजली फ्री देने की बात कही थी, लेकिन इन्होने तीन सो यूनिट बिजली फ्री देना तो दूर 125 यूनिट बिजली देने से भी इनकार कर दिया जो कि आम जनता से धोखा है। बिक्रम सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में शुरक की गई हिम केयर कार्ड सुविधा को भी इस सरकार ने वापस ले लिया है।

सरकार ने यह योजना बंद करके प्रदेश की आम जनता के साथ धोखा किया है। इस मौके पर भाजपा महामंत्री सुदर्शन, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष बलबीर धीमान, उपाध्यक्ष सुदेश शर्मा, जिला परिषद उपाध्यक्ष कांगड़ा स्नेह परमार, प्रधान परागपुर मदन गोपाल, प्रधान अपर प्रागपुर मति मीना देवी, प्रधान मुहीं सुभाष चंद शर्मा, प्रधान बणी मति बिंदु ठाकुर, बीडीसी राजीव, सुषमा, अजय ठाकुर, समाज सेवी राजन शमा, संजय राणा इत्यादि मौजूद रहे। (अनंत ज्ञान)

हेल्थ इज वेल्थ

मिश्रित दांत अवधि में सामने के दांतों में गैप सामान्य अवस्था

बच्चों में छह साल के बाद स्थायी दांत निकलने लगते हैं। मिश्रित दांत अवधि के दौरान ऊपरी कृंतकों और दांतों के बीच दूरी देखी जाने वाली एक स्थिति बनती है, जिसे अग्ली डक्लिंग स्टेज के नाम से पहचाना जाता है। आम तौर पर देखा गया है कि इस चरण के दौरान, माता-पिता अपने बच्चे को अज्ञानता के कारण दांतों की गलत संरेखण को ठीक करने के लिए दंत चिकित्सक के पास ले जाते हैं।

अग्ली डक्लिंग अवस्था

अग्ली डक्लिंग अवस्था इसलिए कहलाती है, क्योंकि बच्चों के दांतों के बीच गैप होने पर वे देखने में अनाकर्षक लगते हैं। यह कुछ बच्चों में, विशेष रूप से इस सेल्फी पीढ़ी में, आत्मविश्वास पर नकारात्मक प्रभाव पैदा कर सकता है। इसलिए बच्चों से बात करें और उन्हें समझाएं कि यह एक सामान्य घटना है। नए चमकदार दांत आने वाले हैं।

इस अवस्था में बच्चों को दांतों को सुरक्षित रखने के लिए अच्छी मौखिक स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी है, खासकर जब नए दांत निकल रहे हों। मिश्रित दंत चिकित्सा अवधि के दौरान खराब मौखिक स्वच्छता न केवल प्राथमिक बल्कि स्थायी दांतों को भी प्रभावित करती है। दिन में दो बार 2 मिनट तक ब्रश करना एक अवचेतन आदत बन जाना चाहिए। बच्चों को फ्लॉस करना और जीभ साफ करना भी सिखाएं। बचपन में सिखाई जाने वाली मौखिक स्वच्छता की आदत के फलस्वरूप जिंदगी भर दांतों की कई समस्या से निजात मिलेगी।

क्या इससे चिंतित होना चाहिए?

चिंता की कोई बात नहीं है। अग्ली डक्लिंग स्टेज पूरी तरह से सामान्य स्थिति है। यह एक स्व-सुधारात्मक विसंगति है। 7-12 वर्ष की आयु समूह मिश्रित दंत चिकित्सा की अवधि है। इस चरण के दौरान बच्चों के दूध के दांत के साथ नए स्थायी दांत भी आते हैं। बड़े स्थायी दांत धीरे-धीरे छोटे दूध के दांतों की जगह लेते हैं। उभरते हुए स्थायी दांत प्राथमिक दांतों की जड़ों पर दबाव डालते हैं ताकि उन्हें अवशोषित और प्रतिस्थापित करने में मदद मिल सके। इससे दांतों के बीच गैप में लगभग 2 मिमी की वृद्धि होती है।

समृद्धि रामाणी
शिशु रोग विशेषज्ञ

क्या उपचार जरूरी है?

नहीं। यह अवस्था अपने आप ठीक होने वाली है। इसमें किसी उपचार की आवश्यकता नहीं होती है। एक बार जब बच्चे के कैनाइन दांत निकल आते हैं, तो वे अपने आप ही संरेखित हो जाते हैं। कैनाइन दांत 12 वर्ष की आयु तक निकल आते हैं। हालांकि, 12-13 वर्ष की आयु के बाद, उभरे हुए या मुड़े हुए दांतों के लिए निश्चित रूप से ऑर्थोडोंटिक उपचार की आवश्यकता होगी।

बरसात में पत्तेदार सब्जियां

आपकी सेहत कर सकती हैं खराब

बारिश में सब्जियों का सेवन बहुत ही ध्यान से करना चाहिए क्योंकि बारिश के कारण सब्जियों में कीड़े पड़ जाते हैं जिसका बुरा असर सेहत पर पड़ता है। चलिए जानते हैं बरसात में कौन सी सब्जी नहीं खानी चाहिए। बारिश का मौसम है तो खानपान भी उसी तरीके का होना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. एनके गुप्ता का कहना है कि बारिश का असर हमारे इम्यून सिस्टम पर भी पड़ता है। इस मौसम में इम्यून सिस्टम थोड़ा कमजोर हो जाता है और कई तरह के इन्फेक्शन और बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। डॉ गुप्ता की माने तो बारिश के मौसम में लोगों को अपने खानपान पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिए।

मशरूम से बनाए रखें दूरी

बारिश यानी की मानसून सीजन के दिनों में मशरूम खाने से बचना चाहिए। इसकी वजह यह है कि मशरूम एक जंगली फूड है। इसे बरसात में खाने से फूड प्वाइजनिंग की शिकायत हो सकती है। एक्सपर्ट का कहना है कि बरसात के दिनों में मशरूम खाने से कई सारी बीमारियों हो सकती है।

पत्तेदार सब्जियां न खाएं

बारिश में पत्तेदार सब्जी नहीं खाना चाहिए क्योंकि इस सीजन में फसल की वृद्धि और कीटों और बीमारियों के प्रकोप अधिक होता है। हरी पत्तेदार सब्जियों में नमी और गंदगी होता है जिसका बुरा असर सेहत पर पड़ता है। इसलिए बारिश में पालक, चौरायी खाने से बचना चाहिए।

डॉ. एनके गुप्ता
हेल्थ एक्सपर्ट

बैंगन से एलर्जी

बरसात के दिनों में बैंगन नहीं खाना चाहिए। क्योंकि बारिश के कारण खेतों में कीटों का प्रकोप सबसे अधिक होता है। ऐसे में बैंगन का सेवन करने एलर्जी रिएक्शन, पित्ती, त्वचा में खुजली, मतली और त्वचा पर चकत्ते होने की संभावना बढ़ जाती है। इसी तरह मानसून में शिमला मिर्च खाने से बचना चाहिए। क्योंकि बारिश के कारण शिमला मिर्च में ग्लूकोसाइनोलेट्स नामक रसायन होते हैं जो काटने या चबाने पर आइसोथियोसाइनेट्स में टूट जाते हैं। मानसून के सीजन में शिमला मिर्च खाने से मतली, उल्टी, दस्त और सांस लेने में समस्या हो सकती है।

प्रस्तुतिः आर मोहन चौहान , सोलन

मानसून में ऐसे बढ़ाएं फूड की लाइफ

बारिश का मौसम सुहावना होता है, लेकिन इस सुहावने मौसम में हवा में नमी यानी आर्द्रता बढ़ जाती है, जो अपने साथ कुछ परेशानियां भी लेकर आती है। फर्ज कीजिए कि आपने अदरक वाली चाय बनाई है और साथ में खाने के लिए नमकीन रखी है, लेकिन पहला चम्मच नमकीन खाते ही पता चलता है कि इसमें तो सीलन आ गई। मान लीजिए बारिश के मौसम में गरमा-गर्म खिचड़ी खाने का मन हो रहा है, लेकिन दाल-चावल का डिब्बा खोलते ही आपको उसमें कीड़े रेंगते दिख जाएं या मसालों के आसपास फंगस दिख जाए। नमी की वजह से न सिर्फ मसालों की शेल्फ लाइफ कम होती है, बल्कि खाने का स्वाद और सुगंध भी प्रभावित होती है।

फूड को ऐसे रखें फ्रेश

बारिश में हवा में नमी की वजह से अधिकांश फूड आइटम्स अपना स्वाद खो देते हैं या कीड़ों और फंगस का शिकार हो जाते हैं। इसलिए इस मौसम में खाने का पूरा आनंद लेने के लिए कुछ सावधानियां बरतनी जरूरी हैं। मानसून के दौरान खाने को फ्रेश व हाइजीनिक बनाने के लिए इन टिप्स को अपना सकते हैं।

मसालों को नमी से बचाएं

मसाले, नमक या चीनी जैसी चीजों में नमी को जल्दी सोखने की प्रवृत्ति होती है। इसलिए बारिश के मौसम में इन चीजों पर नमी आने की संभावना ज्यादा रहती है। नमी के संपर्क में आने से यह गांठदार या गीले हो जाते हैं। इसलिए मानसून के दौरान इन्हें स्टोर करते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। किचन में मसाले के डिब्बे को खिड़कियों या सिंक के पास न रखें क्योंकि बरसात के समय ऐसी जगह पर सबसे जल्दी नमी आती है, जो मसालों में सीलन पैदा कर सकती है। रसोई में किसी सूखी जगह पर मसालों व चीनी जैसी चीजों को रखें। इसके अलावा हफ्ते में एक बार इन्हें खुली हवा में रखने की कोशिश करें। वैसे इन्हें सुरक्षित ढंग से स्टोर करने का सबसे अच्छा तरीका है फ्रिजर में रखना। फ्रिजर में रखने पर इनकी शेल्फ लाइफ बढ़ जाती है और कीड़े व फंगस भी नहीं लगते।

छोटे कंटेनरों में स्टोर करें

मानसून के दौरान मसालों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए छोटे कंटेनर का इस्तेमाल करना बेहतर विकल्प है। बाकी बचे मसालों को किसी बड़े कंटेनर में स्टोर करके फ्रिजर में रख सकते हैं।

सूखा चम्मच यूज करें

खाना बनाने के लिए मसाले निकालते समय एक ही चम्मच का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अगर सभी मसाले के डिब्बे अलग-अलग हैं तो हर डिब्बे में एक चम्मच होना चाहिए, जो पूरी तरह सूखा और साफ हो। एक गीला चम्मच पूरे मसाले को खराब कर सकता है। इसके अलावा मसालों का इस्तेमाल करने से पहले ध्यान रखें कि हाथ साफ और सूखे हों।

कई रोगों में रामबाण है खट्टा-मीठा जामुन

मधुमेह के रोगियों के लिए है असरदार औषधि

हमारे भारतवर्ष को जम्बू द्वीप के नाम से भी जाना जाता है और इसे पीछे कारण भारत मे जामुन की बहुतायत होना है। आश्चर्य की बात तो है कि किसी फल के वजह से किसी देश का नामकरण किया गया। बता दें कि जामुन के कई नाम है और उन्हीं में से संस्कृत में जम्बू नाम है।

हमारे देश में जामुन के पेड़ों की संख्या अनगिनत है और शायद इसी कारण से यह फल हमारे देश का पहचान बन गया। जामुन काले रंग का छोटा, गोल फल है। लेकिन जामुन के छोटे आकार में ही इसके स्वाथ्य के लिए उत्तम औषधीय गुणों की खान छुपी हुई है। खट्टा-मीठा रसीला जामुन फल विशुद्ध रूप से भारतीय फल है। जामुन एक मौसमी फल है, जो कि श्रावम महीने के आसपास पकता है । खाने में स्वादिष्ट होने के साथ ही इसके कई औषधीय गुण भी हैं। जामुन अम्लीय प्रकृति का फल है पर यह स्वाद में मीठा होता है। जामुन में भरपूर मात्रा में ग्लूकोज और फरुक्टोज पाया जाता है. जामुन में लगभग वे सभी जरूरी लवण पाए जाते हैं जिनकी शरीर को आवश्यकता होती है। इसको खाने से स्वास्थ्य के लिए अद्भुत लाभ होता है वहीं अनेक प्रकार के रोगों में जामुन फल, इसकी गुठली (बीज) का पाउडर औषधि का काम करता है । पाचन क्रिया के लिए जामुन बहुत फायदेमंद होता है। जामुन खाने से पेट से जुड़ी कई तरह की समस्याएं दूर हो जाती हैं। जामुन के बीज सुखाकर पीस कर इसका पाउडर बनाकर खाने से मधुमेह में लाभ होता है। जामुन कैंसर, पथरी की रोकथाम में भी जामुन खाना फायदेमंद होता है। वहीं दांत और मसूड़ों से जुड़ी कई समस्याओं के समाधान में जामुन विशेषतौर पर फायदेमंद होता है। इसके बीज को पीसकर इससे मंजन करने से दांत और मसूड़े स्वस्थ रहते हैं । आयुर्वेद विशेषज्ञों की मानें जामुन में कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, कैल्शियम, आयरन और पोटैशियम होता है।आयुर्वेद में जामुन को खाने के बाद खाने की सलाह दी जाती है। वहीं इसकी बेहतरीन इमारती लकड़ी होने के साथ इसमें पानी मे टिके रहने की अद्भुत शक्ति है। जानकारों की मानें तो जामुन की मोटी लकड़ी का टुकडा पानी की टंकी में रख दे तो टंकी में हरी काई नहीं जमती और पानी की टंकी को लम्बे समय तक साफ़ नहीं करना पड़ता 7 अगर ध्यान दें तो प्राचीन समय में जल स्रोतों के किनारे जामुन की बहुतायत होने की यही कारण था इसके पत्ते में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो कि पानी को हमेशा साफ रखते हैं। प्राचीन समय से है कुए के किनारे अक्सर जामुन के पेड़ लगाए जाते थे।

डॉ. कोमल पटियाल
एमओ आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र अमोकलां प्रीतम

प्रस्तुतिः आशीष शर्मा

खड़ा डंडा मार्ग पर एक बार फिर धंसने लगी सड़क

मैक्लोडगंज। धर्मशाला से मैक्लोडगंज जाने वाले खड़ा डंडा मार्ग पर वैष्णो माता मंदिर के पास एक बार फिर से सड़क धंसने की कगार पर पहुंच गई है। सड़कपर डाली गई टाइलें सड़क धंसने के कारण अस्त-व्यस्त हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार इस सड़क को बचाने के लिए दो साल में दो बार सड़क को बनाया जा चुका है, लेकिन इस बार फिर से सड़क धंसने के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस मार्ग पर सड़क का कुछ हिस्सा टूट चुका है, जिसका मलबा भी सड़क किनारे ही पड़ा है, जो कि वाहन चालकों की परेशानी बढ़ा रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बार-बार धंस रही सड़क का स्थायी समाधान किया जाए, इससे पहले कि यहां कोई बड़ा हादसा घटित हो।

पर्यटन और रोजगार के अनुरूप होगा मसरूर क्षेत्र का विकास : कमलेश ठाकुर

विधायक के मसरूर पहुंचने पर गदगद हुए क्षेत्रवासी, ढोल-नगाड़ों से किया स्वागत

अनंत ज्ञान, देहरा

युवाओं के लिए घर के नजदीक रोजगार के संसाधान उपलब्ध हों, इसके लिए मसरूर मंदिर क्षेत्र को आने वाले समय में विकसित किया जाएगा। मसरूर में पर्यटन के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो सकते हैं। इस दृष्टि से सरकार आने वाले समय में इस स्थान को विकसित करेगी।

विधायक बनने के बाद आज पहली बार मसरूर पहुंचने पर कमलेश ठाकुर ने यह बात कही। चुनाव जीतने के बाद पहली दफा मसरूर पहुंची विधायक बेटी को देखकर क्षेत्रवासी गदगद हो गए। स्थानीय लोगों ने फूल मालाएं पहनाकर, ढोल-नगाड़ों के साथ कमलेश ठाकुर का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि देहरा विधानसभा क्षेत्र में पौंग के साथ लगता क्षेत्र, मसरूर मंदिर सहित अनेक ऐसे महत्वपूर्ण स्थान हैं जिन्हें योजनाबद्ध ढंग से विकसित किया जाए तो पर्यटन और रोजगार के अपार अवसर उपलब्ध हो सकते हैं। कमलेश ठाकुर ने कहा कि इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए देहरा विधानसभा को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करते हुए युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध करवाने की दिशा में वे काम करेंगी। इस दौरान राज्य औद्योगिक विकास निगम के उपाध्यक्ष विशाल चंबियाल, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग सुरेश वालिया, अधिशाषी अभियंता जल शक्ति विभाग अनीश ठाकुर, प्रधान ग्राम पंचायत मसरूर प्रवेश, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष हरिओम शर्मा व अन्य उपस्थित रहे।

विधायक कमलेश ठाकुर को सम्मानित करते स्थानीय लोग।

लोगों की समस्याएं सुनतीं विधायक कमलेश ठाकुर।

मसरूर मंदिर हमारी प्रसिद्ध धरोहर

मसरूर पहुंचने पर कमलेश ठाकुर ने सबसे पहले प्रसिद्ध मसरूर मंदिर में शीश नवाकर अपने दौरे की शुरुआत की। क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मसरूर का ऐतिहासिक मंदिर हमारी प्रसिद्ध धरोहर होने के साथ-साथ पर्यटन के लिहाज से भी काफी महत्वपूर्ण है। इसको देखते हुए मसरूर मंदिर और उसके साथ लगते क्षेत्र को भी सरकार योजनाबद्ध तरीके के विकसित करेगी। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना और उसके अनुरूप व्यवस्थाओं को खड़ा करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है।

जनसमस्याएं सुनीं

लोगों की समस्याओं को सुनते हुए कमलेश ने मौके पर ही अधिकतम का निपटारा किया तथा शेष के समयबद्ध निवारण हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि देहरा विधानसभा क्षेत्र में सड़क और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करना उनकी प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि देहरा विधानसभा क्षेत्र में लोग सड़क और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहें, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

बाल समागम में बच्चे सीखते हैं अच्छे संस्कार : दीनानाथ

संत निरंकारी भवन घुरकड़ी में बाल समागम में भाग लेते बच्चे।

अनंत ज्ञान, गगल

संत निरंकारी भवन घुरकड़ी में सद्गुरु माता सुदीक्षा महाराज के आदेशों अनुसार संयोजक स्तर पर बाल समागम का आयोजन किया गया। कांगड़ा ब्रांच के महात्मा दीनानाथ ने बताया कि इस बाल समागम में छह ब्रांचों के बच्चों ने भाग लिया, जिसमें कांगड़ा, शाहपुर, सुनी, पांच पुली, फतेहपुर व नगरोटा बगवां के छोटे-बड़े बच्चों ने सद्गुरु माता सुदीक्षा के आशीर्वाद से अपने-अपने वचन रखें और सद्गुरु माता सुदीक्षा की दी हुई प्रेरणा पर अच्छे रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस बाल समागम ने सभी बच्चों ने एक स्वर में कहा की सदुरु माता सुदीक्षा महाराज ने हमेशा बच्चों को अच्छे संस्कार देने का संकल्प लिया है। यही कारण है कि आज निरंकारी मिशन में बच्चों को आगे बढ़ने के लिए सद्गुरु माता सुदीक्षा महाराज समय-समय पर बाल समागम, इंग्लिश मीडियम समागम करवा कर बच्चों को सत्संग से जोड़कर उनके जीवन में अच्छे संस्कार भर देते हैं।

अंत में सभी बच्चों ने सद्गुरु माता सुदीक्षा के चरणों में यही अरदास की कि हर गुरसिख अपने जीवन में ज्ञान को जी पाए और तप और त्याग से जीवन मुक्ति को प्राप्त करें और दूसरों के लिए मिसाल बन सके इस अवसर पर बाल समागम में हजारों बच्चों ने ज्ञान की डुबकी लगाई।

मुंडल में 32 वर्षीय युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

पंकज सोनी, ज्वालामुखी

पुलिस थाना खुंडियां के तहत एक 32 वर्षीय युवक की आत्महत्या का मामला सामने आया है। मृतक युवक की पहचान सुरजीत सिंह सपुत्र सरवन कुमार उम्र 32 वर्ष निवासी मुंडल, डाकघर नाहलियां तहसील खुंडियां के रूप में हुई है।

बहरहाल पुलिस ने इस संदर्भ में मामला दर्ज कर आगामी करवाई शुरू कर दी है, साथ ही युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए देहरा अस्पताल भेज दिया गया है। मामले की पुष्टि डीएसपी ज्वालामुखी आरपी जसवाल ने की है। जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति घर में मृत पाया गया है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी खुंडियां रंजीत परमार के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर इस मामले को लेकर परिजनों और अन्य लोगों के बयान कलमबद्ध किए। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में मामला फंदा लगाकर आत्महत्या करने का पाया है। हालांकि पुलिस इस मामले की पूरी छानबीन कर रही है। फिलहाल पुलिस को मृतक के पास से किसी भी तरह का सुसाइड नोट प्राप्त नहीं हुआ है। बताया जा रहा है की युवक शादीशुदा था, ओर वह अपने पीछे 2 बच्चे और पत्नी को छोड़ गया है। वहीं वह दिहाड़ी मजदूरी का काम करता था। (अनंत ज्ञान)

ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं : सीपीएस

किशोरी लाल ने ब्रह्म कुमारी संस्था के वन महोत्सव कार्यक्रम में लिया भाग

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ

मुख्य संसदीय सचिव, कृषि, पशुपालन, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास किशोरी लाल ने रविवार को दयोल में ब्रह्म कुमारी संस्था द्वारा आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में भाग लिया। किशोरी लाल ने पीपल का पौधा रोपित किया। इस अवसर पर लगभग 60 पौधे रोपित किए गए। उन्होंने कहा कि हमें न केवल पौधरोपण करना चाहिए बल्कि उनकी सुरक्षा भी करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पौधों से हमें ऑक्सीजन मिलती है जो हमारे जीवन के लिए सबसे अहम है। हमें अधिक से अधिक पौधे लगाकर वातावरण को हरा भरा बनाना चाहिए। जिस प्रकार शरीर को पोषण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधों की आवश्यकता होती है। पेड़ पर्यावरण की अशुद्धियों को सोख लेते हैं और हमें शुद्ध प्राणदायिनी वायु देते हैं। उन्होंने सभी से पौधरोपण का आह्वान किया। (अनंत ज्ञान)

सरकार को भेजी नक्की खड्ड पर पुल बनाने की डीपीआर : बिक्रम

अनंत ज्ञान, परागपुर

जसवां-परागपुर के अंतर्गत गांव नक्की की खड्ड पर नए पुल की मांग अब पूरी होने वाली है। पुल की डीपीआर तैयार करके प्रदेश सरकार को भेजी जा चुकी है और मंजूरी मिलते ही नक्की खड्ड के पुल का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। जसवां-परागपुर के विधायक बिक्रम सिंह ठाकुर ने कहा कि इसके साथ 920 करोड़ 27 लाख रुपए की लागत से कटोह सलेटी बाया हरिजन बस्ती में 6 किलोमीटर 220 मीटर लिंक रोड व पुल बनकर तैयार होगा, जिसकी डीपीआर भी तैयार करके प्रदेश सरकार को भेजी जा चुकी है। पीर सलूही से किटपल (हमीरपुर) के लिए 960 करोड 19 लाख रुपए की लागत से 5 किलोमीटर 470 मीटर नई सडक बनाई जाएगी। सरड मांगली निचली से नाई बस्ती बाया सरड मांगली उपरली में 590 करोड़ 22 लाख रुपए की लागत से तीन किलोमीटर 630 मीटर नया लिंक रोड बनाने की डीपीआर भी तैयार करके प्रदेश सरकार को भेजी जा चुकी है। विधायक बिक्रम सिंह ठाकुर ने बताया कि अलोह चबियाला से बरियाल बेहड बाया मनियाला कठियाडा को आपस में जोड़ने वाला पुल व जंडौर से अमरोड बाया सखूही ठेहरु को आपस में जोड़ने के लिए पुल आरएनएस के तहत बनाने हेतु डीपीआर तैयार की गई है।

हैप्पी बर्थडे

मंडी जिले के गुम्मा के अजय ठाकुर को जन्मदिन पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

पुलिस ने कालापुल के पास लगाया नाका

मैक्लोडगंज। धर्मशाला पुलिस ने रविवार को कालापुल बाईपास के पास नाका लगाकर हर आने-जाने वाले वाहनों की जांच की। पुलिस द्वारा समय-समय पर इस तरह का चेकिंग अभियान चलाया जाता है। पुलिस नाके पर तैनात पुलिस जवानों द्वारा हर वाहन को जांच के लिए रोका जा रहा था। वाहनों की चेकिंग उपरांत ही आगामी गंतव्य की ओर भेजा गया। इस बारे में जानकारी देते हुए एएसपी बीर बहादुर ने बताया कि पुलिस की ओर से समय-समय पर इस तरह के चेकिंग अभियान चलाए जाते हैं। वाहनों की चेकिंग करते हुए लोगों को ट्रैफिक नियमों बारे जागरूक किया जाता है। यातायात नियमों की अवहलेना करने वालों के चालान भी काटे जाते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन नगरी होने के कारण यहां भारी संख्या में वाहनों का आना-जाना लगा रहता है।

पालमपुर में बनेगा हेलिपैड, प्रारूप तैयार

हेलिपैड बनने से पहले शुरू होंगी नॉन शेड्यूल्ड उड़ानें; पार्किंग, लाउंज और हेंगर निर्माण का काम होगा शुरू

पुनीत शर्मा, धर्मशाला

पालमपुर में जल्द ही हवाई पट्टी का निर्माण किया जाएगा। इसका प्रारूप तैयार हो चुका है तथा इसका एस्टिमेट भी बना दिया गया है। बताते चलें कि हिमाचल प्रदेश कृर्षि विश्विद्यालय के 3 हेक्टेयर भू-भाग पर हेलिपैड का निर्माण प्रस्तावित है।

इसको लेकर एसओपी की मंजूरी एवं हैलिपैड निर्माण के लिए अनुबंधित ग्लोबल वैक्ट्रा कंपनी ने पर्यटन विभाग की टीम के साथ स्पॉट का दौरा किया। इस दौरे में पार्किंग के लिए रैंप समेत अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में पालमपुर में गैर-निर्धारित हवाई उड़ानों को शुरू करने के लिए फिलहाल पर्यटन विभाग हवाई पट्टी तैयार करने की योजना पर काम कर रहा है, जिसको लेकर तैयारी अंतिम दौर में है। बताते चलें कि भारत सरकार की उड़ान-5.1 रिजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरसीएस) के तहत पालमपुर में यह हेलिपोर्ट बनेगा। इसके लिए केंद्र सरकार से योजना के तहत 13 करोड़ रुपए का बजट निर्माण कार्य पर व्यय होगा। पर्यटन विभाग के अनुसार के हेलिपोर्ट का निर्माण करने को अनुबंधित कंपनी के अधिकारियों ने पर्यटन अधिकारियों की टीम के साथ एसओपी को लेकर स्पॉट के दौरे में मानक संचालन प्रक्रिया के तहत यहां पार्किंग, हेंगर तथा लाउंज जैसी सुविधाएं होना जरूरी होने की बात कही है। ऐसे में पर्यटन विभाग यहां गैर-निर्धारित उडानें शुरू करने को लेकर पहले हेलिपैड रैंप बनाने की योजना पर काम कर रहा है।

यहां उडानें शुरू होने से पर्यटन से लेकर सामरिक रूप से प्रदेश को इसका लाभ मिलेगा। इससे बीड़-बिलिंग के साहसिक पर्यटन, सैन्य आवाजाही, आपात सेवाओं तथा किसी वीआईपी के आने पर सुविधा मिलेगी। (अनंत ज्ञान)

क्या कहते हैं उच्च अधिकारी

इस परियोजना का काम देख रहे पर्यटन विभाग के धर्मशाला स्थित उपनिदेशक विनय धीमान ने बताया कि हेलिपोर्ट बनने को लेकर औपचारिकताओं को पूरा किया जा रहा है। इन औपचारिकताओं में कनेक्टिविटी, पार्किंग, लाउंज एरिया तथा हेंगर अहम हैं। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व यहां नॉन शेड्यूल्ड उड़ानों को शुरू करने को लेकर हवाई पट्टी का निर्माण किया जाएगा। पालमपुर में हवाई उड़ानों के शुरू होने से पर्यटन कारोबार को इसका सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा सैन्य तथा आपात सेवाओं में भी इसका लाभ मिलेगा।

कांग्रेस ने परमानंद नरोट जैमल सिंह मार्ग पर यातायात अवरुद्ध कर किया रोष प्रदर्शन

अशोक ठाकुर, पठानकोट

भोआ विधानसभा क्षेत्र के अधीन आते गांव तारागढ़ पुलिस स्टेशन के बाहर रविवार को कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की ओर से पूर्व विधायक जोगिंदर पाल के नेतृत्व में कांग्रेसी कार्यकर्ता जसवीर गौरा पुत्र करनैल सिंह निवासी सिहोड़ा कलां के विरुद्ध पुलिस की धक्के शाही के विरोध में परमानंद नरोट जैमल सिंह प्रमुख मार्ग पर यातायात अवरुद्ध कर रोष प्रदर्शन किया।

ब्लॉक समिति चेयरमैन राजकुमार सिहोड़ा, चेयरमैन लखबीर सिंह लक्की, चेयरमैन तरसेम रतनमा, तारागढ़ कांग्रेस ब्लॉक प्रधान हर्ष शर्मा,कांग्रेसी सीनियर नेता रविंदर शर्मा, जिला उपाध्यक्ष तिलक राज पटोआ, जिला परिषद मेंबर बॉबी सैनी, जिला ओबीसी चेयरमैन कुलजीत सैनी,कांग्रेसी नेता राम सिंह सैनी, युवा नेता सुमित ठाकुर,जिला उपाधयक्ष सुरेश बिंदु ,एवं सरपंच सिहोडा सुनीता देवी ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस जसवीर गोरा को प्रात: 7 बजे के करीब तारागढ़ पुलिस की ओर से पुलिस स्टेशन ले जाया गया था, परंतु वहां जाकर उसे पता चला कि उसे 18 जुलाई को कोई किसी लड़ाई में गांव के ही एक शिकायत करता की ओर से फंसाया जा रहा है, जिसका पता चलते ही कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में हड़कंप मच गया। 10 बजे के करीब सभी कांग्रेसी कार्यकर्ता एकजुट होकर पूर्व विधायक जोगिंदर पाल की अगुवाई मे पुलिस स्टेशन चले गए यहां तारागढ़ थाना प्रभारी में उन्हें आश्वासन दिया कि वह 1 घंटे तक जसवीर गोरा को छोड़ देंगे, परंतु लगभग 2 घंटे भी बीत जाने के पश्चात भी पुलिस ने उसे नहीं छोड़ा तो कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की ओर से पूर्व विधायक जोगिंदर पाल के नेतृत्व में परमानंद नरोट जैमल सिंह प्रमुख मार्ग पर यातायात अवरुद्ध धरना दिया गया।

इस मौके पर पूर्व विधायक जोगिंदर पाल ने कहा की वह अपने किसी कार्य करता के साथ इस तरह की धक्के शाही बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने पुलिस प्रशासन को चेतावनी दी कि जब तक वह उनके कार्यकर्ता को नहीं छोड़ेंगे तब तक वह यूं ही रोड पर बैठे रहेंगे।

इसके पश्चात करीब 4 बजे जसवीर को पुलिस द्वारा धारा 323 एवं 506 के तहत मामला दर्ज कर जमानत पर छोड़ दिया गया। इस मौके पर विधायक जोगिंदर पाल ने कहा की यह कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की बहुत बड़ी जीत है कि उनके कार्यकर्ता पर किसी संज्ञान जुर्म की धारा ना लगाते हुए पुलिस ने उनके कार्यकर्ता के छोड़ दिया है उन्होंने कहा यदि कांग्रेसी कार्यकर्ता के साथ किसी भी तरह की धक्के शाही होगी तो वह अपने कार्यकर्ताओं के साथ चट्टान की भांति खड़े रहकर उनका सामना करेंगे। उन्होंने बताया कि धरने का कारण गांव सिहोड़ा कलां के सरपंच गौरा को पुलिस द्वारा गिरफ्तार करना आया है। (अनंत ज्ञान)

परमानंद नरोट जैमल सिंह प्रमुख मार्ग पर रोष प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

जमानबाद मिंजर मेले को जिला स्तरीय बनाने के होंगे प्रयास : काजल

विधायक पवन काजल का स्वागत करते मेला कमेटी के सदस्य एवं अन्य।

आशीष दमीर, कांगड़ा

विधायक पवन काजल ने कहा मेले हमारी सभ्यता और संस्कृति के परिचायक है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में युवा पीढ़ी द्वारा छोटे से गांव जमानाबाद में सात दिवसीय मिंजर मेले का सफल आयोजन करवाने के लिए मेला कमेटी बधाई की पात्र हैं। भाजपा की सरकार आने पर मिंजर मेले को जिला स्तरीय करवाने का प्रयास करेंगे, ताकि ग्रामीणों की भागीदारी के साथ सरकार की भागीदारी भी मेले में सुनिश्चित की जा सके।

काजल जमानाबाद मिंजर मेले के समापन समारोह के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कहा लगातार सात दिनों तक खेल प्रतियोगिताओं सहित दो दिन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन कर युवाओं को स्थानीय सभ्यता व संस्कृति से रूबरू होने का मौका मिला है। काजल ने खेल प्रतियोगिता में विजेता उपविजेता रही टीमों के खिलाड़ियों को मेला कमेटी द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने मेला कमेटी को एक लाख रुपए नगद राशि भेंट की। इस मौके पर मिंजर मेला जमानाबाद कमेटी प्रधान अशोक कुमार ने एमएलए पवन काजल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

उन्होंने विधायक पवन काजल से मेला मैदान के विकास के लिए राशि और मेले को जिला स्तरीय करवाने की मांग रखी। उपप्रधान कुलदीप पन्यारी, बलबीर पत्रवाल, संदीप चौधरी, हरी सिंह, कमलजीत, मस्त राम, सुभाष पनियारी, अमर सिंह, सूबेदार अक्षय कुमार, प्रेस सचिव तिलक राज और संदीप चौधरी, पंचायत उपप्रधान अशोक जंबा, मिंजर मेला कमेटी के सदस्यों ने अपनी कलाइयों पर बांधी मिंजर को मनुनी खड्ड में प्रवाहित किया। (अनंत ज्ञान)

निर्माणाधीन पुलिया से टकराया बुलेट सवार, मौत

नूरपुर। नागनी में शनिवार रात को एक बुलेट सवार की निर्माणाधीन पुलिया से टक्कर होने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शनिवार रात लगभग 11 से 12 बजे के आसपास भड़वार निवासी कुलदीप (30) पुत्र मदनलाल जो भडवार चौक पर बार्बर का काम करता था। नूरपुर से भडवार की तरफ जा रहा था, लेकिन नागनी चौक के समीप अंधेरे में निर्माणाधीन फोरलेन की पुलिया से जा टकराया। इससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय निवासियों के अनुसार दूसरी तरफ से सड़क वाहनों के लिए खुली थी। मगर जिस तरफ पुलिया का निर्माण कार्य चल रहा है, वह रास्ता भी खुला है। जहां न तो रास्ते को बंद किया गया था और न ही किसी प्रकार का साइन बोर्ड लगाया गया था, जिसके चलते युवक अंधेरे में निर्माणाधीन पुलिया से जा टकराया और मौके पर ही मौत हो गई । लोगों ने कंपनी के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है। कहा कि निर्माणाधीन फोरलेन कंपनी की लापरवाही के चलते इससे पूर्व भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

पौधरोपण स्मार्ट सिटी धर्मशाला के सौंदर्यीकरण के लिए नगर निगम और स्मार्ट सिटी प्रबंधन की पहल

धर्मशाला में चलाया 6000 पौधे रोपने का अभियान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

धर्मशाला में रविवार को नगर निगम और स्मार्ट सिटी प्रबंधन द्वारा पौधरोपण का आयोजन पिंगल नाला वार्ड न. 8 में किया गया। मुख्यातिथि के तौर पर नगर निगम महापौर नीनू शर्मा तथा विशेष अतिथि पूर्व महापौर दविंदर जग्गी के साथ डिप्टी मेयर तथा अन्य पार्षद भी उपस्थित रहे।

सभी ने नगर निगम कमिश्नर जफर इकबाल, ज्वाइंट कमिश्नर डॉक्टर अंजली गर्ग, ट्री ऑफिसर तन्वी गुप्ता तथा अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ मिलकर पौधरोपण किया। नगर निगम कमिश्नर ने बताया कि धर्मशाला के सौंदर्यीकरण के लिए नगर निगम और स्मार्ट सिटी प्रबंधन की पहल से धर्मशाला नगर निगम के सभी वार्डों में पौधरोपण का आयोजन किया गया है, जिसमें धर्मशाला के सभी वार्डों में अलग-अलग जगहों में करीब 6000 सजावटी पौधे रोपे। इसमें बॉटल ब्रश, हारशृंगार, गुलमोहर, अमलतास, टिकोमा, बोगन विलिया, फ्लेम वाईन किस्म के पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि धर्मशाला की जागरूक जनता नगर निगम के साथ मिलकर इन पौधों की देखरेख में अहम योगदान देगी। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन करने में अहम भूमिका निभाने के लिए उन्होंने आईडीबीआई बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, पीएनबी बैंक, एचडीएफसी बैंक के साथ निगम के कर्मचारी, विशाल प्रोटेक्शन फोर्स, तमाम वालंटियर, निगम अधिकारी, वन विभाग, हॉर्टिकल्चर विभाग,पुलिस प्रशासन तथा सभी वार्ड पार्षदों का आभार व्यक्त किया।

उधर, नगर निगम के कमिश्नर जफर इकबाल और मेयर नीनू शर्मा ने बताया कि धर्मशाला के सौंदर्यीकरण के लिए नगर निगम और स्मार्ट सिटी प्रबंधन की पहल से धर्मशाला नगर निगम के सभी वार्डों में पौधरोपण का आयोजन किया गया है। इसमें धर्मशाला के सभी वार्डों में 6000 पौधे रोपे गए।

देखभाल के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

पौधों की देखभाल के लिए सभी 17 वार्डों में 17 नोडल ऑफिसर भी नियुक्त किए गए हैं। वार्ड नंबर एक में रितिक चौधरी, वार्ड 2 से संदीप कुमार, वार्ड 3 में विशाल कुमार, 4 से अमर भट्टनागर, विपिन कुमार, 5 से शुभम, 6 से वरुण कुमार, 7 के सरिता देवी, 8 से राहुल लूखरा, 9 से अभय, 10 से शिव चरन वालिया, 11 से आरती, 12 से नवीन सिंह, 13 से संकर जोशी, 14 के नवीन कुमार, 15 के सुनील कुमार, 16 से दिग्विजय सिंह और 17 से शुभम चौधरी को नोडल ऑफिसर नियुक्त किया गया।

वार्ड-8 से हुई शुरुआत बतौर मुख्यातिथि पहुंचीं महापौर नीनू शर्मा

चोरों ने देहरा में दो दुकानों में लगाई सेंध

देहरा। देहरा में चोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि थाने से मात्र 150 मीटर दी दूरी पर शनिवार रात को बाजार के बीचों बीच स्थित दो दुकानों के ताले तोड़ कर नकदी और अन्य सामान चोरी कर लिया। यही नहीं इसके बाद सामने पहाड़ी पर बैठकर शराब भी पी। चोरी की ये दोनों वारदातें सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई हैं। इसमें करीब दो नकाबपोश दिखाई दे रहे हैं। इससे उनकी पहचान करना पुलिस के लिए काफी मुश्किल लग रहा है। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। देहरा बाजार के बीचोंबीच स्थित शोभा गारमेंट्स के नरेश चौहान ने बताया कि चोरों ने शनिवार रात करीब तीन बजे इस घटना को अंजाम दिया है।

बाबा बालक नाथ मंदिर में हर रविवार को उमड़ती है हजारों श्रद्धालुओं की भीड़

रवि ठाकुर, हमीरपुर

देश विदेश से लाखों श्रद्धालु मंदिर में टेकते हैं माथा

बाबा बा बालक नाथ धाम दियोटसिद्ध उत्तरी भारत में एक दिव्य सिद्ध पीठ है। यह पीठ हिमाचल के हमीरपुर से 45 किलोमीटर दूर दियोट सिद्ध नामक सुरम्य पहाड़ी पर है। इसका प्रबंध हिमाचल सरकार के अधीन है। हमारे देश में अनेकानेक देवी-देवताओं के अलावा नौ नाथ और चौरासी सिद्ध भी हुए हैं जो सहस्त्रों वर्षों तक जीवित रहते हैं और आज भी अपने सूक्ष्म रूप में वे लोक में विचरण करते हैं। नाथों में गुरु गोरखनाथ का नाम आता है। इसी प्रकार 84 सिद्धों में बाबा बालक नाथ जी का नाम आता है। बालक नाथ के बारे में प्रसिद्ध है कि इनका जन्म युगों-युगों में होता रहा है। प्राचीन मान्यता के अनुसार बाबा बालक नाथ को भगवान शिव का अंश अवतार ही माना जाता है। श्रद्धालुओं में ऐसी धारणा है कि बाबा बालक नाथ 3 वर्ष की अल्पायु में ही अपना घर छोड़ कर चारधाम की यात्रा करते-करते शाहतलाई (जिला बिलासपुर) नामक स्थान पर पहुंचे थे। वहां रहने वाली माई रतनो नामक महिला ने, जिनकी कोई संतान नहीं थी इन्हें अपना धर्म का पुत्र बनाया। बाबा जी ने 12 वर्ष माई रतनो की गऊएं चराईं। एक दिन माता रतनो के ताना मारने पर बाबा ने अपने चमत्कार से 12 वर्ष की लस्सी व रोटियां एक पल में लौटा दीं। इस घटना की जब आसपास के क्षेत्र में चर्चा हुई तो ऋषि-मुनि व अन्य लोग बाबा जी की चमत्कारी शक्ति से बहुत प्रभावित हुए। गुरु गोरख नाथ जी को जब से ज्ञात हुआ कि एक बालक बहुत ही चमत्कारी शक्ति वाला है तो उन्होंने बाबा बालक नाथ को अपना चेला बनाना चाहा परंतु बाबा के इंकार करने पर गोरखनाथ बहुत क्रोधित हुए। जब गोरखनाथ ने उन्हें जबरदस्ती चेला बनाना चाहा तो बाबा शाहतलाई से उडारी मारकर धौलगिरि पर्वत पर पहुंच गए जहां आजकल बाबा की पवित्र गुफा है।

मंदिर के मुख्य द्वार से प्रवेश करते ही अखंड धूणा सबको आकर्षित करता है। यह धूणा बाबा जी का तेज स्थल होने के कारण भक्तों की असीम श्रद्धा का केंद्र है। धूणे के पास ही बाबा का पुरातन चिमटा है। बाबा जी की गुफा के सामने ही एक बहुत सुंदर गैलरी का निर्माण किया गया है, जहां से महिलाएं बाबा की सुंदर गुफा में प्रतिष्ठित मूर्ति के दर्शन करती हैं। सेवकजन बाबा जी की गुफा पर रोट का प्रसाद चढ़ाते हैं।

बताया जाता है कि जब बाबा गुफा में अलोप हुए तो यहां एक (दियोट) दीपक जलता रहता था, जिसकी रोशनी रात्रि में दूर-दूर तक जाती थी इसलिए लोग बाबा को, 'दियोट सिद्ध' के नाम से भी जानते हैं। लोगों की मान्यता है कि भक्त मन में जो भी इच्छा लेकर जाए वह अवश्य पूरी होती है। बाबा अपने भक्तों की मनोकामना पूर्ण करते हैं, इसलिए देश-विदेश व दूर-दूर से श्रद्धालु बाबा जी के मंदिर में अपने श्रद्धासुमन अर्पित करने आते हैं। 14 मार्च संक्रांति वाले दिन से यहां वार्षिक मेला प्रारंभ होता है। (अनंत ज्ञान)

पहले सीढ़ियां चढ़कर करते थे दर्शन

गांव के लोगों ने पहाड़ी को खोदकर रास्ता बनाया गया और बाबा की गुफा पर सीढ़ी लगाकर दर्शन करने लगे। गुफा के पास सीढ़ी पर चढ़ने और गुफा के दर्शन सबके लिए आसान नहीं थे। इसके लिए गुफा के नीचे एक स्थान बनाया गया जिससे थड़ कहते हैं। वहां पर भी बाबा की अखंड ज्योत प्रचलित की जाने लगी। वहां पर बाबा की सवारी मोर के पंख का मुठ्ठा बनाकर आरती के समय बाबा की मूर्ति के सामने झुलाया जाता है।

गुफा में महिलाओं का जाना है वर्जित

जब बाबा बालक नाथ मंदिर का अधिग्रहण हिमाचल प्रदेश सरकार ने वर्तमान न्यास के अधीन किया तो न्यास ने बाबा की गुफा के सामने स्त्रियों को गुफा दर्शन करने के लिए स्थान दिया। अब वहां से स्त्रियां बाबा की गुफा के दर्शन करती है।

न्यूज ब्रीफ

रंगस में आज रहेगी विद्युत आपूर्ति बाधित

अनंत ज्ञान, रंगस। 33/11 केवी विद्युत सब स्टेशन रंगस के तहत आने वाले 11केवीके सर्किट ब्रेकर के रख-रखाव हेतु जोलसप्पड़, नौहंगी, बल्डूहक और रैल फीडर के तहत आने वाले गांवों में सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक 29 जुलाई को बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। एसडीओ संदीप सांगल ने बताया कि इस दिन अगर मौसम खराब हुआ, तो यह कार्य अगले दिन 30 जुलाई को किया जाएगा।

रूबल ने किया कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

अनंत ज्ञान, बिझड़ी। युवा मंडल सलौणी द्वारा कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 15 टीमें भाग ले रही हैं। रविवार को एनएसयूआई के राष्ट्रीय संयोजक रूबल ठाकुर ने इसका शुभारंभ किया। ठाकुर ने कहा कि खेल युवाओं को शारीरिक व मानसिक विकास में अहम भूमिका अदा करता है, इसलिए शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक विकास भी जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि खेल खिलाड़ी को अनुशासन आपसी भाईचारा सीखता है। उन्होंने आयोजकों को अपनी तरफ से 5000 का योगदान दिया।

भोरंज कॉलेज में शुरू हुईं हिंदी, अंग्रेजी की कक्षाएं

वाईके भारद्वाज, भरेड़ी। उपमंडल भोरंज के तहत राजकीय महाविद्यालय भोरंज में सत्र 2024-25 से हिंदी, अंग्रेजी और राजनीतिक शास्त्र की पीजी कक्षाएं शुरू करने की प्रदेश सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर दी है। बताते चलें कि 20 जनवरी को मुख्यमंत्री सुक्खू ने भोरंज दौरे के दौरान भोरंज महाविद्यालय के कंज्याण में जनसभा में भोरंज विधायक सुरेश कुमार की मांग पर तीनों हिंदी, अंग्रेजी और राजनीतिक शास्त्र की पीजी कक्षाएं शुरू करने की मांग की थी। जिस पर प्रदेश सरकार ने सभी औपचारिकताएं पूरी कर शनिवार को नोटिफिकेशन जारी कर दी। जिससे अब भोरंज महाविद्यालय में एमए हिंदी में 20, एमए अंग्रेजी में 20 और एमए राजनीतिक शास्त्र में 20 छात्र प्रवेश ले सकेंगे। इन सभी पीजी कक्षाओं के लिए सोमवार 29 जुलाई से दाखिले शुरू हो जाएंगे। (अनंत ज्ञान)

केंद्र के बजट में हिमाचल के हाथ लगी निराशा: शगुन

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट शगुन दत्त ने जारी प्रेस बयान में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेश बजट में हिमाचल को फिर निराशा ही हाथ लगी है और प्रदेश के भाजपा नेताओं ने इस पर टिप्पणी करने से अपना पल्लू झाड़ा और केंद्र से नेता बुलाकर आंकड़ों के मायाजाल में उलझाने का प्रयास किया। शगुन ने कहा कि ऐसी क्या जरूरत पड़ गई कि केंद्र से नेता बुलाकर बजट की खूबियां भाजपा द्वारा गिनवाई गई, इससे स्पष्ट होता है कि प्रदेश भाजपा के नेताओं को स्वयं समझ नहीं आया है कि इस बजट में हिमाचल को क्या मिला है। शगुन ने कहा कि पिछले वर्ष हिमाचल को इस सदी की सबसे बड़ी आपदा से जूझना पड़ा, परंतु केंद्र सरकार ने हिमाचल के साथ सौतेला व्यवहार किया है। शगुन के कहा कि आपदा के दौरान नेशनल हाईवे को हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र सरकार को विशेष बजट का प्रावधान करना चाहिए था क्योंकि हिमाचल की आर्थिकी पर्यटन पर आधारित है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में किस हेड के तहत कितनी सहायता हिमाचल को जारी की गई है, इसको भाजपा सार्वजनिक करे।

निजी अस्पताल में हिमकेयर योजना बंद करना दुर्भाग्यपूर्ण : अत्री

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। प्रदेश भाजपा सचिव नरेंद्र अत्री ने कहा कि व्यवस्था परिवर्तन का नारा देकर सत्ता में आई कांग्रेस एक के बाद एक जन विरोधी निर्णय ले रही है। पिछली भाजपा सरकार द्वारा जनहित में चलाई गई योजनाओं को बंद करके कांग्रेस सरकार अपने मानसिक दिवालियेपन का परिचय दे रही है। अत्री ने कहा कि हिमकेयर जैसी योजना को बंद करना कांग्रेस सरकार का बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय है। हिमकेयर योजना आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए वरदान साबित हो रही थी, परंतु अब कांग्रेस सरकार द्वारा निजी अस्पतालों को हिम केयर से बाहर करके हजारों मरीजों के जीवन को संकट में डाल दिया गया है, जो कि बहुत निंदनीय है।

तकनीकी विवि बीटेक की 210 सीटें आवंटित

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर में रविवार को दूसरे दिन एचपीसीईटी की मेरिट के आधार पर बीटेक (डायरेक्ट एंट्री) की काउंसलिंग हुई। जिसमें ओबीसी, एससी, एसटी और इन्हीं वर्गों की उप श्रेणियों के अभ्यर्थियों की 210 सीटें आवंटित की गई। तकनीकी विवि के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. जयदेव ने कहा कि एचपीसीईटी के आधार पर भरे जाने वाली बीटेक (डायरेक्ट एंट्री) की पहले चरण की काउंसलिंग पूरी हो गई है। जिन विद्यार्थियों को सीटें आवंटित हुई हैं, उन्हें 30 जुलाई सायं चार बजे तक संबंधित शिक्षण संस्थान में रिपोर्ट करनी होगी। जो विद्यार्थी आवंटित शिक्षण संस्थान में तय समय तक रिपोर्ट नहीं करेगा, वह सीट खाली मानी जाएगी। इससे पूर्व एचपीसीईटी की मेरिट के आधार पर शनिवार को देर शाम तक 416 अभ्यर्थियों को सीटें आवंटित की गई। जेईई मेन और एचपीसीईटी के तहत भरे जाने वाली बीटेक (डायरेक्ट एंट्री) की सीटों को भरने के लिए पहले चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी हो गई है। दूसरे चरण की काउंसलिंग पहली अगस्त से शुरू होगी। पहली और दो अगस्त को जेईई मेन और तीन और चार अगस्त को एचपीसीईटी की मेरिट के आधार पर काउंसलिंग होगी। अधिष्ठाता शैक्षणिक ने कहा कि अभ्यर्थियों से आग्रह है कि अपनी-अपनी श्रेणी के अनुसार उपरोक्त तिथि को काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लें। तकनीकी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर काउंसलिंग शेड्यूल देख सकते हैं।

हमीरपुर डिपो ने कंडक्टर को महिला यात्री से छेड़छाड़ करने पर किया सस्पेंड

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

एचआरटीसी हमीरपुर डिपो के एक कंडक्टर को महिला यात्री से छेड़छाड़ करने पर सस्पेंड कर दिया गया है। यह सेमी डिलक्स बस में घटना उस वक्त की बताई जा रही है जब बस हमीरपुर दिल्ली रूट पर जा रही थी। कंडक्टर ने चंडीगढ़ के पास गलत हरकत महिला के साथ की। कंडक्टर पूर्व सैनिक कोटे से एचआरटीसी में भर्ती हुआ है।

करीब तीन दिन पहले घटी इस घटना की शिकायत पीड़ित महिला यात्री ने निगम के आलाधिकारियों को ई-मेल के जरिए की थी। उसके बाद निगम प्रबंधन ने संबंधित कंडक्टर को रूट से उतार दिया था और उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी थी। विभाग की जांच में संबंधित कंडक्टर दोषी पाया गया है। ऐसे में निगम प्रबंधन ने पूर्व सैनिक कोटे में लगे कंडक्टर को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक हमीरपुर से ताल्लुक रखने वाली यह महिला यात्री तीन दिन पहले हमीरपुर से दिल्ली जा रही थी। महिला हमीरपुर बस अड्डा से शाम 6.30 बजे चलने वाली हमीरपुर से दिल्ली रूट की सेमि डिलक्स बस में आगे जाकर कैबिन से पीछे वाली सीट पर बैठ गई, जबकि साथ वाली सीट खाली थी। जब वह सफर के दौरान सो रही थी, तो इतने में बस कंडक्टर ने उन्हें अकेली देखकर छेड़छाड़ शुरू कर दी। जब उसकी नींद खुली, तो उसने कंडक्टर का विरोध किया, तो वह वहां से उठकर आगे कैबिन में चला गया। ऐसे में महिला ने संबंधित कंडक्टर के खिलाफ ई-मेल के माध्यम से निगम के आलाधिकारियों से छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज क रवाई थी। इसके उपरांत निगम प्रबंधन ने संबंधित कंडक्टर के खिलाफ तुरंत प्रभाव से विभागीय जांच बिठा दी थी। जांच में निगम का कंडक्टर दोषी पाया गया है। ऐसे में कंडक्टर को निगम प्रबंधन ने तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दि या है।

निगम के कंडक्टर को महिला यात्री से छेड़छाड़ करने पर सस्पेंड कर दिया गया है। विभागीय जांच में कंडक्टर दोषी पाया गया है। पूर्व सैनिक कोटे में लगे कंडक्टर पर हमीरपुर से दिल्ली रूट की सेमि डि लक्स बस में महिला यात्री ने तीन दिन पहले छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे। इसके चलते यह कार्रवाई हुई है।

-राजकुमार पाठक, उपमंडलीय प्रबंधक, हिमाचल पथ परिवहन निगम हमीरपुर।

राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में अंपायर लाइनमैन नियमों के अनुसार लगाएं : संघ

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

हमीरपुर में संपन्न हुई अंडर-15 और अंडर-17 राज्य स्तरीय प्रतियोगिता, जिसमें कुछ लोगों ने अनियमितताएं बरतने का आरोप लगाया है जो कि सरासर गलत है।

हमीरपुर जिला बैडमिंटन संघ के प्रधान सुशील सोनी, महासचिव शम्मी सोनी और इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के रेफरी प्रदीप ठाकुर ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अंपायर, लाइनमैन नियमों के अनुसार ही लगाए गए थे। अंपायर का वह पहला मैच नहीं था उन्होंने इससे पहले जिला स्तरीय और इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बहुत से मैच करवाएं हैं और जो अंपायर इस प्रतियोगिता में नियुक्त किया गया था वह इंटर यूनिवर्सिटी, राज्य स्तरीय और बेंगलुरु में टीम मैनेजर की भूमिका निभा चुका है। अंपायर ने इस मैच के अलावा और भी मैच करवाएं, यह मैच लगभग एक घंटे से भी अधिक समय तक चला और मैच के दौरान भी आरोपी को कोई आपत्ति नहीं थी। मैच के खत्म होने के लगभग 15 घंटे के पश्चात इन्होंने झूठा आरोप लगाया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में आयु के ऊपर जो सवाल उठाए जा रहे हैं वह खिलाड़ी अपने जिले से नियुक्त होकर फिर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में आते हैं तो सबसे पहले उनका आयु प्रमाण पत्र जिला स्तर पर चेक होता है उसके पश्चात ही राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेते हैं।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जब उस खिलाड़ी पर विरोध हुआ तो हिमाचल प्रदेश बैडमिंटन संघ की कमेटी ने उस खिलाड़ी के अभिभावक से आयु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और परिवार नकल का अवलोकन किया, जिसमें वह सही पाया गया तभी उसको खेलने की इजाजत दी गई।

कुलदीप कुमार बने प्रधान

नवनिर्वाचित प्रधान व अन्य पदाधिकारी सामूहिक चित्र में।

शशि सोनल, नादौन

हिमाचल प्रदेश पंचायत सचिव संघ इकाई नादौन के चुनाव को लेकर पंचायत सचिवों की बैठक चुनाव प्रभारी शिव राज की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें नादौन ब्लॉक के करीब चार दर्जन पंचायत सचिवों ने भाग लिया।

इस बैठक में संघ के वरिष्ठ नेता कुलदीप कुमार को सर्व सम्मति से संघ की नादौन इकाई का प्रधान चुना गया, जबकि विक्रम सरोच वरिष्ठ उपप्रधान, रीना देवी महासचिव तथा राहुल शर्मा को प्रैस सचिव चुना गया। राहुल शर्मा ने बताया कि शिव राज व सुरेंद्र कुमार को सह सचिव, प्रवीण लता को कोषाध्यक्ष, जगदीश चंद को मुख्य सलाहकार, सुरजीत सिंह को मुख्य संरक्षक चुना गया, जबकि जसवंत सिंह, यशवीर सिंह, दीप कुमार, राकेश कुमार, केवल कुमार, मीना कुमारी, देव राज, मुनीष कुमार को सदस्य कार्यकारिणी चुना गया।

इस बैठक में पंचायत सचिव संघ की जिला कार्यकारिणी के लिए राहुल शर्मा, कुलदीप कुमार, जसवंत सिंह, दीप कुमार, रीना देवी व प्रवीण लता को जिला प्रतिनिधि चुना गया है। हिमाचल प्रदेश पंचायत सचिव संघ नादौन के नव निवार्चित प्रधान कुलदीप कुमार ने उन्हें प्रधान चुनने के लिए सभी सदस्यों का धन्यवाद करते हुए कहा कि मैं उनकी अकांक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करुंगा तथा पंचायत सचिवों की समस्याओं को प्रदेश कार्यकारिणी के माध्यम से मुख्यमंत्री, मंत्री व उच्च अधिकारियों से उठाया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

नादौन कॉलेज में एमए की कक्षाएं बैठने की नोटिफिकेशन जारी

वीरेंद्र गोस्वामी, बड़ा। मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा नादौन विधानसभा क्षेत्र को एक ओर सौगात देते हुए सिद्धार्थ महाविद्यालय नादौन में इस शैक्षणिक सत्र में पीजी की कक्षाएं शुरू करने की नोटिफिकेशन जारी कर दी हैं सुक्खू सरकार द्वारा जारी इस नोटिफिकेशन से क्षेत्र के बुद्धिजीवी बर्ग एवं युवा वर्ग में काफी खुशी की लहर लहर हैं। क्षेत्र के बुद्धिजीवी एवं युवा वर्ग का कहना है कि प्रदेश सरकार इस फैसले से पोस्ट ग्रेजुएशन कर रहे युवाओं को काफी राहत मिलेगी और उन्हें अपनी एजुकेशन जारी रखने के लिए इधर-उधर नहीं जाना पड़ेगा।

गौर है कि सिद्धार्थ महाविद्यालय नादौन में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए एमएससी केमिस्ट्री ओर मैथ एवं एमए हिंदी, पॉलिटिकल साइंस, एवं बीजेएमसी और बैचुलर एजुकेशन कोर्स की कक्षाएं शुरू की नोटिफिकेशन जारी कर दी है और महाविद्यालय में 24 जुलाई से इन विषयों के लिए एडमिशन भी शुरू हो गई हैं। इस संदर्भ में जब 'अनंत ज्ञान' समाचार पत्र ने क्षेत्र के युवा वर्ग से इस विषय पर उनके विचार जानने का प्रयास किया तो कॉलेज में पढ़ रहे तरुण खरोटिया, निखिल पटियाल, अंशप्रीत ठाकुर, आशिक ठाकुर का कहना है कि मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा नादौन महाविद्यालय में इन विषयों की एमए की कक्षाएं शुरू करने की नोटिफिकेशन जारी करके युवा वर्ग के लिए एक बहुत बड़ी सौगात दी हैं और यह सौगात युवाओं के लिए मील का पत्थर साबित होगी। महाविद्यालय में इन विषयों की कक्षाएं शुरू करने की काफी समय से मांग की जा रही थी मुख्यमंत्री द्वारा उनकी इस मांग को सकारात्मक रूप देकर युवा वर्ग की इस मांग को विराम लगाया हैं। (अनंत ज्ञान)

राज्य स्तरीय बॉची प्रतियोगिता संपन्न

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

स्पेशल ओलंपिक भारत हिमाचल प्रदेश हमीरपुर चैप्टर पहचान संस्था द्वारा राज्य स्तरीय बॉची प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया साई अणु सिंथेटिक ग्राउंड हमीरपुर में आयोजित की गई। इस राज्य स्तरीय बॉची प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश के दस जिलों से एथलीटों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में बॉची टीम चुनी गई, जो कि राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी। यह राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता ग्वालियर में सितंबर में होने जा रही है। प्रतियोगिता के समापन पर मुख्यातिथि जिला राजस्व अधिकारी यशपाल, एचडीएफसी एरिया मैनेजर धीरज शर्मा को पहचान संस्था की अध्यक्षा चेतना शर्मा द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया।

साथ ही हमीरपुर में राज्य स्तरीय बॉची प्रतियोगिता करवाने का अवसर देने के लिए स्पेशल ओलंपिक भारत हिमाचल प्रदेश की अध्यक्षा डॉ. मल्लिका नड्डा और एरिया मैनेजर परीक्षित का आभार व्यक्त किया। उन्होंने पहचान संस्था को यह अवसर दिया, जिससे हम यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न कर पाए। डॉ. मलिका द्वारा स्पेशल ओलंपिक भारत को पहचान राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मिली है। स्पेशल ओलंपिक भारत द्वारा विशेष बच्चों के लिए आयोजित प्रतियोगिताएं बच्चों में आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं। मुख्यातिथि द्वारा सभी जिलों से आए विशेष बच्चों को मेडल दिए। साथ ही स्पेशल ओलंपिक भारत के प्रोग्राम मैनेजर अजय शर्मा, खेल एक्सपर्ट अनूप, पैराडाइज संस्था चंबा से अजय चंबयाल, समाजसेवी बेली राम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में ब्लाइंड एसोसिएशन के अध्यक्ष सिपहिया, क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजन वर्मा, पहचान संस्था के सदस्य सुमन शर्मा, जितेन्द्र, पवन कुमार और स्टाफ सदस्य मनीषा अर्चना आंचल और कनिष्का उपस्थित रहे।

प्रगति सितंबर माह तक हो सकता है मिनी सचिवालय का लोकार्पण: राजेंद्र सिंह

मैहरे में बन रहे मिनी सचिवालय का कार्य अंतिम चरण में

एसके ठाकुर, बड़सर

बड़सर विधानसभा क्षेत्र के मुख्य बाजार मैहरे में बन रहे 6 मंजिला मिनी सचिवालय भवन निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। शीघ्र ही बड़सर की जनता को अपने रोजमर्रा के कार्य के लिए इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा।

इस भवन के बन जाने से उपमंडल स्तर के कार्यालय जैसे एसडीएम कार्यालय तहसीलदार कार्यालय ट्रेजरी कार्यालय सहित कई अन्य कार्यालय एक छत के नीचे ही होंगे। जिससे कि बड़सर की जनता को अपने रोजमर्रा के कार्य इधर-उधर भटकने के बजाएं एक छत के नीचे ही हो जाया करेंगे। लगभग 17 करोड़ से बनने वाले इस आलीशान भवन में सब सुविधा होगी ग्राउंड फ्लोर पर अधिकारियों-कर्मचारियों तथा विजिटर के लिए पार्किंग व्यवस्था होगी।

पूर्व में जब बड़सर विधानसभा क्षेत्र के लोग एसडीएम कार्यालय या फिर तहसील कार्यालय में किसी कार्य के लिए आते थे तो अधिकतर लोग अपनी गाड़ियों को सड़क के किनारे खड़ा कर देते थे जिससे कि दुर्घटना होने का भी अंदेशा बना रहता था। जब मैहर में मिनी सचिवालय बनकर तैयार हो जाएगा तो सड़क के किनारे गाड़ी खड़ी करने की समस्या भी लगभग हाल हो जाएगी। इस मिनी सचिवालय भवन का शिलान्यास काफी अरसा पहले हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने किया था, परंतु किन्हीं कारणों से मिनी सचिवालय का कार्य अधर में लटक रहा। वर्ष 2024 में इस भवन का कार्य पूरा हुआ है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सितंबर माह तक इसका लोकाअर्पण हिमाचल के वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू करेंगे। मिनी सचिवालय भवन का निर्माण कार्य पूरा होते देखकर स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री सुक्खू का आभार व्यक्त किया है। मैहरे में बन रहे मिनी सचिवालय भवन कार्य अंतिम चरण में पहुंचा गया है। रंग-रोगन तथा पेपर ब्लॉक का कार्य चला हुआ है। पीडब्ल्यूडी बड़सर के एक्सईएन राजेंद्र सिंह ने किा हो सकता है कि सितंबर माह तक मिनी सचिवालय भवन का लोकार्पण कर दिया जाएगा।

मिनी सचिवालय भवन बनकर तैयार हो गया है पेवर ब्लॉक का कार्य कुछ रहा है वह कार्य भी युद्ध स्तर पर चला हुआ है। इस भवन के बन जाने से स्थानीय लोगों के रोजमर्रा काम एक छत के नीचे ही हो जाएंगे अब लोगों को इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा भवन निर्माण पर लगभग 17 करोड़ के करीब धनराशि खर्च हुई है।

-धर्मपाल नेगी तहसीलदार काम एसडीएम एसडीएम बड़सर।

चैडू में रक्तदान शिविर में 50 लोगों ने किया रक्तदान

रक्तदान शिविर में रक्तदाता डॉक्टरों व आयोजकों के साथ चित्र में।

अनंत ज्ञान, नादौन

नादौन क्षेत्र की इंकलाब संस्था रंगस, राम लीला क्लब चौडू व कौंडल सभा के सौजन्य से रविवार को चौडू में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 50 रक्तदानियों ने रक्तदान किया।

संस्था के अध्यक्ष पुनीत उप्पल ने बताया कि इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ पूर्व प्रधान प्रेम सिंह ने व रामलीला क्लब के प्रधान ठाकुर कुलदीप सिंह ने किया।

उन्होंने कहा कि संस्था का नशा मुक्त अभियान और अन्य कार्यों पर बात रखते हुए युवाओं व अन्य वर्गों को सही दिशा में ले जाने के लिए अच्छा कार्य कर रही है। संस्था के कार्यकारी सचिव एडवोकेट परवीन कौशल ने रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए चोडु निवासियों का धन्यवाद किया। इस मौके पर चोडू पंचायत के उपप्रधान विकास बलौरिया, रविन्द्र सिंह, कुलवंत सिंह, संजीव कुमार, मुकेश कुमार, सुनील कुमार, नितिन कौशल, अमित कौशल सुरजीत, स्वरूप सिंह, कश्मीर व अनिल आदि उपस्थित रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि रक्त दान करने से कोई नुकसान नहीं होता है अपितु किसी की जान वचाई जा सकती है इस लिए रक्तदान शिविरों में बढ़ चढ़ कर भाग लें।

न्यूज ब्रीफ

दीपक सोनी ने जीती गायन प्रतियोगिता

अनंत ज्ञान, अंब। उपमंडल अंब के पंजोआ लडोली गांव के दीपक सोनी ने दिल्ली में गायन प्रतियोगिता (किस्मत का अड्डा) मंच में फाइनल के लिए चयन हुआ था। 21 जुलाई को हुए शो में दीपक ने अपनी आवाज का खूब जादू बिखेरा, जिसके परिणामस्वरूप दीपक को स्वर्ण पदक व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। दीपक इससे पहले भी इस प्रतियोगिता की अंतिम तीन की सूची में रह चुके हैं, लेकिन इस बार दीपक ने स्वर्ण पदक जीत कर अपने गांव व प्रदेश का नाम रोशन किया हैं। दीपक ने बचपन से ही छोटे स्तर से कई नामी कार्यक्रमों में भाग लिया है और अपनी गायिकी से दर्शकों का दिल जीता है।

दीपक सोनी पुरुस्कार ग्रहण करते हुए।

गुरुद्वारा तपोवन साहिब में गुरमत समागम का आयोजन

अनंत ज्ञान, ऊना। गुरु नानक देव जी के वंशज बाबा साहिब सिंह जी बेदी जी के तप अस्थान गुरुद्वारा तपोवन साहिब में रविवार को महीनेवार गुरमत समागम का आयोजन किया गया। इस अवसर प्रात्काल श्री सुखमणि साहिब जी का पाठ किया व कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें बाबा दलबीर सिंह बड़भागी, संत बाबा अमनदीप सिंह जी, भाई हरदीप सिंह जी, भाई गोपाल सिंह बालीवाल के जत्थे ने कीर्तन से संगत को निहाल किया। इस अवसर पर विधायक विवेक शर्मा ने भी शिरकत की और विधायक बनने पर शुकराने की अरदास की। बाबा अमरजोत सिंह जी ने विधायक को सिरोपा देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर बाबा सुरिंद्र सिंह, हरपाल सिंह कोटला, जोगमन सिंह, संजीव सैनी, रत्न चंद, राम आसरा, महेश सैनी, राज कुमार, प्रिंस मक्खड, परमजीत सिंह, अजेब सिंह आदि मौजूद थे।

अद्वैता फाउंडेशन ने 500 पौधे किए वितरित

अनंत ज्ञान, ऊना। अद्वैता फाउंडेशन ने (एक परिवार एक पौधा) हर साल की तरह रविवार को विभिन्न क़िस्म के 500 फलदार पौधे ऊना में लोगों को बांटे और निवेदन किया कि एक पौधा संस्था की तरफ़ से और एक पौधा अपनी तरफ से पर्यावरण को बचाने के लिए लगाएं। पर्यावरण के साथ ही हमारा विकास और कल बेहतर है। पर्यावरण के साथ ही प्रगति है, हम सब मिलकर इस धरती को सुनहरा बनाएं। अद्वैता फाउंडेशन की प्रबंध निदेशक मोनिका सिंह ने कहा कि जहां संस्था बच्चों को पढ़ने के लिए फ़ीस, गरीब मरीजों को ऑपरेशन और दवाईयों का खर्चा, पौधारोपण, प्रकृति आपदा में मदद का काम करते हैं। इस अवसर पर राज्य रेड क्रास सोसाइटी के डेलीगेट सुरेंद्र ठाकुर, इंद्रजीत, मोनू, मेहता, अश्वनी जैटिक, बालविंदर उपस्थित रहे।

ऊना रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म-दो जल्द होगा शुरू

ब्रॉडगेज नंगल-ऊना-तलवाड़ा रेल लाइन को 500 करोड़ रुपए और हुए मंजूर

राजेश शर्मा, ऊना

हिमाचल प्रदेश के एकमात्र ब्रॉडगेज रेलवे लाइन पर ऊना स्टेशन पर प्लेटफार्म संख्या दो भी जल्द सुनाई देने लगेगा। अभी तक एक प्लेटफार्म होने से यहां यात्रियों को समस्या का सामना करना पड़ता था। एक समय यहां दो रेलगाड़ी आने से दूसरी रेल के यात्रियों को ट्रैक से गुजरना पड़ता था। दूसरे प्लेटफार्म का काम लगभग पूरा होने को है।

बता दें कि नंगल-ऊना-तलवाड़ा रेल लाइन का काम अभी तक लटका हुआ है। केंद्रीय बजट में हिमाचल प्रदेश की एकमात्र ब्रॉडगेज नंगल-ऊना-तलवाड़ा रेल लाइन को 500 करोड़ रुपए और मंजूर किए गए हैं। संभावना बनी है कि अब इस राशि से रेल लाइन का दौलतपुर चौक रेलवे स्टेशन से आगे पंजाब तलवाड़ा तक शेष कार्य किया जाएगा। बजट में राशि के प्रावधान से आगामी विकास कार्यों को पंख लगेंगे। ऊना के दौलतपुर चौक से पंजाब के तलवाड़ा तक 18 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बिछाई जानी प्रस्तावित थी। इसके लिए 452 करोड़ रुपए का बीते वर्ष बजट में प्रावधान किया गया था। इस बार फिर पांच सौ करोड़ रुपए मिलने से इस रेल लाइन के शेष कार्यों को पूरा करने में गति मिलेगी। हिमाचल क्षेत्र में रेल लाइन का काम पूरा हो चुका है। जिला ऊना के तहत भूमि अधिग्रहण पूरा होने के बाद दौलतपुर चौक तक पटरी बिछाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। यहां तक कि हिमाचली सीमा से आगे पंजाब में यहां से रेललाइन प्रवेश कर चुकी है। यहां भी लगभग 10 किलोमीटर तक कार्य पूरा कर लिया गया है, लेकिन पंजाब में कतरौली से आगे तलवाड़ा के बीच रेललाइन के लिए स्थानीय भूमि मालिकों से भूमि अधिग्रहण को लेकर पेच बरकरार है। इस समस्या का रेलवे बोर्ड चंद दिन में समाधान करने का दावा कर रहा है। हालांकि, रेलवे बोर्ड ने इस रेललाइन को तलवाड़ा तक बिछाने के लिए दिसंबर 2024 तक लक्ष्य तय किया है लेकिन भूमि अधिग्रहण की औपचारिकताएं कार्य में रुकावट पैदा कर सकती हैं। (अनंत ज्ञान)

क्या कहते हैं डीआरएम

उधर रेलवे अंबाला मंडल के डीआरएम मनदीप भाटिया का कहना है कि नंगल तलवाड़ा वाया ऊना रेल लाइन के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट में प्रावधान किया गया है। दौलतपुर चौक से आगे तलवाड़ा तक रेल लाइन निर्माण कार्य को गति मिलेगी।

डेरा बाबा रुद्रानंद आश्रम नारी बसाल में रविवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने अखंड धूने पर माथा टेका और आश्रम के अधिष्ठाता वेदांताचार्य सुग्रीवानंद महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

जय माता दी सेवादार संगठन टक्का के युवाओं ने श्रावण मास के उपलक्ष्य में रविवार को सदाशिव मंदिर तलमेहड़ा में खीर का लंगर लगाया। इस अवसर पर गौरव, राहुल, दिनेश, राजू सैनी और सतीश उपस्थित रहे।

गलत निर्णयों से दुख की सरकार बनने लगी सुक्खू सरकार : विनय

अनंत ज्ञान, ऊना

कांग्रेस सरकार लगातार गलत निर्णय लेकर लोगों को परेशान करने का काम कर रही है। यह बात भाजपा जिला ऊना के प्रवक्ता विनय शर्मा ने कहीं।

उन्होंने कहा कि गलत निर्णयों से सुक्खू सरकार अब दुख की सरकार बनने लगी है। पूर्व जयराम सरकार के समय शुरू हुई 125 यूनिट फ्री बिजली योजना को बंद किया। वहीं, अब प्राइवेट अस्पतालों में हिमकेयर कार्ड बंद कर गरीब लोगों के साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत योजना शुरू की थी। उस समय कई लोग आयुष्मान योजना से छूट गए थे, उन्हें कवर करने के लिए जयराम सरकार ने हिमकेयर योजना शुरू की थी। पिछले 18 माह के कार्यकाल में सुक्खू सरकार कोई नई योजना तो शुरू नहीं कर पाई। उन्होंने कहा कि लोगों को 300 यूनिट फ्री बिजली देने की बात कहीं थी, लेकिन पहले से चल रही 125 यूनिट बिजली भी बंद कर दी। कांग्रेस सरकार आज बुरी तरह से फेल साबित हो रही है।

सरकार चलाने के लिए मुख्यमंत्री कर्ज पर कर्ज ले रहे हैं। अपने संसाधन बढ़ाने के लिए सरकार ने बिजली महंगी कर प्रदेश के लोगों को तोहफा दिया है। वहीं अब हिमकेयर कार्ड बंद कर गरीब लोगों को प्राइवेट अस्पतालों में इलाज से वंचित कर दिया है।

युवक ने ब्यास नदी में लगाई छलांग

अनंत ज्ञान, नादौन। नादौन शहर के साथ लगती ब्यास नदी में एक 32 वर्षीय युवक ने छलांग लगा दी, जिसकी क्षेत्र में खासी चर्चा है। खबर मिलते ही पुलिस टीम मौके पर ब्यास नदी के किनारे पहुंची और तलाश में जुट गई। पुलिस को ब्यास नदी के किनारे अमतर में उसकी बाइक न. एचपी 19 ई 7030 खड़ी मिली। इसके अलावा बाइक की चाबी व मोबाइल भी मिला। जानकारी के अनुसार ब्यास नदी में छलांग लगाने के लिए युवक बाइक पर अमतर गया। बाइक खड़ी की, मोबाइल रखा और उसके बाद यह कदम उठाया। छलांग लगाने वाले युवक का नाम मोहित कुमार है, जो ज्वार अंब जिला ऊना का रहने वाला है। उसका पिता नादौन क्षेत्र में ही सरकारी नौकरी करता है और वह अपने माता-पिता के साथ नादौन में ही रहता था। मोहित मानसिक रूप से परेशान था और नशा मुक्ति केंद्र में भी रह चुका है। ब्यास नदी में आज, कल पानी का बहाव ज्यादा है। पानी भी मटमैल सिल्ट वाला है, ऐसे में डेड बॉडी को खोजना आसान नहीं होगा।

2047 तक विकसित भारत की नींव को और मजबूत करने पर बल दे रहे प्रधानमंत्री : भुट्टो

अनंत ज्ञान, बंगाणा

कुटलैहड़ विस क्षेत्र के भाजपा के वरिष्ठ नेता एवम पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो ने भाजपा पार्टी कार्यालय बंगाणा में मंडल पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 112वीं मन की बात को सुना। भुट्टो ने कहा कि इस कार्यक्रम हम सभी को प्रधानमंत्री से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ता है। आज फिर प्रधानमंत्री ने लोकल और खादी के सामानों पर जोर दिया और अपने संस्कृति को जीवंत रखने की भी बात कही। प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात का पहला एपिसोड 3 अक्तूबर 2014 को प्रसारित हुआ था, और बजट के बाद आज पहली बार 'मन की बात' कार्यक्रम का 112वां एपिसोड प्रसारित हुआ।

पीएम मोदी ने पेरिस ओलिंपिक, मैथ्स ओलंपियाड, असम मोइदम, टाइगर डे, वनों के संरक्षण और स्वतंत्रता दिवस पर बात की। जो युवाओं को समाज के प्रति कुछ अच्छा करने के लिए प्रेरित करेगी। भुट्टो ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात में साथ ही उन्होंने हैंडलूम पर भी चर्चा की। हर साल 7 अगस्त को नेशनल हैंडलूम डे मनाया जाता है। पीएम ने कहा कि आजादी के पर्व पर एक कपड़ा खादी का जरूर लें। साथ ही प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त की स्पीच में शामिल विषयों पर सुझाव मांगे हैं, जो यह भी इतिहास में पहली बार हुआ है। भुट्टो ने कहा कि मैथ्स ओलंपियाड विजेताओं से बात की, भारत ने 4 गोल्ड जीते हैं। और मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने मैथ्स ओलंपियाड विजेताओं से बात की। और उन्हे बधाई भी दी। इस अवसर पर राजेंद्र मलांगड़, सूरम सिंह, जगदीश सहोता, तरसेन, विनोद मलांगड़ आदि उपस्थित थे।

'एक गांव-एक पौधा' अभियान से पहुंची पर्यावरण के लिए जागरूकता

आशीष शर्मा, गोंदपुर बनेहड़ा

गगरेट में 7 जून से पर्यावरण सरंक्षण के प्रति जनजन में जागरूकता के लिए 'एक गांव-एक पौधा' व 'एक स्कूल-एक पौधा' अभियान किस तरह धीरे-धीरे आमजनमानस में पर्यावरण के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने हैं। इसका उदाहरण शनिवार को उस समय सामने आया जब चिंतपूर्णी के नजदीक धलवाड़ी निवासी विकास भारद्वाज व उनके सहगियों ने पौधे रोपित कर 'एक गांव-एक पौधा' अभियान टीम के साथ अपना योगदान दिया।

बता दें कि एक गांव-एक पौधा अभियान का लक्ष्य आमजन को एक पौधा स्वयं लगाने व उसके सरंक्षण को सुनिश्चित बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है । वहीं इस अभियान की टीम ने विकास भारद्वाज व उनके सहयोगियों के इस कदम की सराहना करते हुए लोगों से पर्यावरण के लिए एक पौधा लगाने का आह्वान किया। (अनंत ज्ञान)

मरीजों की आंखों का किया चेकअप

विवेक शर्मा, अंब

रोटरी आई हॉस्पिटल धुसाड़ा की और से उपतहसील जोल की ग्राम पंचायत खरयालता के पंचायत भवन में आज शनिवार को निशुल्क आंख और दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता ग्राम पंचायत खरयालता के प्रधान राकेश धीमान ने की। इस शिविर में रोटरी आई हॉस्पिटल धुसाड़ा के नेत्र विशेषण के डॉक्टर अनिल कुमार व असिस्टेंट राहुल कुमार ने लगभग 60 लोगों के दांतों व आंखों की जांच की।

शिविर में निशुल्क मोतिया बिंद जांच एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर में 60 मरीजों की आंखों व दांतों की जांच की गई और 10 मरीजों का चयन ऑपरेशन के लिए किया गया। इस अवसर पर रिटायर्ड मेजर रघुवीर सिंह डढवाल ने आम जनता को मिलने वाली चिकित्सीय सुविधाओं की जानकारी ली तथा संस्थाओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को धूल, धूप, धुंए से अपनी आंखों को बचाना चाहिए और हरी सब्जियां खानी चाहिएं। कार्यक्रम में 2 व्यक्तियों को मोतियाबिंद आठ मरीजों को लैंस प्रत्यारोपण के ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया, साथ ही संस्था द्वारा चश्मे व निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। कार्यक्रम के अंत में स्थानीय प्रधान राकेश धीमान ने कहा कि हमें अपने दांतों व आंखों को भी नियमित अंतराल पर शिविरों से जांच करवाते रहना चाहिए। इस अवसर पर उपप्रधान अशोक कुमार, किरण बाला, अंजलि देवी, वीरो देवी, आशा देवी, मदन ठाकुर आदि मौजूद रहे। (अनंत ज्ञान)

शिविर में पहुंची डॉक्टर्स की टीम।

हरोली में आंगनबाड़ी वर्कर्स और हेल्पर के पदों के लिए मांगे आवेदन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

बाल विकास परियोजना हरोली के तहत आंगनबाड़ी वर्कर्स और हेल्पर के लिए मांगे गए आवेदनों को जमा करवाने की अंतिम तिथि में आंशिक संशोधन किया गया है।

सीडीपीओ हरोली पूनम चौहान ने बताया कि अभ्यर्थियों को अब अपने आवेदन 26 अगस्त की बजाय 16 अगस्त सायं 5 बजे तक जमा करने होंगे। हरोली में आंगनबाड़ी वर्करों के 9 और हेल्परों के 14 पद भरे जाएंगे। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र अप्पर पालकवाह, अटावा मोहल्ला पंडोगा, हरिजन बस्ती खड्ड-एक, सलोह महादेव-एक, शिव मंदिर सलोह, कांगड़ हार, उपरलीपाली, बाथड़ी-एक और लोहर मोहल्ला बीटन में एक-एक पद आंगनबाड़ी वर्करों का भरा जाएगा। इसके अतिरिक्त आंगनबाड़ी केंद्र क्यार मोहल्ला, नंगल कलां वर्तमान, वार्ड नं 4, वार्ड नं 2, वार्ड नं 7, 8 व 9, बालीवाल, माकोड़गढ़ कुम्हार कवीरपंथी मोहल्ला, लोहार बस्ती बढ़ेड़ा, भाई दा मोड़, होशियारपुर रोड खड्ड, भरवाल मोहल्ला ललड़ी, नंगल खुर्द वर्तमान, कुंगड़त वर्तमान व जैजों मोड में सहायिकाओं का एक-एक पद भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन सादे कागज पर भर कर 16 अगस्त सायं 5 बजे तक बाल विकास परियोजना कार्यालय हरोली में जमा करवा सकते हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी सहायिका हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं पास निर्धारित की गई है। प्रार्थी की आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी संबंधित आंगनबाड़ी केंद्र के लाभान्वित परिक्षेत्र (फीडर एरिया) का सामान्य निवासी होना चाहिए।

सूडोकु 0010

कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु 0009 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

गुहार शहीद का सरकारी भूमि पर बनाया जाए स्मारक, शौर्य चक्र का दिया जाए सम्मान

शहीद दिलावर के परिजनों को हरसंभव मदद मिले

दिलावर खान के परिजनों के साथ बात करते जगत राम शर्मा।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

प्रदेश सरकार शहीद दिलवर खान के परिवार के साथ है। आशा है प्रदेश कांग्रेस सरकार द्वारा शहीद के परिवार के लिए घोषित 30 लाख रुपए की बजाय 50 लाख रुपए प्रदान करेगी, जबकि सहायता में सहयोग करने का आश्वासन दिया। पाकिस्तान के प्रति दिलवर खान सहित समूचे गांववासियों के मन मे भारी गुस्सा है। सभी देश भक्ति से ओत-प्रोत हैं। केंद्र सरकार से आंतकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाने की आस भी रखते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने शहीद दिलवर के परिवार को 30 लाख रुपए देने की घोषणा की है, साथ में शहीद की पत्नी सरकारी नौकरी दी जाएगी। सरकार को सुझाव है कि 30 लाख रुपए की बजाय राशि 50 लाख रुपए दी जाए और केंद्र सरकार एक करोड़ रुपए दे। शहीद दिलवर खान का सरकारी भूमि पर स्मारक बनाया जाए, शौर्य चक्र का सम्मान दिया जाए, शहीद के नाम का तलाई में प्रवेश द्वार बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी एकजुटता से शहीद दिलवर खान के परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। इस मौके पर ऊना से शमीम टेलर, इरफान, इब्राहिम, कर्मदीन, मोहम्मद अली, उमर आदि सहित शहीद के परिवार सदस्य मौजूद रहे।

विधायक विवेक ने दिया पांच लाख का चैक

अनंत ज्ञान, बंगाणा

देश की रक्षा करते हुए हाल ही में श्रीनगर में शहीद हुए कुटलैहड़ विस क्षेत्र के घरवासड़ा के शहीद दिलावर खान के परिवार के साथ रविवार को कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा मिले और प्रदेश सरकार की ओर से जारी की गई पांच लाख रुपए की राहत राशि का चैक दिया।

इस दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं ऊना सदर से पूर्व विधायक सतपाल सिंह रायजादा, एडीएम बंगाणा सोनू गोयल समेत अन्य मौजूद रहे। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि शहीद दिलावर खान के पीड़ित परिवार के साथ प्रदेश सरकार खड़ी है। विवेक शर्मा ने कहा कि शहीद दिलावर खान ने भारत माता की रक्षा करते हुए देश के लिए शहादत दी है, जो युगों-युगों तक याद रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू ने शहीद परिवार की हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया है। विवेक शर्मा ने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि उक्त गांव के स्कूल का नाम शहीद दिलावर खान के नाम पर रखा जाए। साथ ही शहीद की पत्नी के लिए सरकारी नौकरी का प्रावधान हो और शहीद के नाम से गांव में कोई बड़ा कार्य हो। शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने शहीद दिलवर खान की शहादत पर नमन और श्रद्धांजलि प्रदान करते हुए परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं तथा गहरा दुख प्रकट किया है। वहीं, पूर्व विधायक सतपाल रायजादा ने शहीद के घर जाकर उनके परिवार को ढांढस बंधाया और शहीद दिलावर खान को श्रद्धांजलि दी।

शहीद की पत्नी को चैक भेंट करते चैक विधायक विवेक शर्मा व सतपाल रायजादा।

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी, श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

29 जुलाई, 2024, सोमवार

विक्रमी संवत : 2081, **शक संवत :**1946 (क्रोधी), **मास :** आषाढ़, **तिथि** नवमी: (5:58) : **नक्षत्र :** भरणी (10:55), **पक्ष :** कृष्ण, **योग:** गंड (5:54) **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (12:00-12:54), **राहुकाल** (7:22 -9:04 ।

विशेष दिन

» 29 जुलाई 2024 : श्रावण वन सोमवार का व्रत आज।

» 30 जुलाई मंगला गौरी पूजा।

मेष: घर के बाहर के खाने से बचें। ऑफिस में अपने विरोधी के षड्यंत्र से सावधान रहें। आज खर्च भी ज्यादा होगा। आपको सपोर्ट की बेहद जरूरत है।

वृषभ: आज का दिन शुभ है। अपने प्रेमी से आज मिलन होगा। दिनभर उत्साह बना रहेगा। कुछ असमंजस के कारण मुनाफे के रास्ते में अड़चन आ सकती है।

मिथुन: आज का दिन थोड़ा सावधानी से चलने का है। आसपास के लोगों से बहसबाजी में न उलझें कहासुनी हो सकती है। किसी शुभ मांगलिक कार्य में जाने का मौका मिलेगा।

कर्क: आपके लिए आज का दिन सामान्य रहेगा। ईमानदारी से बनाए गए रिश्ते लंबे समय तक आपका साथ निभाएंगे। कुछ लोगों की किस्मत आज चमक सकती है।

सिंह: आज का दिन काफी बिजी रहेगा। मेहनत के बाद उसका फल मिल जाएगा। अपने पार्टनर के साथ शाम का स्पेशल प्रोग्राम कामयाब होगा, इज्जत बढ़ेगी।

कन्या: आज का दिन खुशगवार बीतेगा। लाभ के मौके मिलेंगे। किसी असरदार शख्स पर पैसा खर्च होगा। जीवन की दिशा नया मोड़ लेगी।

तुला: आपके लिए आज का दिन एक्टिव है। पैसे की परेशानियां सुलझ जाएंगी। हैल्थ से जुड़ी परेशानियां हल हो जाएंगी। किसी खास व्यक्ति से परिचय होगा।

वृश्चिक: थोड़ी सी मेहनत से ही सम्मान मिलेगा। अच्छे व्यवहार से नए दोस्त बनेंगे और नए प्रोजेक्ट पर काम भी शुरू हो जाएगा, काम भी बनते नजर आएंगे।

धनु: आज का दिन आपके लिए अच्छा है। राजनीतिक गतिविधियां बढ़ेंगी। किसी अनुभवी व्यक्ति से लाभ उठाएं लेकिन उस पर धन खर्च होगा।

मकर: छोटे-मोटे झगड़े दिन के पहले हिस्से में सिर उठाएंगे लेकिन आपकी सूझबूझ से जल्द ही निपट जाएंगे। बढ़ते खर्च पर लगाम लगेगी। अधिक मेहनत करेंगे।

कुंभ: ऑफिस में काम को धीरे-धीरे ही करेंगे तो फायदे हो ही जाएंगे। पढ़ाई-लिखाई में ध्यान दें। प्रॉपर्टी का लाभ मिलेगा। मेहनत से किए गए काम के अच्छे नतीजे निकलेंगे।

मीन : आज का दिन लकी रहेगा। बिजनस और इन्वेस्टमेंट में टेंशन खत्म होगी। घूमने फिरने और मनोरंजन का सुख मिलेगा। खाने-पीने का प्रोग्राम व्यवस्थित तरीके से बनाएं।

उफनते तूफान को मात देना है तो अधिक जोखिम उठाते हुए हमें पूरी शक्ति के साथ आगे बढ़ना होगा। **-महात्मा गांधी**

संपादकीय

हिमकेयर पर बवाल

हिमाचल प्रदेश में निजी अस्पतालों में हिमकेयर योजना की सुविधा बंद करने पर खासा बवाल मचा है। एक तरफ जहां लोग इस सुविधा के बंद होने से खिन्न हैं तो वहीं, विपक्षी दल ने इसे मुद्दा बना लिया है। यह योजना जनता का सहारा बन गई थी। लोगों को इमरजेंसी में अपना इलाज करवाने में कोई दिक्कत नहीं होती थी, लेकिन अब उन्हें महंगे इलाज के लिए अपनी जेब ढीली करनी पड़ेगी। निश्चित रूप से इसका असर व्यापक होगा, लेकिन दूसरी ओर इस योजना को बंद करने की पीछे सरकार अपनी मजबूरी बता रही है। दरअसल, सरकारी की माली हालत इतनी खराब हो गई है कि उसे अपने कर्मचारियों को तनख्वाह निकालना भी मुश्किल हो गया है। प्राइवेट अस्पतालों की भारी-भरकम देनदारी अदा करने में सुक्खू सरकार के पसीने छूट रहे थे।

सरकार की सारी व्यवस्था उधारी पर ही चली हुई है। केंद्र में भाजपा नीत सरकार बैठी है तो ऐसे में वहां से आर्थिक मदद मिलने की संभावना नहीं है। हालांकि निर्मला सीतारमण ने इस बार के बजट में हिमाचल को पिछले साल प्राकृतिक आपदा से हुए बेतहाशा नुकसान के एवज में एक साल बाद आर्थिक सहायता देने की ऐलान जरूर किया है, लेकिन ये राशि कितनी होगी इसके बारे में स्पष्ट नहीं किया। ऐसे में सरकार के पास इस महंगी योजना को बंद करने के सिवाए कोई चारा नहीं बचा था। सरकार और जगह भी अपने खर्च घटा रही है। उसने बिजली उपभोक्ताओं को 125 यूनिट फ्री बिजली की सुविधा भी बंद करने का निर्णय ले लिया है। यही नहीं, जिन स्कूलों में पांच बच्चों से कम संख्या है उनको भी बंद करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा स्कूलों को मर्ज करने का फैसला भी सरकार ने लिया है।

हिमकेयर योजना पूर्व की जयराम ठाकुर के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने वर्ष 2019 में शुरू की गई थी। भाजपा इसी वजह से ज्यादा हो-हल्ला कर रही है। भाजपा को लग रहा है कि सरकार ने यह योजना जान-बूझकर बंद की है और वह इस फैसले की जमकर आलोचना कर ही है। इस फैसले को तुगलगी फरमान की संज्ञा तक दी जा रही है। हालांकि केंद्र सरकार की आयुष्मान योजना का लाभ हिमाचल की जनता को मिल रहा था, लेकिन जो लोग आयुष्मान योजना के भीतर कवर नहीं हो रहे थे, उनके लिए हिमकेयर योजना शुरू की थी। इस योजना से काफी लोग लाभान्वित हो रहे थे, लेकिन सुक्खू सरकार ने निजी अस्पतालों की बढ़ती देनदारी को चुकाने में असमर्थता जताई। इसे आम जनता के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में जो लोग किसी कारणवश सरकारी अस्पताल में इलाज नहीं करवा पाते थे, वो हिमकेयर योजना का लाभ निजी अस्पताल में जाकर लेते थे। इसके तहत पांच लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज हो जाता था, लेकिन अब इमरजेंसी में लोग बेबस हो जाएंगे और अपने सगे संबंधियों को मौत के मुंह से बचाने के लिए पैसा खर्चने पर मजबूर हो जाएंगे। हिमाचल व हिमाचल के बाहर 141 निजी स्वास्थ्य संस्थानों में हिमकेयर कार्ड चलता था। इसमें इलाज का भुगतान सरकार करती थी। सरकारी अस्पतालों व निजी अस्पतालों की संख्या 292 है, जहां ये हिमकेयर कार्ड की सुविधा मिलती आ रही थी। समय-समय पर निजी अस्पतालों को भुगतान न करने पर हिमकेयर कार्ड नहीं चलते थे। सरकार देनदारी समय पर नहीं चुका पाती थी। सुक्खू सरकार ने इस वित्त वर्ष में योजना के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया था, लेकिन उधारी इतनी ज्यादा हो गई है कि 100 करोड़ रुपए कब खत्म हो गया पता ही नहीं चला। इस समय भी हिमकेयर योजना के तहत सरकार पर 350 करोड़ रुपए से अधिक की देनदारी है।

प्रदेश में हिमकेयर योजना के तहत 31 लाख के करीब कार्ड बने हुए हैं। सरकारी के पास ऐसी रिपोर्ट भी थी कि यदि किसी घर में एक सरकारी कर्मचारी है तो उनके परिवार में पत्नी के नाम पर भी हिमकेयर कार्ड बना हुआ है। सरकारी कर्मचारी को तो वैसे भी मेडिकल री-इंबर्समेंट की सुविधा मिलती है। जांच में ये पाया गया कि किसी सरकारी कर्मचारी ने हिमकेयर कार्ड बनवाया हुआ है तो उसे ब्लॉक कर दिया जाएगा। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

पद्म विभूषण से सम्मानित शख्सियत

बाबा साहेब मोरेश्वर पुरंदरे मराठी साहित्यकार, नाटककार तथा इतिहास लेखक थे। वे शिवाजी से संबंधित इतिहास शोध के लिए प्रसिद्ध रहे। प्रसिद्ध नाटक 'जाणता राजा (विवेकशील राजा) उनकी ही कृति है। महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें राज्य के सर्वोच्च सम्मान 'महाराष्ट्र भूषण' से सम्मानित किया था। भारत सरकार द्वारा बाबा साहेब पुरंदरे को 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया था। बाबा साहेब पुरंदरे का जन्म 29 जुलाई, 1922 को हुआ था। उन्हें महाराष्ट्र में शिवशहर के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि बाबा साहेब ने महान नाटक 'जाणता राजा' (जनता का राजा) के माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास को घर-घर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह महानाट्य न केवल महाराष्ट्र में बल्कि आंध्र प्रदेश, गोवा और देश के अन्य हिस्सों में भी प्रसिद्ध हुआ। बाबा साहेब पुरंदरे ने छत्रपति शिवाजी महाराज पर कई किताबें लिखी हैं और अपना जीवन इतिहास और शोध के लिए समर्पित कर दिया था। उन्हें 2019 में भारत के दूसरे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार 'पद्म विभूषण' और 2015 में 'महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था। उन्होंने न केवल शिवराय (छत्रपति) का इतिहास लिखा बल्कि पेशवाओं के इतिहास को भी दुनिया के सामने रखा। बाबा साहेब पुरंदरे देश के लोकप्रिय इतिहासकार रहने के साथ थियेटर कलाकार भी रह चुके थे। उन्हें छत्रपति शिवाजी महाराज पर अपने विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है। बाबा पुरंदरे ने शिवाजी के जीवन से लेकर उनके प्रशासन और उनके काल के किलों पर भी कई किताबें लिखीं।

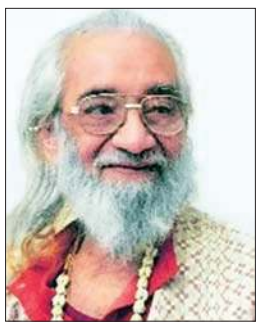

बाबासाहेब मोरेश्वर पुरंदरे
जन्म : 29 जुलाई, 1922
मृत्यु : 15 नवंबर, 2021

अपनी बात

पर्यावरण को बचाए रखने आजकल चुनौती बनता जा रहा है। यदि को पर्यावरण को बचाना है तो हम सबको ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए। इससे वायु प्रदूषण कम होता है और ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। प्लास्टिक का उपयोग कम करना चाहिए। प्लास्टिक का उपयोग कम करने से जल और जमीन प्रदूषण कम होता है। ऊर्जा की बचत करना भी हम सबका मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। ऊर्जा की बचत करने से वायु प्रदूषण कम होता है और जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित किया जा सकता है। इसके अलावा जल संचयन करें ताकि जल संकट को दूर किया जा सके। वाहनों का उपयोग कम करना चाहिए। वाहनों का उपयोग कम करने से वायु प्रदूषण कम होता है। कूड़ा-कचरा न फैलाएं, क्योंकि कूड़ा-कचरा फैलाने से जल और जमीन प्रदूषण कम होता है। पर्यावरण अनुकूल उत्पादों का उपयोग करने में ही समझदारी है। **-सरिता, कांगड़ा**

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 पर भेज सकते हैं।

जस्टिस चितरंजन दास की बातें गंभीरता से ली जाएं

समय कभी ठहरता नहीं, वक्त की गति के साथ जो ताल से ताल मिलाकर चलता है, वह इतिहास नहीं बनता, अपने समय में वह सदैव वर्तमान बना रहता है। एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने राष्ट्र की चिति का जिक्र अपने भाषणों में कई बार किया था। उनके अनुसार 'जब लोगों का एक समूह किसी लक्ष्य, आदर्श, मिशन के साथ रहता है और किसी खास भूमि के टुकड़े को मातृभूमि के रूप में देखता है, तो यह समूह एक राष्ट्र का निर्माण करता है। अगर दोनों में से कोई एक- आदर्श और मातृभूमि नहीं है, तो कोई राष्ट्र नहीं है। किसी राष्ट्र का आदर्श या मूल सिद्धांत उसकी आत्मा है। एक व्यक्ति के मामले में, उसकी आत्मा बार-बार जन्म ले सकती है। हर बार एक अलग अस्तित्व होता है, लेकिन आत्मा एक ही होती है। इसी तरह, एक राष्ट्र की एक आत्मा होती है। इसका तकनीकी नाम 'चिति' है। चिति मौलिक है और राष्ट्र के लिए इसकी शुरुआत से ही केंद्रीय है। व्यक्ति राष्ट्र की आत्मा 'चिति' को सामने लाने का भी साधन है। इस प्रकार व्यक्ति अपने स्वयं के अलावा राष्ट्र का भी प्रतिनिधित्व रता है। '

भारत के परिप्रेक्ष्य में इस चिति की समीक्षा करें तो यह अनंत काल से यहां की हवा में स्व स्फुरित है। कई बार इसकी गति कम और अनेक बार तेज होती दिखती है। कई धाराओं में प्रवाहमान भी यह देखी जाती रही है। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस वह संगठन है, जो इन अनेक धाराओं को राष्ट्र की चिति की पुष्टता के लिए एक साथ जोड़कर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा का काम करता हुआ दिखाई देता है। इसमें भी सुखद यह है कि संघ अपने इस कार्य को अनेक अलोचनाओं को सहते-सुनते पिछले 99 सालों से अनवरत कर रहा है। सांप्रदायिक, हिंदुवादी, फासीवादी, धर्मनिरपेक्षता का दुश्मन, सांप्रदायिकता की खाई खोदनेवाला और इसी तरह के अन्य न जानें कितने शब्दों एवं उपमाओं से संघ को लगातार नवाजा जा रहा है। उसे अपमानित करने का कोई एक पल भी उसकी बातों में असहमति रखनेवाले छोड़ना नहीं चाहते, किंतु रा.स्व.संघ है कि इन सभी बातों पर बिना कोई प्रतिक्रिया दिए धैर्य के साथ अपने कार्य में जुटा हुआ है और वह कार्य प्रारंभ से अंत तक एक ही है, अनेक धाराओं को एक साथ लाकर राष्ट्र की चिति को मजबूत करना। इसलिए संघ कभी अतीत नहीं हुआ, वह वर्तमान है। आज कलकत्ता और ओडिशा हाईकोर्ट में जज रह चुके रिटायर्ड जस्टिस चितरंजन दास यह कहकर और इस संगठन के बारे में स्पष्ट कर देते हैं कि मैं आरएसएस में था, यह कोई अछूत संगठन नहीं।

लेखक : डॉ. मयंक चतुर्वेदी
स्वतंत्र टिप्पणीकार

किसी को अपनी पहचान छिपाने की जरूरत नहीं है। एक जज रहते हुए उन्होंने संविधान के मुताबिक काम किया और उनकी व्यक्तिगत विचारधारा कभी आड़े नहीं आई। संघ में हर विचारधारा के लोग रहते हैं और यह संगठन किसी को किसी विचारधारा के लिए बाध्य नहीं करता है। जस्टिस दास इस बात पर भी जोर देते हैं कि आरएसएस अपने 100 साल पूरे करने जा रहा है। आरएसएस को कई लोग अछूत संगठन मानते हैं, लेकिन इस संगठन ने किसी के माइंड वॉश की कोशिश कभी नहीं की। मुझे इसका व्यक्तिगत अनुभव है। आरएसएस लोगों के व्यक्तित्व को निखारता है।

यह लोगों को अच्छा नागरिक बनाता है और चाहे कोई प्रधानमंत्री हो, जज या कलेक्टर हो। हर किसी को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। यह सच है कि संघ कोई क्रांतिकारी संगठन नहीं, लेकिन इतिहास में पता चलता है कि इंदिरा गांधी को भी आरएसएस की मदद लेनी पड़ी थी। चीन से युद्ध के समय भी संघ ने काफी काम किया था। ये चीजें लोगों को बताई नहीं जाती हैं। आरएसएस यही कहता है कि आपको अपने कार्य के प्रति प्रतिबद्ध रहना है। कई लोगों ने गलत जानकारी देकर इस संगठन की छवि धूमिल करने की कोशिश की जाती रही है।

निश्चित ही यहां जस्टिस दास के आरएसएस को लेकर आए अनुभव को जानने के बाद यही कहना होगा कि प्रतिदिन संघ में की जाने वाली उसकी प्रार्थना एक स्वयंसेवक को इतना अधिक अपने राष्ट्र के लिए समर्पित हो जाने की प्रेरणा देती है कि उसके लिए फिर राष्ट्र की सर्वोच्चता ही महत्व रखती है, जिसमें कि स्वयं को वह विलीन कर देने में ही अपनी सार्थकता समझता है और इसी में अपने जीवन की धन्यता स्वीकारता है।

प्रार्थना के प्रथम श्लोक स्वयंसेवक मातृभूमि के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है। मातृभूमि को सर्वोच्च स्थान पर रखते हुए इस मातृभूमि की विशेषताओं का स्मरण कर उसके लिए स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लेता है। 'मातृभूमि के प्रति मेरा सर्वस्वार्पण हो जाए ऐसी अभिलाषा स्वयंसेवक' पतत्वेष कायो 'के रूप में व्यक्त करता है। समर्पण केवल एक वचन में अर्थात् स्वयं का ही होता है। कोई दूसरा बलिदान करेगा तब में करूंगा या हम सब बलिदान करेंगे यहां ऐसा बिलकुल नहीं है।' संपूर्ण प्रार्थना में पांच गुण स्वयंसेवक अपने लिए भारत माता से मांगता है। ये पांच गुण हैं, एक- अजेय शक्ति (ऐसी शक्ति जिसको विश्व में कोई जीत न सके)। दो- सुशील (ऐसा श्रेष्ठ शील (चरित्र) मांगा है, जिसके समक्ष संपूर्ण विश्व नतमस्तक हो जाए)। तीन-श्रुतं (ऐसा ज्ञान भी मांगा है जो सभी कठिनाइयों तथा समस्याओं में से मार्ग प्रशस्त कर दे तथा कभी कोई विभ्रम न हो)। स्वयं स्वीकृतं कण्टकाकीर्ण मार्गम् के माध्यम से कहा गया है, कष्टों (चुनौतियों) से भरा यह कार्य हमने अपने मन, बुद्धि और आत्मा से स्वयं के लिए स्वीकार किया है।

चार- वीरव्रत (समुत्कर्ष नि:श्रेयस - इस लोक तथा ऊर्ध्वलोक का उत्कर्ष (वैभव) ऐहिक एवं पारलौकिक कल्याण तथा मोक्ष दोनों वीरव्रती को ही मिलते हैं। ऐसा वीरव्रत भी ईश्वर से मांगा है। (वीरव्रत अर्थात् विषम परिस्थितियों में भी जो धैर्य रखते हुए अपने लक्ष्य की और अग्रसर रहे वीरव्रती कहलाता है)। पांच - अक्षय ध्येयनिष्ठा (जीवन में ध्येय का स्मरण और उसके प्रति निष्ठा अक्षय बनी रहे यानी कि जीवन की अंतिम श्वास तक इस कार्य के प्रति मेरी भावनाएं तथा मेरा समर्पण बाधित या समाप्त न हो । ऐसे आशीर्वाद के रूप में 'ध्येय निष्ठा' अंतिम गुण मांगा गया है)।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

अखिलेश-केशव के व्यंग्य में अब कटुता का पुट

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बीच नोकझोंक कोई नई नहीं है। यह सब तब से चल रहा है जब एक बार समाजवादी पार्टी के प्रचार के दौरान समाजवादी रथ में नेताजी मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव तो कुर्सी पर बैठे, लेकिन शिवपाल यादव कुर्सी की जगह कुर्सी के हत्थे पर बैठे नजर आए थे। वहीं इसके उलट दोनों के बीच तब भी नोंकझोंक देखने को मिली थी, जब एक मीटिंग के दौरान डिप्टी सीएम स्टूल पर बैठे नजर आए थे। इसके बाद अखिलेश अक्सर केशव प्रसाद को स्टूल वाला मंत्री कहकर चिढ़ाते रहते थे। इसी प्रकार जब हाल में ही केशव और योगी के बीच मतभेद की खबरें आईं तो अखिलेश उसमें कूद पड़े और केशव को सौ विधायक लाने पर मुख्यमंत्री बनाने का 'मानसून आफर' दे दिया। अब इसी क्रम में जुबानी जंग मानसून आफर से निकालकर मोहरे तक जा पहुंच गई है।

लेखक : अजय कुमार
वरिष्ठ लेखक

दरअसल, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित संविधान मान स्तंभ की स्थापना कार्यक्रम में कहा था कि वो(केशव प्रसाद मौर्य)दिल्ली के वाईफाई का पासवर्ड हैं। मौर्य जी तो मोहरा हैं, कुछ देर में ही इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर केशव प्रसाद मौर्य का भी जवाब आ गया। उन्होंने अखिलेश यादव पर कांग्रेस का मोहरा बनने का आरोप लगाया। अखिलेश भी नहीं रुके, शाम होने तक उन्होंने फिर केशव पर निशाना साधते हुए उनको डबल इंजन की सरकार में दिल्ली- लखनऊ के बीच शंटिंग करने वाला इंजन तक कह दिया।

अखिलेश यादव और केशव प्रसाद मौर्य के बीच आरोप-प्रत्यारोप पिछले दिनों भाजपा की कार्यसमिति की बैठक के बाद तेज हो गई है। केशव ने बैठक में संगठन को सरकार से बड़ा होने की बात क्या कही, इस पर अखिलेश ने भाजपा को घेरते हुए एक्स पर लिख दिया कि 'तोड़फोड़ की राजनीति को जो काम भाजपा दूसरे दलों में करती थी, अब वहीं काम वह अपने अंदर कर रही है। इसलिए अंदरूनी झगड़ों के दलदल में धंसती जा रही है।' इस बीच केशव दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मिलकर वापस लखनऊ पहुंचे तो अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि 'लौट के बुद्धू घर को आए।' कुल मिलाकर दोनों नेताओं के बीच व्यंग से शुरू हुई नोंकझोंक अब कटुता में बदलती जा रही है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

कविता

जो कारगिल में शहीद हुए

कै. (डॉ.) जय महलवाल
(अनजान), बिलासपुर

अरे ओ देश के हुक्मरानों,
जरा अपने होश को संभालो।
आज देश मांग रहा तुमसे जवाब,
कब हटेगा आतंकियों के चेहरे से नकाब।।
आज फिर हुई है किसी मां की सूनी कोख,
पर तुम लोगों को न जाने कब आएगी होश।
तुम लोग लगे हो आज भी अपनी राजनीति चमकाने,
जो कारगिल में शहीद हुए,
उनके पूरे अंग भी मिल जाएंगे कौन जाने।।
अरे शर्म है तो जिंदा पकड़ों एक-एक
आतंकी को,
लटका दो शूली पर जिंदा उनको लाल चौक पर।
काट दो एक-एक अंग उनका,
नेस्तानाबूद कर दो उनके वजूद को।।
किसी ने खोया है कारगिल में अपना पति,
तो किसी ने खोया है अपना भाई।
यही होगी सच्ची श्रद्धांजलि इन सैनिकों को।।

सौरभ वन विहार युवाओं के लिए बना एक प्रेरणा स्रोत

सौरभ वन विहार पालमपुर से चार किलोमीटर की दूरी पर न्यूगल खड्ड के किनारे पर स्थित है। यह वन विहार धौलाधार की पहाड़ियों के आंचल में बसा हुआ है। यह वन विहार लगभग 13 किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ यह युवाओं के लिए अपने देश की सेना में भर्ती होकर देश की सुरक्षा के लिए अपना बलिदान देने के लिए एक प्रेरणास्रोत है। शहीद कैप्टन सौरभ कालिया ने 1999 के कारगिल युद्ध में दुश्मन देश पाकिस्तान की सेना के साथ वीरता का परिचय देते हुए अपने प्राणों को देश की रक्षा के लिए न्योछावर कर दिया था। उनकी इस बहादुरी के लिए उनके नाम पर यह वन विहार बनाया गया।

इसका उद्घाटन 2017 में उस समय के सांसद माननीय श्री शांता कुमार ने किया था। यह वन विहार एक प्रकृति से संबंधित वन विहार है। यहां पर कई प्रकार के पेड़ पौधे प्रकृति को चार चांद लगाते हैं जो दर्शकों व पर्यटकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र हैं। हिमाचल प्रदेश वैसे भी पर्यटन की दृष्टि से पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। यहां के बर्फ से ढके हुए पहाड़, घने जंगल, नदियां व प्राकृतिक झीलें पर्यटकों का मन मोह लेती है। ऐसे में इस प्रकार के वन विहार पर्यटन को और बढ़ावा देते हैं। यहां पर जब पर्यटक घूमने आते हैं, तो उनके मन में अपने देश भारत की रक्षा करने के लिए अपने बच्चों को सेना में भर्ती होने के लिए एक प्रेरणा मिलती है। इस वन विहार में कैप्टन सौरभ कालिया की कृदरती पत्थर की एक बड़ी सी शिला के ऊपर सुंदर मूर्ति बनाई गई है। यहां पर कारगिल युद्ध में सौरभ कालिया और अन्य सैनिकों ने किस प्रकार अपने दुश्मनों को धूल चटाई यह भी बखूबी दर्शाया गया है। यहां पर बच्चों और बड़ों के लिए मनोरंजन के लिए बहुत सी चीजें हैं।

बच्चों के लिए एक झील बनाई गई है, जिसमें कुछ नावें हैं, जिनमें बच्चे बैठकर झील का आनंद ले सकते हैं। यहां पर कई प्रजातियों के पक्षी चहचहाते रहते हैं, जो कि बहुत ही मनमोहक दृश्य होता है। इतिहास गवाह है कि जब भी हमारे देश भारत को वीर जवानों की देश की रक्षा के लिए आवश्यकता पड़ी इन जांबाज सैनिकों ने खुशी-खुशी अपने प्राणों की बलि दी और इस देश का मस्तक कभी झुकने नहीं दिया। सौरभ वन विहार इसका एक बहुत बड़ा उदाहरण है। भले ही यह वन विहार पर्यटन की दृष्टि से बहुत महत्पूर्ण है और यहां पर प्रतिदिन सैकड़ों लोग घूमने आते हैं, लेकिन यह बहादुरी का एक प्रत्यक्ष प्रमाण है। क्योंकि हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम अपने जांबाज सैनिकों की कुर्बानियों को याद करें। इस प्रकार के पार्क हमारे सैनिकों के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि है।

नरेंद्र कुमार शर्मा
जोगिंद्रनगर,जिला मंडी।

इससे हमारे सैनिकों का मनोबल तो बढ़ता ही है इसके साथ ही आज की युवा पीढ़ी सेना में भर्ती होकर अपने देश की सेवा करने के लिए प्रेरित होती है। आजकल देखा गया है कि कई युवा अपने सही रास्ते से भटककर नशे की लत में पड़कर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं। उन्हें सही मार्गदर्शन की आवश्यकता है। हमें चाहिए कि अपने बच्चों को अपने देश के लिए कुर्बान होने वाले ऐसे वीर जवानों के बारे में जानकारी प्रदान करें और इस प्रकार के वन विहार में घूमने ले जाएं। जब हमारे देश के बच्चे व युवा इन वीरों की गाथा को सुनेंगे और देखेंगे तो निश्चित तौर पर उनके मन में अपने देश के लिए कुछ कर गुजरने की तमन्ना उत्पन्न होगी और वे यह अवश्य सीखेंगे कि अपने देश की सेवा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होकर ही की जा सकती है। इससे उनके मन में नशे को न करने की बात अवश्य आएगी।

हमारा देश बहुत बड़ी आबादी वाला देश है जहां बहुत बड़ी संख्या में युवा पीढ़ी है। जिनके कंधों पर देश के भविष्य की बागडोर संभालने का जिम्मा है। किसी भी देश की उन्नति उस देश की युवा पीढ़ी पर टिकी होती है और सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे देश के युवाओं ने हर क्षेत्र में अपनी योग्यता और दक्षता का परचम लहराया है। बस दरकार है तो केवल सही मार्गदर्शन करते की। हमारे देश की सेना पूरे विश्व की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक है। इस तमगे को बनाए रखने के लिए हमारे युवाओं का सक्षम होना बहुत आवश्यक है। इसके लिए स्कूल, कॉलेज में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके सार्थक परिणाम भी आ रहे हैं। मीडिया चाहे प्रिंट मीडिया हो या टेलीविजन समय-समय पर युवाओं के लिए जागरूकता पैदा करते रहते हैं।

इसके लिए मीडिया को और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। क्योंकि आज का समय इंटरनेट का युग है। जब भी कोई बात घटती है तो तुरंत लोगों तक पहुंच जाती है और उन पर इन बातों का विशेष प्रभाव पड़ता है। 15 से 18 वर्ष की आयु टिनेजर की आयु होती है। मनोविज्ञान के अनुसार इस समय के दौरान बच्चों के भविष्य के बनने व बिगड़ने के संभावनाएं अधिक रहती हैं। यह समय ऐसा होता है कि बालक अपने मन की बात करने लगता है। यदि इस वक्त को माता-पिता व समाज ने संभाल लिया तो यह देश के निर्माण के लिए बेहतर होगा। स्कूल और कॉलेज के अध्यापकों और प्राध्यापकों को चाहिए कि अपने उच्च अधिकारियों से आज्ञा लेकर बच्चों को इस प्रकार के वन विहारों में घूमने के लिए ले जाएं ताकि वे प्रत्यक्ष रूप से ऐसे प्रेरणा स्थलों के साक्षात दर्शन कर सकें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पेड़ों की संस्कृति के महत्व को पहचानना नितांत आवश्यक

भारत में जुलाई और अगस्त महीने में बरसात, आपदा और पेड़ों का खास महत्व है। ये तीनों सत्यम, शिवम, सुंदरम की तरह आपस में जुड़े हैं। सबसे पहले हमें इन तीनों के महत्वों को समझना होगा। अत्यधिक पेड़ों के कटान के कारण भूमि में मिट्टी का अपरदन हो रहा है। हिमाचल प्रदेश में पिछले वर्ष की तुलना में मानसून उतना सक्रिय नहीं दिख रहा। कम ही जगह बादल फटने और भू-स्खलन होने का समाचार मिला है। ईश्वर से प्रार्थना भी है कि कोई नुकसान जान और माल का न हो। अब बात करते हैं कि बरसात, आपदा और पेड़ों का आपस में क्या संबंध हैं। पेड़ों को एक तरफ कहें कि यह मानवीय जीवन के प्राण हैं। पेड़ों को पालना भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म का एक हिस्सा भी रहा है, परंतु अत्यधिक कटान और भू-स्खलन के कारण पेड़ों की संस्कृति को बचाने की तरफ उतना ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के बाद 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम में पर्यावरण की सुरक्षा पर चर्चा की थी। उन्होंने अपनी मां हीराबेन को याद करते हुए प्रकृति और मां के रिश्ते पर अपने भाव व्यक्त किए थे। इसी दौरान पीएम मोदी ने 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का आह्वान किया था। उन्होंने अपनी मां के नाम पर पौधरोपण भी किया था। इसी तर्ज पर 'एक पेड़ बेटी के नाम' जैसे कार्यक्रम भी होने चाहिए। अपने जन्म दिवस की याद में भी पौधरोपण जैसे कार्यक्रम आयोजित करने होंगे। भारत के अधिकांश भागों में वन महोत्सव कार्यक्रम मनाए जाते हैं। वन महोत्सव के दिन सरकार द्वारा लाखों वृक्ष लगाए जाते हैं। इसके पीछे का सिर्फ एक ही उद्देश्य है अधिक से अधिक पेड़ हर रोज लगाना और लोगों में जागरूकता फैलाना कि वह भी अपने आसपास पेड़ लगाएं। जहां एक पेड़ काटा गया, वहां दस पेड़ अवश्य लगाने होंगे।

लेखक : सिकंदर बंसल
रामपुर बुशहर

हम इस तरह से अपने प्राकृतिक सुंदरता को नष्ट नहीं कर सकते हैं। वर्ष 1947 में इस महोत्सव को अनौपचारिक रूप से लागू किया गया था। उसके पश्चात सन 1950 में इसे कृषि मंत्री कन्हैया लाल मुंशी ने आधिकारिक तौर पर जारी किया। यह एक सकारात्मक और नेक कदम था। अगर यह पहल न की गई होती तो जितने वन आज इस धरती पर मौजूद हैं उतने भी नहीं होते। इसी बरसात में कुछ संस्थाएं मिलकर वृक्षारोपण करके लोगों में जागरूकता फैलाने की कोशिशे करती हैं। जिसमें प्रमुख सामाजिक संस्थाएं, स्टूडेंट्स आर्गेनाइजेशन तथा ग्रामीण स्तर पर युवक तथा महिला मंडल शामिल है। पहले वन विभाग अपने स्तर पर सूखे या खाली जगह पर वृक्षों को रोपित करते थे। जिसमें कई योजनाओं के तहत बेरोजगारों को रोजगार भी मिलता था।

अब न तो उस तरह के बेरोजगार रहे जो कि ग्रामीण बंजर धरती पर पीठ में किलटा उठाकर वृक्ष का रोपण या उसका रखरखाव कर सके। अब सारा पौधरोपण या तो ये सामाजिक संस्थाएं करती हैं या वन विभाग किसी ठेकेदार को ठेके में देकर पौधरोपण किसी नेपाली मजदूरों से कराती है। जिसकी दूरगामी पारदर्शिता शायद भगवान भरोसे रहती है। अब प्रश्न यह नहीं कि इसे अब आधुनिक तरीके से मनाया जाना चाहिए या परंपरागत तरीके से। क्योंकि आधुनिक तरीका सबसे हटकर है। जिससे मन में संदेह जरूर रहता है। जहां पेड़ को लगाते वक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पेड़ की चिंता के बजाए 'सेल्फी विथ ट्री प्लांटेशन' की तस्वीर में फॉलो, लाइक्स और कमेंट्स को तवज्जो देते हैं, क्योंकि प्रश्न यह भी है कि धरातल पर ये पेड़ कितने दिन और टिक पाते हैं। पिछले कुछ समय से यही देखने में आया कि हर वर्ष वन महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। सभी लोग इसे एक उत्सव के तौर पर मनाते हैं। खूब खर्चा, वाहवाही और अगले दिन किसी अखबारों की प्रमुख खबर भी बन जाती है। परंतु फिर उसके पश्चात माली की उस नन्हें पौधे को उगाने में की गई मेहनत भी बेकार जाती है। तब बहुत दु:ख होता है।

कई बार वन महोत्सव के ये लाचार नन्हें पौधे पशु तथा दुनिया का खतरनाक जानवर 'आदमी' द्वारा लगाई गई आग के शिकार ग्रास भी बन जाते हैं। वह समय भी दूर नहीं जब जग प्रचलित अग्निवीरों के सामांतर अत्यधिक मात्रा में जंगलवीरों की नियुक्ति करनी होगी। यदि इस पर्यावरण को बचाना है तो नकली दिखावे से दूर रहना होगा।

अंत में यदि पौधा शौकिया लगाना ही है, तो उसका रखरखाव का शौक भी पालना होगा। आज हमें पेड़ों की संस्कृति के महत्व को समझना होगा। सिर्फ हंगामा खड़ा करना मकसद नहीं होना चाहिए। बरसात हमेशा की तरह आएगी। आपदा भी आती रहेगी। अगर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना ही है तो मूल मूल्यों को भी अपनाना होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक समरजीत, समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN01099
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

न्यूज ब्रीफ

केंद्रीय बजट पर विद्यार्थियों ने की चर्चा

अनंत ज्ञान, पंडोह। राजकीय महाविद्यालय पनारसा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा केंद्रीय बजट के संबंध में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य संकाय की सहायक आचार्य डॉ. डिंपल जामटा ने बजट संबंधी जानकारी दी। उन्होंने 2024- 25 के आम बजट में युवाओं से जुड़ी हुई विभिन्न प्रकार की योजनाओं रोजगार सृजन, कौशल प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, बैंकिंग एवं ऋण संबंधी और रोजगार संबंधी योजनाओं का लाभ कैसे ले इत्यादि पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। विद्यार्थियों ने भी अपने प्रश्न पूछे व चर्चा की। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर कृष्ण लाल ने चर्चा को सार्थक बताया।

मराथू पंचायत में रोपे गए 180 पौधे

अनंत ज्ञान, मंडी। सदर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी और कांग्रेस नेत्री चंपा ठाकुर ने परिवार और कार्यकर्ताओं सहित वन विभाग के सहयोग से मराथू पंचायत में 180 पौधे लगाए हैं। चंपा ठाकुर ने कहा कि 5 जून, विश्व पर्यावरण दिवस से पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित अभियान आरंभ हुआ है, जिसके अंतर्गत उन्होंने इन पौधों को लगाया है। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान चंपा ठाकुर का परिवार, कांग्रेस कार्यकर्ता महिला मंडल, अन्य ग्राम वासी और वन विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। वन खंड अधिकारी सदर विपिन शर्मा ने चंपा ठाकुर का स्वागत करते हुए बताया कि पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान 180 पौधों को रोपा गया है। विपिन शर्मा ने लोगों से भी आग्रह किया है कि पर्यावरण संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे।

एनएसएस इकाई के अध्यक्ष बने तुषार

अनंत ज्ञान, पंडोह। राजकीय महाविद्यालय पनारसा में 2024-25 की एनएसएस की कार्यकारिणी का गठन कार्यक्रम अधिकारी प्रो कृष्ण लाल की अध्यक्षता में किया गया। इसमें अध्यक्ष तुषार कुमार, उपाध्यक्ष निलेश कुमार व गोपाल सिंह, सचिव रवि शर्मा, सहसचिव वेदिका व सुहानी, कोषाध्यक्ष प्रेम सिंह व आर्यन, मीडिया प्रभारी विपिन, साक्षी शर्मा, सुदीप्ति व रितिका शर्मा, सहायक आदेशक चांदनी बनाए गए। इस अवसर पर नव आगंतुक स्वयंसेवियों का पंजीकरण किया गया एवं आगामी सत्र की रूपरेखा बनाई गई।

जलवायु परिवर्तन के लिए पौधरोपण आवश्यक

अनंत ज्ञान, मंडी । जिला मंडी के बाड़ी क्षेत्र स्थित हिमाचल प्रदेश सेवा भारती आवासीय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में समिति के तमाम सदस्यों, छात्रों और अभिभावकों ने भाग लिया। आवासीय परिसर में आम, जामुन, अखरोट, अनारदाना, केले, बान इत्यादि के पौधे लगाए। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश सेवा भारती विवेकानंद आवासीय परिसर के अध्यक्ष केसी शास्त्री और सचिव पवन मिन्हास ने कहा की जलवायु परिवर्तन के लिए पौधारोपण करना अत्यंत आवश्यक है। हिमाचल प्रदेश सेवा भारती ने भी एक अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में पौधारोपण का कार्यक्रम शुरू कर रखा है, जिसके तहत फलदार पौधों के साथ चौड़ी पट्टी के पौधे लगाई जा रहे हैं।

एचपीटीडीसी पेंशनर्स वेलफेयर एसो. की कार्यकारिणी गठित

अनंत ज्ञान, मंडी। एचपीटीडीसी पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा द्विवार्षिक चुनावों का आयोजन किया गया जिसमें एनके वाली को प्रधान, मदन लाल को जनरल सेक्रेटरी, मंगल सिंह परमार को ट्रेजरार और कांता चौहान को वाइस प्रेजिडेंट सर्वसम्मति से चुना गया। हरीश वैद्य रिटायर्ड हिमाचल टूरिज्म ने बताया कि कार्यकारिणी द्वारा जिन लोगों को पेंशन नहीं मिली है उन्हें पेंशन दिलवाने में कार्य कर रही है और कार्यकारिणी लंबित मामलों को सुलझाने का प्रयास कर रही है।

9 ग्राम हेरोइन सहित 2 युवक गिरफ्तार

उमेश भारद्वाज, सुंदरनगर। दो युवकों के कब्जे से 9 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया है। पुलिस थाना सुंदरनगर ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मंडी जिला पुलिस की डिटेक्शन टीम जब दोबड़ी नाला के पास दो युवकों से 9 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। आरोपियों की शिनाख्त वेद प्रकाश(29) पुत्र लेखराम गांव सुदाहन व ज्ञान चंद(30) पुत्र सोहन सिंह गांव रोपड़ डाकघर खुराहल के तौर पर हुई है। डीएसपी भारत भूषण ने बताया कि पुलिस ने युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

पूर्व सीपीएस सोहन लाल ठाकुर ने सुनीं जन समस्याएं

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्य संसदीय सचिव सोहन लाल ठाकुर ने रविवार को अपने कार्यालय में जन समस्याएं सुनीं। सुंदरनगर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र से पहुंचे लोगों ने सोहन लाल ठाकुर को बिजली, पेयजल, सड़क सहित स्कूलों में अध्यापकों की नियुक्ति व अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित मौजूदा समस्याओं से अवगत कराया गया। सोहन लाल ठाकुर ने सभी समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को फोन करके समस्याओं का शीघ्रता से निवारण करने के निर्देश दिए। सोहन लाल ने कहा कि प्रदेश में सीएम सुखविंदर सिंह सुख्खू के कुशल नेतृत्व में लोगों को हर सुख सुविधा पहुंचाने को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार चुनावों के समय दी गई अपनी गारंटियों चरणबद्ध तरीके से पूरी कर रही है।

पीलिया के 5 मरीज टांडा रेफर, 15 नए मामले

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर

पिछले 15 दिनों से उपमंडल जोगिंद्रनगर में पांव पसारे पीलिया के मामलों में पहले की अपेक्षा कुछ कमी तो आई है लेकिन अभी भी सरकारी तथा निजी लैब में किए जाने वाले टेस्ट में 100 लोगों के बीच लगभग 10 से 15 लोगों में पीलिया के लक्षण पाए जा रहे हैं।

हालांकि गंभीर लक्षण न होने के चलते अधिकांश लोगों को जांच के बाद दवाई आदि देकर घर भेज दिया जा रहा है, लेकिन अभी भी सिविल अस्पताल जोगिंद्रनगर में लगभग दो दर्जन के करीब पीलिया ग्रस्त मरीज दाखिल है। जबकि शनिवार को दो पीलिया ग्रस्त लोगों को टांडा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर भी किया गया है। अभी जोगिंद्रनगर में ग्रामीणों क्षेत्रों से पीलिया और डायरिया के मरीज सामने आ रहे हैं।

उधर जल शक्ति विभाग भी पूरी मुस्तैदी से जगह जगह पानी की जांच कर रहा है। विभाग द्वारा शहर में ढाबों आदि की पानी की टंकियों की जांच भी की जा रही है। जबकि पेयजल टैंकों की भी नियमित क्लोरिनेशन की जा रही है। उपमंडल में फैले पीलिया को लेकर जब बहुत अधिक रोगी आने लगे तो जिला प्रशासन भी

जोगिंद्रनगर सिविल अस्पताल में वार्डों में पीलिया मरीज।

अस्पताल में बेड की कमी से जूझ रहे हैं मरीज

सिविल अस्पताल जोगिंद्रनगर में पीलिया मरीजों संख्या बढ़ने से एक बेड में दो-दो मरीजों को उपचार दिया जा रहा है।अनंत ज्ञान से खास बातचीत में सिविल अस्पताल जोगिंद्रनगर के एसएमओ डॉ. रोशन लाल कोंडल ने बताया कि बेड की कमी होने से मरीजों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। विधायक प्रकाश राणा ने अस्पताल का दौरा किया और हमने उन से भी बेड की मांग रखी और शाम को विधायक प्रकाश राणा ने 10 बेड जोगिंद्र नगर अस्पताल में दिए और प्रदेश कांग्रेस सचिव जीवन ठाकुर ने भी अपनी और से 30 बेड दिए।

100 टेस्ट में 15 लोगों में पाए जा रहे पीलिया से ग्रसित मरिज

जागा और मुख्य चिकित्सा अधिकारी मंडी द्वारा एक टीम भी यहां भेजी गई, लेकिन सिविल अस्पताल जोगिंद्रनगर में विशेषज्ञ चिकित्सक की कमी के चलते रोगियों का उपचार करने में दिक्कतें भी सामने आई। है कि सिविल अस्पताल जोगिंद्रनगर में मौजूदा में कोई मेडिसिन विशेषज्ञ नहीं है। (अनंत ज्ञान)

सिविल अस्पताल को मंडी से भेजा कबाड़

जोगिंद्रनगर के सिविल अस्पताल में पीलिया संक्रमितों के लिए अब जंग खाए लोहे के कबाड़ हो चुके बेड पहुंचे है। विभाग की ओर से भेजी गई कबाड़ सामग्री से तीमारदार भड़क गए हैं।

अस्पताल में बेडों की हालत।

पीलिया मरीजों को निशुल्क दवाइयां की वितरित

शनिवार को प्रदेश कांग्रेस सचिव जीवन ठाकुर ने पीलिया मरीजों का हाल जाना और सिविल अस्पताल में दाखिल मरीजों को नारियल पानी वितरित किया।और इसके साथ 80,000 की निशुल्क पीलिया की दवाइयां भी वितरित की।

जीवन ठाकुर पीलिया के मरीजों को दवाइयां वितरित करते हुए।

बारिश के लिए देवी-देवताओं की शरण में पहुंचे लोग

पीयूष शर्मा, करसोग

बारिश के लिए अब किसान आराध्य देवी-देवताओं की शरण में पहुंचने लगे हैं। देवी-देवताओं से बारिश की गुहार लगाई जा रही है। यहां मक्की की फसल में बारिश न होने का प्रभाव नजर आने लगा है। अन्य नगदी फसल भी मुरझाने लगी है। करसोग घाटी के किसान रमेश चंद्र शर्मा और पूर्ण चंद आदि ने कहा कि लोग अब बारिश के लिए आराध्य देवी-देवताओं के पास जाकर फरियाद कर रहे हैं।

श्री कामाक्षा माता के कारदार रमेश चंद्र शर्मा ने कहा कि यहां करसोग के देवताओं के पास लोग बारिश के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। फोटो

बारिश के लिए गुहार लगाते जनमानस।

करसोग में कार के नाले में गिरने से एक युवक की मौत

अनंत ज्ञान, करसोग

मंडी जिला के तहत करसोग के कोटलू क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में एक 36 साल के युवक की मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कोटलू सड़क पर चलोगे नाला (मनशाणा) में एक कार अनियंत्रित होकर गहरे नाले में गिर गई, जिसके चलते कार एक युवक की मौत हो गई। हादसे में युवक की पहचान लीलाधर पुत्र राम सरन गांव सेरी बंगलो तहसील करसोग उम्र 36 वर्ष के रूप में की गई है। डीएसपी करसोग दत्तात्रेय वर्मा ने बताया कि यह हादसा शनिवार देर रात को हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल हॉस्पिटल करसोग ले गए हैं।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन, जांच करती पुलिस।

जिला स्तरीय तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन के चुनाव स्थगित

अनंत ज्ञान, मंडी

जिला मंडी के लिए होने जा रहे जिला स्तरीय तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन चुनाव, मौसम के कारण कोरम पूरा न हो पाने की वजह से स्थगित किए गए।

इस दौरान अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ एनजीओ के जिला मंडी अध्यक्ष लेख राज, जनरल सेक्रेटरी विक्रांत शर्मा, सदर ब्लाक अध्यक्ष चंद्र सिंह तथा राज्य सलाहकार एनपीएस कन्हैया लाल सैनी, विशेष तौर पर उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष लेखराज की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बगस्याड़ से घनश्याम, पपलोग से कपिल शर्मा व जीत सिंह, मंडी से रविन्द्र नायक, चच्योट से रोशन लाल, सुंदरनगर से चुन्नी लाल व निहरी से कुशल आदि ने भाग लिया। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि चुनाव 10 अगस्त को गलमा स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में मौसम को ध्यान में रखते हुए आयोजित किए जाएंगे। लेखराज ने ये निर्णय लिया कि जिला स्थित बड़े राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों मंडी, सुंदरनगर, पपलोग, चच्योट, जोगिंद्रनगर व बगस्याड़ से पांच-पांच डेलीगेट्स और समस्त संस्थानों से दो-दो डेलीगेट्स एसोसिएशन हेतु मतदान कर सकेंगे।

अच्छी गाड़ियों को सस्ती दरों पर एक्सचेंज में ले रही कार कंपनियां : रोशन

अनंत ज्ञान, धनोटू

बाजार में अफवाहें तेजी से फैल रही है कि सरकार 15 वर्ष पूर्ण कर चुकी रजिस्टर्ड गाड़ियों की रजिस्ट्रेशन को रिन्यू नहीं करेगी और उन्हें स्क्रैप में बदलने का आदेश जारी करेगी।

यह बात पूर्व एनजीओ लीडर रोशन लाल ने कही। हालांकि जब इसके बारे एसडीएम कार्यालय सुंदरनगर में बात की तो उन्होंने बताया कि अभी तक ऐसा कोई सर्कुलर सरकार की तरफ से प्राप्त नहीं हुआ है। इससे जाहिर है कि इस अफवाह के पीछे कार कंपनियां जिन्होंने पुरानी कार को नई कार में बदलने का प्रावधान रखा है वे पुरानी गाड़ियों को बहुत ही कम दरों में ले रहे हैं और इसके लिए सरकार द्वारा 15 सालों की गाड़ियों को स्क्रैप में बदलने का हवाला दिया जा रहा है।

वहीं जब कार कंपनियों के कार्यालय का दौरा किया और व्यक्तिगत तौर पर संपर्क किया और पाया कि कंपनी अपने हिसाब से पुरानी कारों के दर अपने स्तर पर आकलन कर रही है, जो कि निहायत कम है। स्थानीय जनता द्वारा सरकार से आग्रह किया है कि कार की स्थिति का आकलन कराकर उसे आगामी अवधि के लिए जो उचित लगे चलाने की मंजूरी जारी की जाए। केवल उन्हीं गाड़ियों को स्क्रैप में बदलने के आदेश दिए जाएं जिनकी हालत सड़क पर चलाने योग्य नहीं है।

बैडमिंटन में लडभड़ोल के दो होनहारों ने जीता फाइनल

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

हमीरपुर में आयोजित स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप में अंडर-15 लड़कों की श्रेणी में लडभड़ोल क्षेत्र के दो बच्चों ने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अंडर- 15 डबल कैटेगरी में फाइनल मुकाबला कांगड़ा और मंडी के बीच हुआ जिसमें लडभड़ोल के बच्चों ने जिला कांगड़ा से मुकाबला करते हुए अंडर -15 श्रेणी में फाइनल मैच में विजेता रहे। फाइनल मैच में अर्णव सोनी और अटल मेहता की जोड़ी ने मंडी के कार्तिक और ज्ञान को 21- 19 और 21-17 से फाइनल मैच अपने नाम किया। अटल मेहता माउंट कार्मल स्कूल बैजनाथ में अपनी पढ़ाई कर रहा है और अर्णव सोनी हिम फ्लावर पब्लिक स्कूल लडभड़ोल का विद्यार्थी है।

युवाओं को सम्मानित करते हुए गणमान्य।

पुरानी मंडी में बंदरों और कुत्तों का बढ़ा आतंक

अनिल शर्मा, मंडी

पुरानी मंडी में बंदरों और कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। एनएच सड़क किनारे शमशानघाट से लेकर भ्यूली तक गाड़ियां खड़ी होने, एटीएम के पास दुकानों का सामान सड़कों पर होने की वजह से राहगीरों की जिंदगी खतरे में है। यह बात शीतला माता मंदिर प्रांगण में वार्ड नंबर 2 पुरानी मंडी की वार्ड सभा में उपस्थित लोगों ने कही।

बता दें कि पुरानी मंडी की वार्ड सभा का आयोजन वार्ड पार्षद व निगम के महापौर वीरेंद्र भट्ट शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। सर्वप्रथम बैठक में उपस्थित आम जनमानस को प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी देते हुए डॉ. वसीम अख्तर ने कहा कि इस योजना में कुल 1,85,000 रुपए का अनुदान 4 किस्तों में किया जाता है। इस मौके पर सामाजिक सुरक्षा की जानकारी भी दी गई।

आम सभा में भाग लेते हुए पुरानी मंडी के निवासी।

आपातकालीन सूचना के लिए बनाया व्हाट्सऐप ग्रुप

पिछली बरसात व व्यास नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण पुरानी मंडी इंदिरा आवास कॉलोनी में बहुत अधिक नुकसान हुआ था। इस बार आपदा से निपटने के लिए एक समिति का गठन किया गया, ताकि आपसी तालमेल से अधिक नुकसान न हो इससे बचा जा सके। वार्ड के अलग-अलग स्थानों शीतला सेवक कार्यालय समाजसेवी जितेंद्र शर्मा के घर इन स्थानों पर स्ट्रेचर, व्हीलचेयर, बैसाखी इत्यादि सामान उपलब्ध रहेगा, व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया।

महंगाई ने परिवारों की बचत सबसे निम्न स्तर पर पहुंचाई : सोहन लाल

अनंत ज्ञान, मंडी

बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व सीपीएस सोहन लाल ठाकुर ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आज युवाओं का भविष्य अधर में है। बेरोजगारी दर 9.2 प्रतिशत पर है।

नौकरियों के लिए भगदड़ मच रही है। कमरतोड़ महंगाई ने देश के परिवारों की बचत 50 वर्षों में सबसे निम्न स्तर पर कर दी है। खाद्य महंगाई 9.4 प्रतिशत पर है, अनाज की महंगाई 8.75 प्रतिशत, दलहन की महंगाई 16.07 प्रतिशत और सब्जी की महंगाई 29.32 प्रतिशत पर है। आम आदमी का जीना मुहाल हो गया है। मोदी ने तीसरी बार सरकार बना ली है, अब तो राष्ट्र के लिए सच में कुछ करके दिखाओ। तीन बार पहले भी भाजपा शासन कर चुकी है। आज देश देख रहा है कि कथनी और करनी कितनी बड़ा अंतर आ गया है। वह दिन दूर नहीं जब देश की जनता सड़कों पर उतर कर मोदी सरकार से बेरोजगारी को लेकर सवाल करेगी।

वल्लभ कॉलेज के छात्रों को हो हॉस्टल सुविधा : आकाश

अनंत ज्ञान, मंडी। वल्लभ कॉलेज में विद्यार्थियों को बेहतर और सस्ती रिहायश न मिलने पर कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता आकाश शर्मा ने प्रदेश सरकार से जल्द हॉस्टल सुविधा की मांग की है। आकाश शर्मा ने कहा कि कॉलेज में 7 हजार से अधिक छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, ऐसे में कॉलेज में केवल मात्र 180 छात्रों को हॉस्टल सुविधा मिल पाई है और उसमें से भी 90 छात्रों के लिए उधारी का हॉस्टल लिया गया है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि हॉस्टल सुविधा मिलनी चाहिए।

गजनोहा गांव में शिव पुराण कथा का किया आयोजन

आदर्श यादव, नेरचौक

गजनोहा गांव में इन दिनों शिव पुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें शिव की महिमा का गुणगान किया जा रहा है। कथावाचक पंडित मांडव्य रामानंद (धर्मपुर वाले) ने शिव की महिमा का गुणगान करते हुए पिता व बेटी के रिश्ते पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शास्त्र इस बात के गवाह है कि पिता व बेटी का रिश्ता युगों युगों से सबसे पवित्र रिश्ता माना गया है।

उन्होंने कहा कि शास्त्र में इस बात का वर्णन है कि महाराजा जनक व उनकी पुत्री माता सीता के रिश्ते में जो अपनापन था जो गहराई थी उसकी वजह से बड़े-बड़े महर्षि भी महाराजा जनक को अपना गुरु मानते थे।

शिव भक्त शिव महिमा का गुणगान करते लोग।

हिमकेयर सुविधा बंद करने से होगी असुविधा : भूपेंद्र

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। हिमकेयर सुविधा को प्राइवेट अस्पतालों में बंद करने का निर्णय अचानक ले लिया जिससे कुछ गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों जो निजि अस्पतालों में इलाज करवा रहे थे उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र सिंह ने इसकी आलोचना की है और इस फैसले में बदलाव करने की मांग की है। वहीं डायलेसिस के साथ हृदय रोग का इलाज जो वर्तमान में सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध नहीं है उसके इलाज को भी व्यवस्था होने तक नीजि अस्पतालों में मान्य किया जाए।

आउटसोर्स आधार पर नर्सरी टीचर लगाने का होगा विरोध : वीना

अनंत ज्ञान, मंडी

सीटू से संबंधित आंगनबाड़ी वर्कर्ज एंड हेल्पर्ज यूनियन मंडी जिला का सम्मेलन आज कामरेड तारा चंद भवन मंडी में आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता हमिन्द्री शर्मा, बिमला शर्मा, गोदावरी वालिया, क्षमा वर्मा ने की। सम्मेलन का उद्घाटन यूनियन की राज्य महासचिव वीना शर्मा ने किया। सीटू जिला प्रधान भूपेंद्र सिंह और महासचिव राजेश शर्मा भी सम्मेलन में शामिल हुए।

वीना शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को नर्सरी टीचर लगाने के नाम पर ठगा और अब कांग्रेस सरकार ने तो दो

नई जिला कमेटी में हमिन्द्री को मुख्य सलाहकार

साल एनटीटी के डिप्लोमा किए हुए वर्करों को ही रखा जाएगा, जिसका यूनियन विरोध करती है और आने वाले समय में इसके खिलाफ आंदोलन छेड़ेगी। मांगों के बारे में यूनियन 5 अगस्त को शिमला में निदेशक को मांगपत्र सौंपा जाएगा।

35 सदस्यीय जिला कमेटी चुनी गई, जिसमें से 7 स्थान खाली रखे गए। 11 सदस्यों का सचिवालय चुना गया, जिसमें हमिन्द्री शर्मा को मुख्य सलाहकार, बिमला शर्मा सुंदरनगर को प्रधान, गोदावरी वालिया गोहर को वरिष्ठ उपप्रधान, तम्मना चौंतड़ा, नागो देवी दरंग को उपप्रधान तथा सदर की सुदर्शना को सचिव गोपालपुर की क्षमा वर्मा, चौंतड़ा की अर्चना, दरंग की सुनीता देवी और गोहर की सरोजलता को सहसचिव तथा सुंदरनगर की अंजुला को कोषाध्यक्ष चुना गया।

सदर से कंचन, सरला और पम्मी सुंदरनगर से कांता, आशा और लता गोहर से आशा, शकुंतला और देवेंद्रा दरंग से कमलेश, रीना और सुनीता गोपालपुर से सोनिका और दीपा रिवालसर से यशोदा और कौरा देवी को कमेटी सदस्य चुना गया। धर्मपुर,सराज और करसोग प्रोजेक्टों से दो-दो और द्रंग से एक सदस्य बाद में कमेटी सदस्य चुना गया।

सुविधा

एचआरटीसी में कंडक्टर भर्ती से ग्रामीण क्षेत्रों के लोग होंगे लाभान्वित, बंद पड़े रूट्स होंगे बहाल

करसोग-चामुंडा बस सेवा सहित एक दर्जन रूटों पर फिर चलेगी बसें

पीयूष शर्मा, करसोग

राज्य सरकार द्वारा जनहित में चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और युवाओं को रोजगार से जोड़ने के संबंध में लिए जा रहे निर्णयों से युवा वर्ग को रोजगार मिलने के साथ-साथ आमजन को भी सुविधा मिलने लगी है।

हिमाचल पथ परिवहन निगम में हाल ही में हुई परिचालकों (कंडक्टरों) के पदों पर भर्तियों से, जहां सैकड़ों युवाओं को रोजगार मिला है, वहीं इन भर्तियों से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले हजारों लोगों का हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों के माध्यम से आवागमन भी आसान हुआ है। (अनंत ज्ञान)

करसोग डिपो को मिलेंगे 16 नए परिचालक

हिमाचल पथ परिवहन निगम में हुई नई बस कंडक्टर भर्ती से करसोग क्षेत्र भी लाभान्वित हुआ है। इस भर्ती में निगम के करसोग डिपो को भी 16 नए परिचालक मिले है। इनके आने से करसोग बस डिपो में लंबे समय से बंद चल रहे अनेक बस रूट फिर से बहाल हो गए है। करसोग विधानसभा क्षेत्र के अतिरिक्त, साथ लगते सुंदरनगर, सराज विस क्षेत्र के लोगों को भी इस भर्ती से लाभ पंहुचा है।

इन विस क्षेत्रों के लिए करसोग से चलने वाली विभिन्न बस सेवाओं ही बहाली होने से ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों का आवागमन आसान हुआ है।

16 कंडक्टरों को 29 जुलाई, 2024 को क्षेत्रीय कार्यालय करसोग में डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया गया है। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद परिचालकों को नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे व उनकी ज्वाइनिंग ली जाएगी। परिचालकों को 15 दिन का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

-हुमेश कुमार, आरएम, एचआरटीसी करसोग।

सुंदरनगर व सराज क्षेत्र के रूट भी होंगे बहाल

एचआरटीसी में हाल ही में कंडक्टरों के लगभग 400 पदों पर हुई नई भर्ती में से करसोग बस डिपो को 16 कंडक्टर मिले हैं। इनमें 15 पुरुष और एक महिला कंडक्टर शामिल है। इनके आने से वर्तमान में परिचालकों की कमी के कारण करसोग क्षेत्र व इसके साथ लगते सुंदरनगर क्षेत्र व सराज क्षेत्र के बंद चल रहे बस रुटों पर फिर से एचआरटीसी की बसें दौड़ने से ग्रामीण क्षेत्रों के लोग लाभान्वित होंगे। कंडक्टर्स के लिए निर्धारित आवश्यक 15 दिन का प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत बंद चल रहे सभी रूटों को क्रमवार शुरू करने की एचआरटीसी की योजना है। जिससे की तीन विधानसभा क्षेत्र के लोगों को बस सुविधा प्राप्त होगी।

इन रूटों पर फिर शुरू होगी बस सेवा

करसोग चामुंडा जी बस सेवा, करसोग मंडी बस सेवा फिर बहाल होने से लोगों को इन स्थानों के लिए आवगमन की सुविधा प्राप्त होगी। करसोग जरल बस सेवा, पांगना फेगल लोकल बस सेवा, करसोग जंजैहली बस सेवा, छतरी मुद्रिका बस सेवा, करसोग से गाड़गुशैणी बस सेवा सहित अन्य स्थानों के लिए फिर से बस सेवा शुरू करने की तैयारी है। कंडक्टरों की नियुक्ति के उपरांत सभी रूटों पर बस सेवाओं के बहाल होने से जरल, पंडार, जाच्छ, सोरता, पांगणा, सरही, फेगल, छतरी, मिहाच, गाड़गुशैणी, मगरू, जंजैहली में सुविधा शुरू होगी।

हिमकेयर योजना से निजी अस्पताल सुविधा को बाहर करना दुर्भाग्यपूर्ण : अत्री

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। प्रदेश भाजपा सचिव नरेंद्र अत्री ने कहा कि व्यवस्था परिवर्तन का नारा देकर सत्ता में आई कांग्रेस एक के बाद एक जन

विरोधी निर्णय ले रही है। पिछली भाजपा सरकार द्वारा जनहित में चलाई गई योजनाओं को बंद करके कांग्रेस सरकार अपने मानसिक दिवालियेपन का परिचय दे रही है।

अत्री ने कहा कि हिमकेयर जैसी योजना को बंद करना कांग्रेस सरकार का बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय है। प्रदेश में गंभीर बीमारियों से ग्रसित लोग डायलिसिस जैसे महंगे उपचार के लिए निजी अस्पतालों पर निर्भर थे।

किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में चमका सुंदरनगर का नाम

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप -2024 में सुंदरनगर के दो खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाते हुए प्रदेश का नाम रौशन किया है। गोआ में आयोजित चेंपियनशिप में ईगल स्कूल ऑफ मार्शल आर्ट्स सुंदरनगर संस्था के सचिव एवं अकादमी के वरिष्ठ कोच कृष्ण लाल भूपी को रजत और विक्रांत जग्गा को कांस्य पदक प्राप्त हुआ है।

बता दें कि गोवा में आयोजित राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में हिमाचल प्रदेश से लगभग 40 खिलाड़ियों ने भाग लेकर 19 पदक प्रदेश के लिए हासिल किए हैं। सुंदरनगर के कृष्ण लाल भूपी बीते कई वर्षों से कराटे का प्रशिक्षण क्षेत्र में युवाओं को दे रहे हैं। वहीं कांस्य पदक विजेता विक्रांत जग्गा बतौर तहसील कल्याण अधिकारी बल्ह के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कृष्ण लाल भूपी ने माइनस 84 किलोग्राम और विक्रांत जग्गा ने माइनस 94 किलोग्राम वर्ग में सफलता प्राप्त की है। कृष्ण लाल भूपी और विक्रांत जग्गा ने कहा कि वर्तमान में युवाओं में बढ़ रही नशे की लत को खेलों के माध्यम से रोका जा सकता है।

कृष्ण लाल भूपी, विक्रांत जग्गा।

कुंजड़ी-मल्हार के गीतों की धुनों से सराबोर चंबा

ओपी शर्मा, चंबा

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज चंबा के ऐतिहासिक मिंजर मेले में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने मधुर कुंजड़ी-मल्हार गीतों की धुनों के बीच मिंजर ध्वज फहराकर मेले का औपचारिक शुभारंभ किया। इस मौके पर लेडी गवर्नर जानकी शुक्ला, विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया और अन्य गणमान्य भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने कहा कि अपनी समृद्ध परंपराओं के लिए प्रसिद्ध मिंजर मेला हिमाचल प्रदेश की अनूठी संस्कृति को प्रदर्शित करता है और भाईचारे और बंधुत्व की भावना को को बढ़ावा देता है।

राज्यपाल ने मिंजर उत्सव को प्राचीन लोक परंपराओं, विश्वासों और आस्थाओं के साथ गहरे संबंधों का प्रतीक बताया। उन्होंने प्रदेश में बढ़ रही नशे की लत को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने इस बुराई के खिलाफ सामूहिक जागरूकता पर बल देते हुए कहा कि सभी को बुराई का एकजुट होकर सामना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी सामाजिक संरचना नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे असामाजिक तत्वों का मुकाबला करने के लिए संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण बेहद महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर पूर्व सैनिकों को उनकी अनुकरणीय सेवाओं तथा वीर-नारियों को भी सम्मानित किया। मेला कमेटी के अध्यक्ष एवं जिला चंबा के उपायुक्त मुकेश रेप्सवाल ने आयोजन समिति की ओर से राज्यपाल का स्वागत किया। उन्होंने मिंजर मेले के दौरान आयोजित की जाने वाली गतिविधियों और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में भी विस्तार से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि मेले की पहली सांस्कृतिक संध्या देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों के नाम समर्पित की गई है।

पुलिस अधीक्षक और मिंजर मेला खेल कमेटी के अध्यक्ष अभिषेक यादव ने भी कमेटी की ओर से राज्यपाल को सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल और लेडी गवर्नर को मिंजर भेंट की गई। मेला कमेटी की ओर से उपायुक्त ने विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया और विधायक नीरज नैय्यर तथा डीएस ठाकुर को भी समानित किया। इससे पहले राज्यपाल ने प्राचीन लक्ष्मी नारायण मंदिर में मिंजर अर्पित कर माथा टेका और आशीर्वाद प्राप्त किया। राज्यपाल ने विभिन्न विभागों, बोर्डों और निगमों द्वारा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया।

राज्यपाल ने मिंजर मेला खेल प्रतियोगिता के शुभारम्भ की औपचारिक घोषणा की। उन्होंने लड़कियों की टीमों के बीच खेला गया कबड्डी मैच भी देखा। उन्होंने जिला रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से जरूरतमंदों को स्वास्थ्य उपकरण वितरित किए तथा रक्तदाताओं को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्ति और भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

राज्यपाल मिंजर ध्वज फहराकर मेले का औपचारिक शुभारंभ करते हुए।

राज्यपाल को चंबा रूमाल से सम्मानित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया व अन्य।

दूसरी सांस्कृतिक संध्या में अफसाना खान करेगी दर्शकों का मनोरंजन

अनंत ज्ञान, चंबा

अंतरराष्ट्रीय मिंजर मेले की दूसरी सांस्कृतिक संध्या में पंजाबी मशहूर गायिका अफसाना खान अपने स्वरों के जादू से दर्शकों को नचाएगी। मशहूर गायिक अफसाना खान को लेकर यहां लोगों में काफी उत्सुकता है।

मिंजर मेले की दूसरी सांस्कृतिक संध्या में मशहूर पंजाबी गायिका अफसाना खान अपनी गायकी का जादू चंबा के चौगान में बिखेरेगी। गौरतलब है मूल रूप से पंजाब की रहने वाली अफसाना खान पंजाबी गायिकी में काफी नाम कमा चुकी है।

2012 में अफसाना खान ने अपने सिंगिंग करियर की शुरुआत वॉइस ऑफ पंजाब 3 से की थी। जबकि अफसाना खान को असली पहचान तितलियां वी सिंधु मूसे वाले के साथ डाका गाने में मिली है। अफसाना खान बिग बॉस 15 में भी भाग ले चुकी है।

मिंजर मेले में पहले दी जाती थी भैंसे की बलि

अनंत ज्ञान, चंबा

1943 तक भैंसे की बलि दी जाती थी। इसके अनुसार जीवित भैंसे को उफनती रावी नदी में उतार दिया जाता था। अगर तैर कर नदी पार कर जाए तो इसे जिले के लिए शुभ संकेत माना जाता था।

यदि भैंसा तेज बहाव में डूब जाए तो इसे अशुभ संकेत माना जाता था। बाद में पशु बलि देने पर रोक लगा दी गई। अब भैंसे की जगह सांकेतिक रूप से नारियल को रावी में प्रवाहित किया जाता है। विभाजन के बाद पाकिस्तान गए लोग भी रावी नदी के किनारे मिंजर प्रवाहित करते हैं और कुंजड़ी-मल्हार गाते हैं। 1948 से रघुवीर जी रथयात्रा की अगुवाई करते हैं।

मिंजर मेले का जिला चंबा के लिए खास महत्व है। लोग इस महोत्सव का बड़े बेसब्री से इंतजार करते हैं।

मेले के दौरान लगे एक स्टाल में राज्यपाल व अन्य अधिकारी सामान को देखते हुए।

मिंजर मेले में उद्घाटन समारोह में चंबा की पारंपरिक वेशभूषा में खड़े कलाकार।

मेले के दौरान एक स्कूल की छात्राएं

राज्यपाल एक वीर नारी को सम्मानित करते हुए।

अंतरराष्ट्रीय मिंजर मेले के दौरान राज्यपाल मिंजर भेंट करते हुए।

मेले में आयोजित कबड्डी मुकाबले में खेलते हुए खिलाड़ी।

खिलाड़ियों के साथ राज्यपाल व अन्य अधिकारी।

अधिकारियों के साथ राज्यपाल व कुलदीप पठानिया तथा साथ हैं अन्य।

बच्चों से मुलाकात करते हुए राज्यपाल।

मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद राज्यपाल व साथ हैं अन्य।

असुविधा

मणिमहेश यात्रा जोरों पर विभाग नहीं सुधार पाया नेशनल हाईवे की हालत

कच्ची सड़क और गड्ढों में वाहन चलाना भी हुआ मुश्किल

अनंत ज्ञान, भरमौर

चंबा में मिंजर मेला शुरू होने व उत्तर भारत की सुप्रसिद्ध मणिमहेश यात्रा तैयारियां जोरों पर हैं लेकिन नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया अभी तक इस सड़क की दशा नहीं सुधर पाया है।

बग्गा से लेकर भरमौर तक जगह-जगह पर रेत बजरी व पत्थर के बड़े-बड़े ढेर विभाग द्वारा लगाए गए हैं जो हर वक्त हादसों को न्योता दे रहे हैं। विभाग की लापरवाही के कारण अब तक दर्जनों दोपहिया वाहन इस सड़क में दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं।

खस्ताहालत रोड का दृश्य।

हालांकि निचले क्षेत्रों में गर्मी होने के चलते पहाड़ी क्षेत्र की ओर देश-विदेश से प्रर्यटकों की आवाजाही शुरू हो गई है लेकिन यहां पर एनएच विभाग की सुस्त कार्यप्रणाली पर सभी पर्यटक व लोग कई सवालियां निशान उठा रहे हैं।

चंबा में मिंजर मेला में आने वाले लोग भी भरमौर की तरफ रूख शुरू करने लगे हैं लेकिन सड़क की दुर्दशा आने जाने वाले प्रर्यटकों को खूब चिढ़ा रही है।

हालांकि यहां पर जनजातिय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी ने मणिमहेश तैयारी को लेकर विभाग को तुरंत से तुरंत सड़क की दशा ठीक करने के निर्देश दिए थे। हालांकि सड़क की दशा को लेकर शिमला में भी मीटिंग हो चुकी है। मणिमहेश की तैयारी को लेकर भरमौर में हुई मीटिंग में भी एनएच विभाग को प्रशासन ने जल्द से जल्द रोड की दशा सुधारने के निर्देश दिए थे।

बावजूद इसके अभी तक विभाग इस सड़क की मुरम्मत नहीं कर पाया है। जगह-जगह कच्ची सड़क वह उड़ती धूल आम वाहन चालकों के लिए आफत बन गई है। तो वहीं पर जगह-जगह फेंकी की रेत बजरी व पत्थर यहां पर दुर्घटना का कारण बनते जा रहे हैं। गौरतलब है मणिमहेश यात्रा के दौरान यहां पर लाखों श्रद्धालु भरमौर जाते हैं । लेकिन हर वर्ष सड़क की दशा न सुधारने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता।

हिलटॉप स्कूल डलहौजी में करवाया 'प्रतिष्ठित अलंकार' समारोह

मुकेश कुमार, डलहौजी

हिलटॉप स्कूल डलहौजी में 'प्रतिष्ठित अलंकार समारोह' का आयोजन किया गया। बता दें हिलटॉप स्कूल हर वर्ष हिलटॉप छात्र परिषद बनने की गौरवशाली परंपरा को निभाते आ रहा है इसी कड़ी को आगे बढ़ते हुए। स्कूल के चेयरमैन सुधीर कुमार धवन अपने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की समझ में विद्यालय की अध्यक्षा पूनम राय धवन तथा प्रधानाचार्य विनोद शर्मा की विशेषतौर पर इस आयोजन में उपस्थित रहे।

समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि स्कूल की अध्यक्षा प्रधानाचार्य द्वारा दीप प्रचलन के साथ की गई इसके बाद कक्षा परफेक्ट के चयन की प्रक्रिया को विधिवत संपन्न किया गया। पहली कक्षा के रुद्रांश दूसरी कक्षा से युविका तीसरी कक्षा से आध्या, ए चौथी कक्षा से अनेका, पांचवी कक्षा से नासिर, छठी से विज्ञान की एहतिशाम, कक्षा सातवीं से सृष्टि, आठवीं से अर्शदीप तथा कक्षा नौवीं से अक्षिता कक्षा दसवीं से अर्चित कक्षा 11वीं से अक्षत तथा कक्षा 12वीं से आदर्श का कक्षा परफेक्ट के लिए चयन किया गया। पृष्ठ दो कैप्टन विधु कनिष्ठ डम कैप्टन विषम गर्ल्स डॉग कैप्टन खुशी सीनियर स्पोर्ट्स कैप्टन विक्रांत जूनियर स्पोर्ट्स कप्तान मोहम्मद अली शेक्सपियर सदन कैप्टन माही किड्स हाउस कैप्टन अक्षत दिवस हाउस कैप्टन जपनीत वर्ड्सवर्थ कैप्टन अर्चित बड़ा यूनिट किया गया। छात्र अध्यक्ष बनने का सम्मान छात्र इरविन ने हासिल किया। मुख्य अतिथि एवं अध्यक्षा महोदया स्कूल के छात्र परिषद के प्रतिनिधियों को बैच करना कर सम्मानित किया।अध्यक्ष श्रीमती पूनम धवन ने भी अपने संबोधन में नवनिर्वाचित छात्र परिषद के प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दी । (अनंत ज्ञान)

कार्यक्रम के दौरान मौजूद विद्यार्थी।

न्यूज ब्रीफ

सैंज में 273 ग्राम अफीम के साथ एक गिरफ्तार

सैंज। जिला कुल्लू की सैंज घाटी में एक व्यक्ति 273 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार हुआ है। पुलिस जानकारी के अनुसार गत दिन जब पुलिस थाना सैंज की टीम गश्त पर थी, तो उस समय सैंज के भलान में एक व्यक्ति की शक के आधार पर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान व्यक्ति के कब्जे से 273 ग्राम अफीम बरामद हुई। व्यक्ति की पहचान छापे राम (35 वर्ष) पुत्र पैने राम निवासी जौली डाकघर भलान तहसील सैंज के रूप में हुई है। एसपी कुल्लू डॉ. कार्तिकेयन गोकुलचंद्रन ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना सैंज में धारा 18 मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की जांच जारी है।

सेऊगी पंचायत में चलाया स्वच्छता अभियान

सुरेंद्र तिबोगपा, कुल्लू। कुल्लू जिला की सेऊगी पंचायत के अंतर्गत आने वाले गांव झौल में ग्रामीण युवाओं ने सार्वजनिक रास्तों को साफ-सुथरा कर संवारा है। महादेव युवा मंडल के युवाओं ने पंचायत में स्वच्छता अभियान चलाते हुए रविवार को गांव की सभी निकास नालियों की सफाई करते हुए नालियों के रखरखाव पर भी ध्यान दिया। इस अवसर पर महादेव युवा मंडल के युवाओं ने पूरे गांव में स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश प्रसारित किया। इस स्वच्छता अभियान के दौरान युवाओं ने रास्तों में प्राकृतिक रूप से उग रही झाड़ियों को, जो कि लोगों के लिए आवाजाही में परेशानी का सबब बन रहे थे उनको उखाड़ कर साफ किया गया। इसके साथ ही सभी निकास नालियों में जमा काई, मिट्टी, कंकड़ ओर पत्थरों को भी नालियों से निकाल कर साफ किया गया और टूटी-फूटी नालियों को भी दुरुस्त किया गया। इस दौरान महादेव युवा मंडल के प्रधान निरत राम ने स्वच्छता अभियान को लेकर कहा कि इन दिनों फलों का सीजन जोर पकड़ चुका है, ऐसे में ग्रामीणों को उन रास्तों में चलते समय प्राकृतिक रूप से उगी घास के कारण आवाजाही करना परेशानी भरा रहता था, जिस कारण घास पर फिसलकर गिरने की आशंका हमेशा बनी रहती थी। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए युवा मंडल के सदस्यों ने तय किया कि रास्तों में पड़ने वाले और आसपास के घास को हटाया जाए और साथ ही निकास नालियों का रखरखाव भी किया, ताकि किसी भी तरह का गंदा पानी नालियों के बजाए रास्तों पर न बहे। (अनंत ज्ञान)

करपट नाले में बाढ़ से 13 बीघा कृषि भूमि में भरी गाद

35 परिवारों के लोगों ने भाग कर बचाई जान, बरसात के मौसम में खुले आसमान के नीचे टेंट में ली शरण

कमलेश वर्मा, उदयपुर

लाहौल के म्याड़ घाटी में करपट नाले में बाढ़ आने से ग्रामीणों की 13 बीघा के करीब कृषि भूमि में गाद भर गई है और फसलों को नुकसान हुआ है। वहीं, एक स्कूल के स्टोर व शौचालय को भी काफी नुकसान पहुंचा है। रात को अचानक आई बाढ़ का पता लगते ही 35 घरों के परिवारों ने भागकर जान बचाई।

एसडीएम उदयपुर केशव राम ने बताया कि बीते कल शनिवार को शाम 7:30 बजे टिंगरिट पंचायत के करपट गांव में नाले में आई अचानक बाढ़ के कारण ग्रामीणों ने भाग कर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही राहत व बचाव दल को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया। एसडीम केशव राम ने बताया कि सभी ग्रामीणों को सुरक्षित स्थलों पर शिफ्ट कर दिया गया है और जान माल का कोई भी नुकसान नहीं हुआ है और 35 परिवारों के लिए रहने, खाने और ठहरने की व्यवस्था की गई है।

लाहौल में म्याड़ घाटी में करपट नाले में बाढ़ आने से ग्रामीणों की 13 बीघा के करीब कृषि भूमि में भरी गाद (दाएं) स्थानीय विधायक अनुराधा राणा नुकसान का जायजा लेते हुए।

घटना की सूचना मिलते ही रविवार सुबह स्थानीय विधायक अनुराधा राणा भी करपट गांव में पहुंची और उन्होंने दौरा कर नुकसान का जायजा लिया। विधायक अनुराधा राणा ने बताया कि लोगों के खेत व फसल के नुकसान के अलावा कुछ सरकारी भवन क्षतिग्रस्त हुए हैं और फसल व खेतों के नुकसान के एवज में उचित मुआवजा राशि जल्द प्रदान करवाई जाएगी साथ ही खेतों की सिंचाई व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाए रखने के लिए भी जल शक्ति व ब्लॉक विभाग को उचित दिशा-निर्देश दिए गए हैं। हालांकि प्रशासन की टीम पिछली रात से मौके पर मौजूद है और फौरी राहत के तौर पर रिलीफ शेल्टर, राशन सामग्री, पानी की उपलब्धता आदि की व्यवस्था कर ली गई है और अन्य मांगों को भी पूरा करने के लिए निर्देश दे दिए गए हैं। बहुत जल्द बाढ़ के उद्गम स्थान व कारणों का सर्वे करवाने की कोशिश रहेगी, ताकि भविष्य को देखते हुए उचित तैयारी व आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

एसडीएम उदयपुर केशव राम ने बताया कि लगभग अढ़ाई करोड़ के करीब संपत्ति का नुकसान आंका गया है, नाले में आई बाढ़ के कारण चार सिंचाई कुहलें क्षतिग्रस्त हुई और पशु औषधालय भवन को भी नुकसान हुआ है। इसके अतिरिक्त दो सार्वजनिक शौचालय और प्राथमिक विद्यालय के भवन को भी बाढ़ से नुकसान हुआ है। अन्य सरकारी संपत्ति के नुकसान का भी जायजा लिया जा रहा है। (अनंत ज्ञान)

मेमोरियल मैदान में जॉब फेयर का होगा आयोजन

केलांग। हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम की ओर से लाहौल-स्पीति के उदयपुर उपमंडल में जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा है। जॉब फेयर का आयोजन एक अगस्त को उदयपुर उपमंडल में स्थित लता ठाकुर मेमोरियल में होने जा रहा है। इस जॉब फेयर में जिन युवाओं ने आईटीआई पास की है, वह भाग ले सकेंगे। जॉब फेयर में भाग लेने वाले सभी आवेदकों को एक अगस्त को सुबह के 11 बजे तक लता ठाकुर मेमोरियल मैदान में पहुंचना अनिवार्य है।

प्रतिभा पहचान प्रोग्राम के आयोजित फिटनेस टेस्ट में 29 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

लाहौल-स्पीति साइलिकिंग एसोसिएशन के आयोजित फिटनेस टेस्ट में भाग लेते प्रतिभागी।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

जिला मुख्यालय केलांग में लाहौल-स्पीति साइलिकिंग एसोसिएशन ने प्रतिभा पहचान प्रोग्राम के तहत 12 से 14 आयु वर्ग के बच्चों के लिए फिटनेस टेस्ट का आयोजन किया।

रविवार को आयोजित फिटनेस टेस्ट में करीब 29 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर वर्टिकल जंप, स्टैंडिंग बोर्ड जंप ओर रेस करवाई गई, जहां पर सभी प्रतिभागियों ने उत्साह दिखाते हुए अपनी भागीदारी दी। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जम कर पसीना बहाया। लाहौल-स्पीति साइलिकिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल ने बताया कि बच्चों में छुपी हुई प्रतिभा को निखारने के लिए यह एक अच्छा मंच है और आने वाले समय में भी जिले में इस तरह के प्रोग्राम आयोजित कर नई प्रतिभाओं को उभरने का मौका दिया जाएगा

श्रीखंड यात्रा को अंतिम जत्था रवाना

अब यात्रा का पंजीकरण बंद, इस वर्ष यात्रा पर कुल 9159 यात्री रवाना हुए

जितेंद्र गुप्ता, आनी

देश की सबसे कठिन धार्मिक यात्राओं में शुमार श्रीखंड महादेव कैलाश यात्रा पर रविवार को अंतिम जत्था बेसकैंप सिंहगाड़ से रवाना हो गया।

इसके बाद इस वर्ष यात्रा पर जाने पर रोक लग गई और बेसकैंप सिंहगाड़, थाचरु और कुंशा में यात्रियों का ऑफलाइन और ऑनलाइन पंजीकरण बंद कर दिया गया है। श्रीखंड महादेव यात्रा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एवं एसडीएम निरमंड मनमोहन शर्मा ने बताया कि इस वर्ष यात्रा पर कुल 9159 यात्री रवाना हुए, जिनमें 8796 पुरुष और 363 महिलाएं शामिल हैं, जिनका पंजीकरण ऑनलाइन या फिर

बेसकैंप सिंहगाड़ के अलावा कुंशा और थाचरु में ऑफलाइन दर्ज किया गया। एसडीएम निरमंड मनमोहन सिंह ने बताया कि बेसकैंप सिंहगाड में कुल 8726, थाचरु में 55 और कुंशा में 378 श्रीखंड यात्रियों का पंजीकरण दर्ज किया गया है। सभी यात्री 31 जुलाई तक श्रीखंड के दर्शन करेंगे और दो अगस्त तक बेसकैंप सिंहगाड़ पहुंच जाएंगे।

मनमोहन सिंह ने बताया कि दो अगस्त को सारे पड़ावों और उनमें प्रशासन द्वारा दी जा रही मेडिकल ऐड, रेस्क्यू आदि की सारी सुविधाएं समेट दी जाएंगी। एसडीआरएफ की टीम और रेस्क्यू दल श्रीखंड के रास्ते की रेकी कर यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई श्रद्धालु बाकी तो नहीं रह गया है। वहीं, प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अब श्रीखंड की यात्रा पर पंजीकरण बंद हो गया है, अब कोई भी श्रद्धालु यात्रा पर न जाएं।

मेले हमारी समृद्ध सभ्यता और संस्कृति के प्रतीक : विद्या नेगी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मनाली

राष्ट्रीय महिला कांग्रेस की को-ऑर्डिनेटर विद्या नेगी ने कहा कि मेले हमारी समृद्ध सभ्यता व संस्कृति के प्रतीक हैं।

मेलों के माध्यम से न केवल आपसी भाईचारे की भावना को बल मिलता है, बल्कि हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में भी यह अहम भूमिका निभाते हैं। विद्या नेगी मनाली के उझी घाटी में मनाए गए सराणी मेले के समापन पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रही थी। मेले हमारे जीवन में हर्ष, आनंद, उमंग, उल्लास, प्रेम, शांति, संतुष्टि तथा खुशियों का संचार करते हैं। इन मेलों से सामाजिक सहयोग, सौहार्द तथा भाईचारा बढ़ता है। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए आयोजन कमेटी को बधाई दी।

मेले में कुल्लवी नाटी व वॉलीबाल प्रतियोगिता मुख्य आकर्षण रहे। वॉलीबाल प्रतियोगिता में अंडर-19 व ओपन वर्ग में कुल 13 टीमों ने भाग लिया। ओपन वर्ग में अलेउ की टीम ने, जबकि जूनियर वर्ग में बड़ाग्रां की टीम ने बाजी मारी। पहले स्थान पर रहने वाली टीम को 18 हजार, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 13 हजार नकद इनाम से सम्मानित किया गया। उझी घाटी के सराणी मेले की शुरुआत एक सप्ताह पहले सराणी सोह पलचान से शुरू हुई। सात दिन तक रुआड, पलचान, सोलंग व शनाग में मेले की धूम रही।

मनाली की उझी घाटी के सात दिवसीय सराणी मेले में खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए।

सजवाड़ सड़क का किया निरीक्षण

ग्राम पंचायत सजवाड़ धियागी सड़क का निरीक्षण करते हुए नायब तहसीलदार बंजार रमेश कुमार व अन्य।

शीला कौल, बंजार

उपमंडल बंजार की पंचायत सजवाड़ धियागी सड़क तांद थाच पर खड्ड का जल स्तर बढ़ने पर सड़क यातायात के साथ पैदल यात्रियों के लिए बंद पड़ गई थी।

उसका निरीक्षण नायब तहसीलदार बंजार रमेश कुमार की अध्यक्षता द्वारा राजस्व कर्मचारियों सहित किया गया। एसडीएम बंजार पंकज शर्मा ने बताया कि मौके पर देवेश कुमार कनिष्ठ अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, उपप्रधान सजवाड़ विजय ठाकुर के साथ स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

लोक निर्माण विभाग बंजार द्वारा तांद थाच में धियागी से सजवाड़ को जोड़ने वाले क्षतिग्रस्त पुल के पास अस्थायी सड़क का कार्य शुरू कर दिया गया है, जो आज शाम तक पूर्ण होने की संभावना है तथा क्षतिग्रस्त पुल का कार्य शीघ्र ही शुरू कर उसका निर्माण पूर्ण कर लिया जाएगा।

उपप्रधान पंचायत सजवाड़ विजय व स्थानीय निवासियों की ओर से उपरोक्त पुल को शीघ्र तैयार करने का निवेदन किया, ताकि सजवाड़ से बंजार आने वाले लोगों को कठिनाई का सामना न करना पड़े। (अनंत ज्ञान)

सुक्खू सरकार अपनी जिम्मेदारियों से भागने का कर रही प्रयास : गोविंद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मनाली

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने एक बार फिर पलचान गांव का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने हालातों का जायजा लिया और ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर सरकार की ओर से उचित कदम न उठाए जाने पर असंवेदनशीलता का आरोप लगाया है। मनाली के सोलंगनाला के समीप पलचान में हाल ही में हुई बादल फटने की घटना के कारण, जहां अंजनी महादेव नाले में आई बाढ़ से जहां पहले ही भारी नुकसान हुआ है। वहीं, नाले में आई बाढ़ से ब्यास नदी का रुख गांव की ओर हो गया है, जिससे लगभग 10 से ज्यादा घरों पर अब गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। गोविंद ने कहा कि गांव को सुरक्षित रखने के लिए ब्यास नदी का रुख बदलने की आवश्यकता है, लेकिन सरकार की ओर से अब तक इस पर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए कहा कि अभी तक सिर्फ हाइड्रो प्रोजेक्ट की दो मशीनें ही लगी हैं, जबकि आवश्यक मशीनरी की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए थी।

उन्होंने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार अपनी जिम्मेदारियों से भागने का प्रयास कर रही है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार जल्द आवश्यक कदम उठाकर गांववासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। ब्यास नदी के रुख को बदलने के लिए तत्काल प्रभाव से अधिक मशीनरी और संसाधन लगाए जाने चाहिए, ताकि गांववासियों के जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। वहीं, गांववासियों ने भी पूर्व मंत्री के समक्ष अपनी इस समस्या की मांग उठाई है। सनद रहे कि रविवार को फिर से पलचान में ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ गया था, जिससे स्थानीय लोगों को सुरक्षा को लेकर खतरा सताने लगा है।

विद्यार्थी जीवन में शिविरों का विशेष योगदान

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कटराईं की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर 22 से 28 जुलाई तक आयोजित किया गया।

इस शिविर में 50 स्वयंसेवियों ने भाग लिया। शिविर के दौरान योगा, शारीरिक व्यायाम, परेड, बौद्धिक सत्र, स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का आयोजन किया गया। शिविर के समापन समारोह के अवसर पर कांग्रेस पार्टी के राज्य सचिव देवेंद्र नेगी ने भाग लिया। मुख्यातिथि ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों की परेड की सलामी ली। कार्यक्रम अधिकारी एवं राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता धर्मचंद ठाकुर ने मुख्यातिथि एवं अन्य मेहमानों का स्वागत किया और शिविर की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। तत्पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत, देशभक्ति गीत नेपाली नृत्य, हिमाचली नृत्य, कुल्लवी नाटी की धूम रही। मुख्यातिथि देवेंद्र नेगी ने स्वयं सेवियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में ऐसे शिविरों का विशेष योगदान है। इस अवसर पर कुल्लवी नाटी और पंकज के गानों पर मुख्यातिथि और अन्य मेहमान भी स्वयं सेवियों संग कुल्लवी नाटी के रंग में रंगे। विभिन्न प्रतियोगिताओं में अनुशासन में गांधी समूह प्रथम, सांस्कृतिक कार्यक्रम में सरस्वती समूह, प्रोजेक्ट वर्क में भगत सिंह समूह, खाना बनाने में भृगु समूह और परेड में ब्यास समूह को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एकल गान में सुजल, भाषण में मोहर सिंह और कविता में रक्षित को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विशेष शिविर के समापन समारोह में नृत्य करते स्वयंसेवी एवं मुख्यातिथि।

कटराईं में नशे के खिलाफ लोगों को किया जागरूक

मोहन कपूर, पतलीकूहल। नशा एक धीमें जहर की तरह होता है, जो कि धीरे-धीरे हमारे समाज को खोखला कर देता है। आज की युवा पीढ़ी नशे के गिरफ्त में फंसती जा रही है। यदि किसी समाज का युवा सुदृढ़ नहीं होगा, तो वह समाज भी सुदृढ़ नहीं हो पाएगा। टीम सहभागिता शुरू से ही नशे के खिलाफ जागरूकता में अपना सहयोग देती आई है, इसी संदर्भ पर टीम सहभागिता ने कुल्लू की कटराईं पंचायत में आयोजित ग्राम सभा के दौरान लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया। इस दौरान टीम सहभागिता के उपाध्यक्ष तथा समन्वयक राज सिंघानिया ने उपस्थित लोगों को अपने बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान देने का आग्रह करते हुए कहा कि आज, कल नशा स्कूली छात्रों पर ज्यादा हावी हो रहा है। यदि कोई बच्चा नशे की चपेट में आता भी है, तो उसे मारने पीटने की जगह सही काउंसलिंग की जरूरत है, जो सरकार द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति केंद्र भुंतर तथा निजी संस्थानों द्वारा चलाए नशा मुक्ति केंद्र के परामर्श स्टाफ से भी उचित राय ले सकते हैं। (अनंत ज्ञान)

सांफिया फाउंडेशन लोगों को दिव्यांगता के बारे कर रही जागरूक

सांफिया फाउंडेशन के आयोजित जागरूकता शिविर के दौरान लोगों को जागरूक करते हुए।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

सांफिया फाउंडेशन ने कुल्लू की पंचायत न्यूली के पंचायत परिसर में दिव्यांगता पर समावेशी कार्यशाला का आयोजन किया। इस दौरान पंचायत चतानी, ग्राहण एवं न्यूली के लोगों को दिव्यांगता के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर सांफिया फाउंडेशन की निदेशक डॉ. श्रुति मोरे ने लोगों को संस्था द्वारा दी जाने वाली सेवाओं और विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में बताया। दिव्यांग बच्चों के विकास के लिए जो थेरेपी सेवाएं मुहिया करवाती है, उसे गांव-गांव जाकर आम जन तक पहुंचाना बहुत आवश्यक है, ताकि छोटे बच्चों में बढ़ रही दिव्यांगता को कम किया जा सके। फाउंडेशन के कार्यक्रम प्रबंधक बीजू ने लोगों को बताया कि किस तरह से संस्था लगातार जागरूकता अभियानों और कार्यशालों के माध्यम से लोगों को दिव्यांगता के प्रति जागरूक कर रहे हैं। इस अवसर पर पंचायत प्रधान न्योली ओम प्रकाश, देवी प्रधान गराह्न पंचायत, शेर सिंह प्रधान ग्राम पंचायत चत्तानी ने पंचायत में महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिए आभार जताया और भविष्य में हर तरह के सहयोग का आश्वासन दिया।

पूर्व मंत्री गोविंद ठाकुर पलचान में ग्रामीणों का हाल जानते हुए।

बैठक दशहरा उत्सव के सात दिन के बाद 20 दिनों तक रहेगी ट्रेड फेयर की धूम, अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्वरूप में मनाया जाएगा उत्सव

13 से 19 अक्तूबर तक मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव : सुंदर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

सीपीएस सुंदर सिंह ठाकुर ने कहा कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा 13 से 19 अक्तूबर तक धूमधाम से मनाया जाएगा। यह बात उन्होंने अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक के दौरान कही।

इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय दशहरे उत्सव के सात दिन के उत्सव के बाद 20 दिनों तक ट्रेड फेयर चलेगा। साथ ही गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी दशहरा पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्वरूप में मनाया जाएगा। इसके लिए उन्होंने पिछले सप्ताह दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के अधिकारियों से भी बैठक की थी, जिन्होंने पूरे सहयोग का आश्वासन दिया है। इस बार अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक दलों की प्रस्तुतियों की थीम भी भारत के दशहरे पर आधारित होगी। इस उत्सव में देश के विभिन्न राज्यों तथा विभिन्न जिलों के सांस्कृतिक दल अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस वर्ष इस उत्सव के लिए एक सहयोगी राज्य तथा सहयोगी राष्ट्र को विशेष तौर पर आमंत्रित किया जाएगा, जिसकी कला, शिल्प, व्यंजनों की मेले में विशेष उपस्थिति रहेगी। बैठक की कार्यवाही का संचालन अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी अश्वनी कुमार ने किया। बैठक में डीसी तोरुल एस रवीश, पुलिस अधीक्षक गोकुलचंद्रन कार्तिकेयन, देवता रघुनाथ के कारदार दानवेंद्र सिंह, गैर अधिकारी सदस्य, सहायक आयुक्त शशिपाल नेगी, एसडीएम विकास शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीपीएस सुंदर सिंह ठाकुर अधिकारियों के साथ उत्सव स्थल का निरीक्षण करते हुए।

रथ मैदान में भी होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

उत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए कला केंद्र के अतिरिक्त एक मंच रथ मैदान में भी लगाया जाएगा, जहां पर दिन में दो से पांच पांच बजे तक कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। मेले के दौरान यहां साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी नगर परिषद निभाएगी।

रात के समय भी होंगी खेलकूद प्रतियोगिताएं

दशहरा उत्सव में ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके आयोजन की जिम्मेदारी जिला परिषद तथा खेल विभाग पर रहेगी। इसके लिए रथ मैदान में दो फ्लड लाइट लगाई जाएंगी, ताकि रात्रि के समय भी खेलों का आयोजन कर युवाओं को आगे बढ़ने के लिए तैयार किया जा सके।

भव्य सांस्कृतिक परेड का होगा आयोजन

देव संस्कृति को समर्पित इस उत्सव को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए सभी कारदारों के साथ एक बैठक का आयोजन किया जाएगा। प्रशासन की ओर से आमंत्रित देवी-देवताओं तथा देवलुओं के लिए बेहतर व्यवस्था की जाएगी। दूसरे दिन एक भव्य सांस्कृतिक परेड का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक दलों के अलावा प्रदेश तथा जिले के प्रमुख सांस्कृतिक दल भाग लेंगे तथा समापन अवसर के दिन कुल्लू कार्निवाल का आयोजन किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

रोजगार कार्यालय नाहन में एक को कैंपस इंटरव्यू

नाहन। जिला रोजगार अधिकारी सिरमौर जगदीश कुमार ने बताया कि एसपीसीए नाहन द्वारा संचालित माता बाला सुंदरी गोशाला, बोगरिया, दो सड़का नाहन में एक पद गो सेवक का भरा जाना है, जिसके लिए एक अगस्त को जिला रोजगार कार्यालय नाहन में कैंपस इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। गो सेवक के लिए शैक्षणिक योग्यता दसवीं पास रखी गई है तथा जिसे वाहन चलाना आता हो उसे प्राथमिकता दी जाएगी। आयु सीमा 18 से 35 वर्ष व न्यूनतम वेतन 12 हजार दिया जाएगा। इच्छुक आवेदक एक अगस्त को प्रातः 11 बजे जिला रोजगार कार्यालय नाहन में अपने साथ दो पासपोर्ट साइज फोटो, मूल प्रमाण-पत्र, बायोडाटा सहित कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय दूरभाष नंबर 01702-222274 पर संपर्क कर सकते हैं।

निरंकारी सत्संग भवन में सत्संग का आयोजन

दाड़लाघाट। संत निरंकारी मिशन के तत्वावधान में दाड़लाघाट स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन पर सत्संग का आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने महात्मा के प्रवचनों का श्रवण किया। इस मौके पर मौजूद महापुरुषों ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि निराकार परमात्मा के अहसास में जो हम सभी का मूल है। इस एक को जानकर, एक को मान कर एक होकर इसकी भक्ति करनी चाहिए। भक्ति के मार्ग अलग हो सकते हैं, लेकिन मंजिल एक ही है। दाड़ला ब्रांच के मुखी महात्मा विद्या सागर ठाकुर ने अपने विचारों में कहा कि ब्रह्म ज्ञान प्राप्त होने के पश्चात भक्त को चाहिए कि निरंतर सत्संग में आकर भगवान की महिमा का यशोगान प्रेम और श्रद्धा से सुने तथा समझे। यदि सत्संग में पहुंचकर भी संतों व भगवान से प्रेम नहीं बढ़ रहा, तो समझो की गाड़ी अभी भी वहीं रुकी हुई है। भगवान के भक्त संसार में ऐसे रहते हैं, जैसे कीचड़ में कमल लिप्त नहीं होता और अपना प्रेम सूर्य से ही निर्वाह करता है, निरंकार प्रमात्मा की शरण में जाने से इंसान वह सबकुछ पा लेता है, जो कि उसे पाने में असंभव लगता है।

जमीन की निगम को न दी जाए एनओसी : महिताप

सोलन। मां शूलिनी रेहड़ी-फड़ी विकास समिति ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के निदेशक को पत्र लिखकर सपरून बाइपास में खाली पड़ी भूमि (जहां पहले लाइसेंस धारकों की रेहड़ियां लगती थी) खसरा नं. 1530 व 1615 पर नगर निगम को अनापति प्रमाण पत्र देने पर रोक लगाने की मांग की। मां शूलिनी रेहड़ी-फड़ी विकास समिति के प्रधान महिताप सिंह ठाकुर ने कहा कि खसरा नं. 1530 व 1615 को नगर निगम की नगर विक्रय समिति ने 29 रेहड़ी लाइसेंस धारकों के लिए वेंडिंग जोन संख्या 4 व 5 पहले ही घोषित किया जा चुका है। नगर विक्रय समिति की बैठक 24 मार्च और 11 अक्तू बर, 2023 को तत्कालीन नगर आयुक्त आईएएस जफर इकबाल साहब, अपर नगर आयुक्त प्रियंका चंद्रा व अन्य टीवीसी के सदस्यों की मौजूदगी में हुई थी, जिसमें प्रबंधक राष्ट्रीय उच्च मार्ग प्राधिकरण को चिन्हित स्थानों की डिमार्केशन और अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने और संयुक्त निरीक्षण के लिए प्रेषित किया गया था, जिसकी प्रतिलिपि संबंधित विभागों को नगर निगम द्वारा भेज दी गई थी। स्ट्रीट वेंडर एक्ट-2014 के तहत प्राप्त वेंडिंग जोन (नजदीक एक्साइज आफिस) 4 व 5 (मूलस्थान) रेहड़ी लाइसेंस धारकों से छीन कर व्यापारिक वाहनों का अड्डा बना दिया गया है और अब नगर निगम द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को गुमराह कर अन्य प्रयोग के लिए आवेदन किया जा रहा है, जो कि स्ट्रीट वेंडर एक्ट-2014 का पूर्ण उल्लंघन है, जबकि यह स्थान 29 रेहड़ी लाइसेंस धारकों के शेड व शौचालय बनाने के लिए सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने प्राधिकरण के निदेशक से बाई पास सपरून की भूमि खसरा नं. 1530 व 1615 के बारे नगर निगम द्वारा जो आवेदन अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए किया गया है उस पर तुरंत रोक लगाने और व्यापारिक वाहनों का अड्डा हटाने की मांग की है। उन्होंने संबंधित जमीन को वेंडिंग जोन के अलावा नगर निगम को अन्य प्रयोग में न लाने दी जाए।

अध्यात्म परमात्मा से जुड़ने का साधन : कृष्णानंद

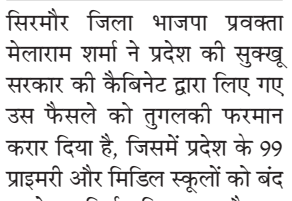

सोलन। शूलिनी विश्वविद्यालय में स्वामी कृष्णानंद गिरि के नेतृत्व में आयोजित आध्यात्मिक शिविर में योग, अध्यात्म और अध्यात्मिकता से जुड़े पहलुओं का अध्यन किया गया। स्वामी कृष्णानंद गिरि ने आध्यात्मिकता पर अंतर्दृष्टि साझा की, जिसमें परमात्मा से जुड़ने के तरीकों के रूप में सादगी, विश्वास और अध्यात्म (उच्चतम स्व) के मार्ग पर चलने पर जोर दिया गया। उन्होंने ध्यान शुरू करने की उचित उम्र, योग के वैज्ञानिक पहलुओं और योग के प्रकारों पर चर्चा की, जो परम आनंद की ओर ले जाते हैं। योग खुद को समझने का माध्यम है। सम्मेलन में पूर्व आईएएस अधिकारी और स्तंभकार विवेक अत्रे भी शामिल हुए, जिन्होंने आध्यात्मिक और बौद्धिक प्रवचन के महत्व पर प्रकाश डाला। इसे पहले शूलिनी विश्वविद्यालय में स्वामी कृष्णानंद गिरि के नेतृत्व में तीन दिवसीय आध्यात्मिक शिविर का उद्घाटन का शुभारंभ किया। उद्घाटन सत्र में 350 से अधिक भक्तों ने भाग लिया।

सोम प्रकाश गुप्ता बने प्रधान, शशिकांत उपप्रधान

सोलन। फोरम ऑफ शेयर होलडर ऑफ बघाट अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक सोलन की एक विशेष बैठक स्थानीय होटल में हुई। बैठक में शेयर होल्डर और बैंक को लेकर बहुत से मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। बैठक में शेयर होलडर की पुरानी बनी एडहोक बोडी को सर्वसम्मति से रद्द किया गया। साथ ही नई रेगुलर बोडी का चयन सर्वसम्मति से किया गया, जिसमें सोम प्रकाश गुप्ता को प्रधान, शशिकांत गुप्ता को उपप्रधान, विजेंद्र गुप्ता को फाइनैंस सेक्रेटरी, जय प्रकाश शर्मा को जरनल सेक्रेटरी, महेंद्र नाथ सोफात और जगन नाथ निराला को सलाहकार नियुक्त किया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जल्द ही फोरम का विस्तार किया जाएगा। फोरम को पंजीकृत करवाया जाएगा।

हिमाचल की मंडियों में कम पहुंच रहा सेब

बाहरी मंडियों में बागवानों को लूटने का तरीका बरकरार-रूमाल के नीचे हो रही बोलियां

आर मोहन चौहान , सोलन

प्रदेश सरकार ने सेब की बिक्री के लिए इस बार यूनिवर्सल कार्टन निश्चित किया है। इस प्रणाली से प्रदेश की मंडियों में सेब किलो के भाव बिक रहा है पर आढ़तीयों का बाहरी राज्यों की मंडी का रुख करने के चलते बागवान असमंजस में हैं। बाहरी मंडियों में सेब की बोलियां अभी भी पुराने तरीके से रुमाल के नीचे हो रही हैं।

इसे बागवान ठगा सा महसूस कर रहे हैं। प्रदेश की मंडियो में बेहतर सुविधाएं नहीं होने से बागवान बाहरी मंडियों में जाने को मजबूर हैं। यूनिवर्सल कार्टन की पेचीदगियों और झंझट से बचने को हिमाचल के आढ़तियों ने हरियाणा की पिंजौर स्थित एचएमटी मंडी का रुख कर लिया है। इतना ही नहीं यहां सोलन और परवाणू सेब मंडी के मुकाबले अधिक मात्रा में सेब पहुंच रहा है। हालांकि यहां पर आढ़तियों द्वारा हिमाचल के बागवानों को लूटने का तरीका बरकरार है। मंडी में रुमाल के नीचे बोलियां लगाई जा रही हैं, जो कि प्रतिबंधित है। ऐसे में सरकार को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। (अनंत ज्ञान)

हरियाणा के पिंजौर स्थित सेब मंडी में हाथ के नीचे लगती बोली।

एचएमटी मंडी में हर तरह की सुविधा उपलब्ध

एचएमटी मंडी के सहायक सचिव बलदीप सागवान ने बताया कि एचएमटी मंडी को अंतरराष्ट्रीय मार्केट घोषित किया गया है और यहां हर तरह की सुविधा उपलब्ध है तथा बागवानों का अच्छा सहयोग मिल रहा है। कोई भी आढ़ती रुमाल के नीचे या अन्य तरिके से छुपाकर बोली नहीं लगा सकता। यदि कोई ऐसा करता है, तो उसे चेतावनी दी जाएगी व इस में 1000 से लेकर 10000 रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान है। बागवानों को यह सुविधाजनक लगा, तो इससे प्रदेश की आमदनी पर भी असर पड़ेगा। यही कारण है कि हिमाचल के आढ़तियों ने हरियाणा की एचएमटी मंडी की ओर रुख कर लिया है, जिसका सीधा असर हिमाचल को सेब से होने वाली आमदनी पर पड़ेगा। परवाणू मंडी में जहां रोज औसतन को 10 से 15 पिकअप उतरी, जबकि एचएमटी पिंजौर में 20 हजार से अधिक पेटी उतारी गई। एचएमटी मंडी के उद्घाटन के बाद रोजाना दो से अढ़ाई हजार पेटी सेब की पहुंच रही है।

परवाणू में सुविधाओं का अभाव

1985 में शुरू हुई परवाणू सेब मंडी 2013 में पूरी तरह अस्तित्व में आई, मगर सुविधाओं की कमी के चलते मंडी में आने वाले आढ़ती व बागवान हमेशा परेशान रहे। हिमाचल की सबसे बड़ी मंडी होने के बाद भी किसी सरकार द्वारा मंडी की सुविधाओं की ओर ध्यान नहीं दिया, जिसके चलते धीरे-धीरे एंटी बागवान अपना माल बेचने के लिए पंचकूला जाने लगे जहां उनसे सुविधाएं मूल्य अच्छे मिले। हालांकि हिमाचल के आढ़तियों ने सरकार पर दबाव डाला और इसे बेहतर बनाकर चलाने पर पूरा जोर दिया। 2022 में वर्ल्ड बैंक की मदद से मंडी को मॉडर्न मंडी बनाया गया, लेकिन फिलहाल मंडी की पूर्ण सुविधाएं आढ़तियों बागवानों या श्रमिकों को अभी नहीं मिल पा रही हैं। ऊपर से सरकार के फरमान से आढ़ती व बागवानों में इस बात की नाराजगी है कि बागवानों व आढ़तियों के पास जो लाखों के कार्टन पड़े हैं, वह सब बर्बाद हो जाएंगे। बागवानों ने बताया कि एचएमटी की मंडी में आढ़तियों और बागवानों के लिए बेहतर सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। यहां पर अटल योजना के तहत कैंटीन में 10 में खाना मिल रहा है बहुत बड़ी पार्किंग है और बागबानों के ठहरने की सुविधा भी है। अगर परवाणू मंडी की बात करें, तो परवाणू में केवल ढाबे हैं और 30 बेड़ का एक गेस्ट हाउस है, जो कि अभी तक शुरू नहीं किया गया। यदि सरकार ने समय रहते इस और ध्यान न दिया तो हिमाचल की आमदनी अन्य राज्य ले जाएंगे।

निर्देशों का पूरी तरह से किया जा रहा पालन

परवाणू मंडी इंचार्ज राजेश शदैक ने बताया सरकार के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जा रहा है और आढ़तियों से अपील की है कि वह केवल एचपीएमसी का स्टैंडर्ड कार्टन ही इस्तेमाल करें । बागवानों के मंडी जाने के बारे में पूछने पर उन्होंने बताया कि हम सरकार के निर्देशों का पालन कर रहे हैं और प्रयास कर रहे हैं कि हमारे बागवान व आढ़ती परवाणू से बाहर न जाएं।

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

सोलन। नेशनल हाईवे-5 पर कंडाघाट के नजदीक रविवार को हुए सड़क हादसे में स्कूटी सवार व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान दर्शन सिंह के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार दर्शन सिंह अपने बेटे के साथ स्कूटी पर सवार होकर जा रहा था, जब बाप-बेटा कंडाघाट से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर टनल देहू चौकी के पास पहुंचे, तो एक ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी।

हादसे में दर्शन सिंह की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर कंडाघाट पुलिस मौके पर पहुंची और दर्शन सिंह के शव को कब्जे में लिया, जबकि घायल को प्राथमिक उपचार सिविल अस्पताल कंडाघाट भेजा। एसपी सोलन गौरव सिंह ने बताया कि हादसे में मारे गए व्यक्ति के शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है, जबकि घायल को आईजीएमसी शिमला रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर मामले में आगामी जांच शुरू कर दी है।

ऑनलाइन ऐप के माध्यम से सैकड़ों लोगों के साथ हुई लाखों की ठगी

अनंत ज्ञान, नाहन

जिला सिरमौर के पांवटा साहिब क्षेत्र से संबंधित सैकड़ों लोगों के साथ ऑनलाइन ऐप के माध्यम से ठगी का मामला सामने आया है।

संबंधित प्रभावित लोगों ने नाहन पहुंचकर एसपी रमन कुमार मीणा को एक शिकायत सौंपते हुए आरोपियों को जल्द दबोचने की गुहार लगाई है। बताया जा रहा है कि इस ठगी का सैकड़ों की संख्या में लोग शिकार हुए हैं और करोड़ों रुपए एक ऐप के माध्यम से ठगे गए हैं। एसपी से मिलने पहुंचे प्रभावित लोगों ने बताया कि वह फेसबुक पर एक पार्ट टाइम जॉब को सर्च कर रहे थे कि उन्हें एक ऐप के माध्यम से पैसे दो गुणा करने का झांसा दिया गया और एक व्यक्ति को तीन अन्य

लोगों को जोड़ने के लिए कहा गया था।

इसी तरह उन्होंने चैन बनाई और आगे से आगे लोगों को जोड़ना शुरू किया। सभी लोगों ने ऐप के माध्यम से पैसा इंवेस्ट किया, लेकिन धीरे-धीरे करते ऐप के माध्यम से सैकड़ों की संख्या में लोगों का लाखों रुपए ठग लिए। आज एसपी रमन कुमार मीणा को शिकायत सौंपी गई है, जिसमें जल्द आरोपियों को दबोचने की गुहार लगाई गई है।

कंपनी में सुरक्षा के पूर्ण इंतजाम न होने से वर्कर की मौत

बीबीएन। पुलिस थाना बद्दी के तहत एक इंजीनियरिंग कंपनी में कार्यरत कामगार की हादसे में मौत हो गई। शिकायतकर्ता ज्ञान चंद शील (70) पुत्र रसिला राम निवासी गांव सुराज माजरा गुजरां तहसील बद्दी ने शिकायत दर्ज करवाई है कि उसके भतीजे अभिषेक वर्मा जो कि स्टेसेलिट लिमिटेड प्लाट नंबर 25 इंडस्ट्रियल एरिया में काम करता था। अचानक एक हादसा हुआ और उसके भतीजे को तुरंत गगन अस्पताल लाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मृत्यु हो गई। ज्ञान चंद शील ने आरोप लगाया कि कंपनी में सुरक्षा के पूरे इंतजाम न होने के कारण एक्सीडेंट होने से मृत्यु हुई है। वहीं, एएसपी बद्दी अशोक वर्मा ने बताया कि शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है कि किन परिस्थितियों में युवा की मृत्यु हुई है।

नालागढ़ में एक बार फिर चोर गिरोह सक्रिय

गुरुद्वारा व मंदिरों को बनाया निशाना, लोगों में दहशत का माहौल

अनंत ज्ञान, बीबीएन

जिला बद्दी पुलिस के अपराध व अवैध माइनिंग पर पूरी तरह से रोक लगा देने के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। बद्दी पुलिस जगह-जगह अवैध माइनिंग पर अंकुश लगा देने की बात बोलकर वाहवाही लूट रही है, लेकिन असल में न तो पुलिस अवैध माइनिंग को रोक पा रही है और न ही एरिया में तेजी से बढ़ रहे अपराध को।

अब नालागढ़ के राजपुरा गुरुद्वारा समेत तीन स्थानों पर अलग-अलग चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। गुरुद्वारा से चोर दरवाजा तोड़ कर गुरुद्वारा का गल्ला ही उठा कर ले गए, जबकि नार सिंह व खेड़ा बाबा के गल्ले तोड़ कर नकदी लेकर फरार हो गए। राजपुरा पंचायत में एक साथ हुई इस चोरी की घटना से

क्षेत्र के लोगों में दशहत का माहौल बना हुआ है। चोरों ने अढ़ाई बजे पहले राजपुरा के गुरुद्वारे के दरवाजा तोड़ कर अंदर गए। वहां पर एक क्विंटल वजन का गल्ला था। चार लोगों ने पहले खिड़की तोड़ी उसके बाद गल्ले को उठा कर खिड़की से पहली मंजिल से नीचे खेत में फैंका वहां से कई चोर उसे उठा कर खेतों के रास्ते ले गया। उसके बाद इन चोरों ने नार सिंह देवता व खेड़ा बाबा के गल्ले के ताले तोड़े ओर उनसे नकदी उठा ले गए। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सचिव अमृत पाल सिंह ने बताया कि गुरुद्वारा में सुबह व शाम काफी संख्या में लोग आते हैं। इसलिए गल्ले में दस से पंद्रह हजार रुपए तक नकदी थी। वहीं नार सिंह देवता व खेड़ा बाबा के स्थान पर दो-दो हजार रुपए कैश था। एएसपी अशोक वर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली है, जिसकी जल्द ही जांच की जाएगी।

जैव प्रबंधन के बारे में करवाया अवगत

जीता सिंह नेगी, रिकांगपिओ

डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी सोलन के कीट विभाग द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र किन्नौर के सहयोग से किन्नौर के रारंग गांव में फसलों के नाशी कीटों के जैव प्रबंधन पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया।

यह शिविर जैव प्रबंधन पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की जनजातीय उपयोजना के अंतर्गत प्रायोजित किया गया। इस शिविर में किसानों को विभिन्न सेब में लगाने वाले विभिन्न प्रकार के कीटों की पहचान और उनके नुकशान के बारे में जानकारी प्रदान की। कीट विज्ञान विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. सुभाष चंद्र वर्मा ने

फसलों के नाशी कीटों के जैव प्रबंधन पर एक दिवसीय शिविर के आयोजन में मौजूद लोग।

इन कीटों की रोकथाम के लिए किए जाने वाले जैव प्रबंधन के बारे में कृषकों को अवगत करवाया। उन्होंने कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से होने वाले नुकसान के बारे में भी जानकारी साझा की। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र किन्नौर के वैज्ञानिक डॉ. अरुण नेगी ने पौधों की समय पर होने वाली काट-छांट व बिमारियों से पौधों को बचाने के विभिन्न उपायों की जानकारी बागवानों को दी। नौणी विश्वविद्यालय से आए डॉ. सुमित वशिष्ठ और डॉ. विश्व गौरव सिंह चंदेल ने बागवानों को फलों में लगाने वाले कीटों और सूत्रकृमियों के समाधान के लिए उपाय सुझाए। विशेषज्ञों के व्याख्यान के उपरांत किसानों के सेब के बागीचों में जाकर वहां मौजूद कीटों और अन्य व्याधियों के समाधान पर भी विचार-विमर्श किया गया।

1.424 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद

बीबीएन। नालागढ़ के पंजैहरा में एक मारुति कार से 1.424 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद किया गया। आरोपी की पहचान जसपाल पुत्र जमना दास निवासी पंजैहरा नालागढ़ से हुई।

पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि एक मारुति कार पंजैहरा नजदीक विश्व कर्मा के पास आ रही है, जिसे तुरंत रोका और तलाशी लेने पर एक प्लास्टिक ड्रम के अंदर तीन पोलिथीन के लिफाफे से 1.424 किलो ग्राम चुरापोस्त बरामद हुआ।

नदी किनारे न जाएं लोग, रेणुका बांध से छोड़ा जा रहा पानी

अनंत ज्ञान, नाहन

हिमाचल प्रदेश और उत्तरांचल के पर्वतीय इलाकों में हो रही बारिश के चलते जहां हिमाचल की गिरि नदी का जलस्तर बढ़ गया है। वहीं, हिमाचल की सीमा के साथ बहती यमुना नदी के जलस्तर में भी भारी बढ़ोतरी हुई है, जिसके चलते जहां रेणुका बांध से पानी छोड़ने का अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं, यमुना नदी पर बने डाकपत्थर और आसन बैराज बांध से भी पानी छोड़े जाने का अलर्ट संबंधित विभाग ने जारी किया है। इसको लेकर हिमाचल प्रदेश आपदा प्रबंधन एवं हिमाचल प्रदेश पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। हिमाचल प्रदेश पुलिस द्वारा जारी की गई एडवाइजरी में डीएसपी पांवटा साहिब आईपीएस अदिति सिंह ने बताया कि रेणुका बांध, डाकपत्थर तथा आसन बैराज से यमुना नदी में पानी छोड़ा जा रहा है, जिस कारण नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है।

उन्होंने जनमानस से अपील की है कि वह नदी के किनारे न जाएं, क्योंकि नदी के जलस्तर में अचानक ही बढ़ोतरी हो सकती है। हिमाचल के कई स्थानों पर बादल फटने जैसी घटनाएं भी हो चुकी हैं, जिसके चलते अचानक ही नदी, नालों में बाढ़ आ जाती है। उन्होंने जनता से अपील की है कि वह बरसात के दिनों में नदी, नालों के पास जाने से गुरेज करें।

99 स्कूल बंद कर बच्चों को शिक्षावहीन करना चाहती है सरकार : मेलाराम शर्मा

अनंत ज्ञान, नाहन

सिरमौर जिला भाजपा प्रवक्ता मेलाराम शर्मा ने प्रदेश की सुक्खू सरकार की कैबिनेट द्वारा लिए गए उस फैसले को तुगलकी फरमान करार दिया है, जिसमें प्रदेश के 99 प्राइमरी और मिडिल स्कूलों को बंद करने का निर्णय लिया गया है।

जिला भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जब से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार सत्तासीन हुई है, तब से इस सरकार ने सरकारी दफ्तरों और सरकारी संस्थाओं को बंद करने के सिवाय कुछ भी नहीं किया है। सुक्खू सरकार ने सरकारी संस्थाओं को बंद करने की सीमा उस समय लांघ दी है, जब छोटे-छोटे नोनीहालों की पढ़ाई के लिए खोले गए 89 प्राइमरी स्कूलों और 10 मिडिल स्कूलों को बंद करने का फरमान जारी किया गया।

जनता नहीं करेगी कभी माफ

सुक्खू सरकार के सलाहकार बताएं कि क्या 4 वर्ष का बच्चा पहाड़ी ग्रामीण क्षेत्र में प्राइमरी शिक्षा प्राप्त करने के लिए 2 किलोमीटर की दूरी पैदल तय कर सकता है। पिछली सरकारों ने कठिन और दुर्गम इलाकों में ये स्कूल आम लोगों की मांग पर बच्चों को उनके घर-द्वार पर शिक्षा मुहैया करवाने के लिए खोले थे, जिन्हें अब कांग्रेस सरकार ने बिना सोचे समझे बंद कर दिया है। प्रदेश की जनता ने सुक्खू की सरकार को राज्य के कल्याण और विकास के लिए सत्ता में बिठाया था, लेकिन उन्होंने विकास के नाम पर केवल हजारों सरकारी संस्थाओं और प्राइमरी स्कूलों को बंद करने का घिनौना काम किया है, जिसके लिए जनता उन्हें माफ नहीं करेगी।

पर्यावरण का संरक्षण हम सभी का दायित्व : अरविंद मल्होत्रा

अनंत ज्ञान, सोलन

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोलन एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोलन जिले की पंचायत सेरी के गांव कालाघाट (शिल्ही) में पौधरोपण अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश सोलन अरविंद मल्होत्रा ने की। इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक पौधरोपण कर पर्यावरण के संरक्षण में योगदान देना है। पर्यावरण का संरक्षण हम सभी का दायित्व है। वर्तमान में

पर्यावरण की सुरक्षा ही भविष्य को हरा-भरा बना कर रख सकती है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से आग्रह किया कि वे इस अभियान से जुड़कर अधिक से अधिक पौधरोपण करें, ताकि भविष्य में यह पौधे, पेड़ बनकर सभी के लिए लाभदायक बन सकें। इस दौरान देवदार, बान, अमलोक और पाजा के 100 पौधे रोपित किए गए।

एवरेस्ट अभियान की 10वीं वर्षगांठ मनाई

अनंत ज्ञान, सोलन

लॉरेंस स्कूल सनावर अपने परिसर में सनावर एवरेस्ट अभियान-2013 की 10वीं वर्षगांठ मनाई। सनावर-द एवरेस्ट कनेक्ट नामक कार्यक्रम में, 21 मई, 2013 की सुबह दुनिया की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट पर चढ़ने वाले सात कट्टर निडर बहादुरों में से चार ने युवा छात्रों के साथ अपनी साहसिक यात्रा का विवरण साझा किया।

विद्यालय की छह सौ से अधिक छात्रों ने बड़े ध्यान से सुना, जैसे कि शुभम कौशिक (दिल्ली), हकीकत सिंह ग्रेवाल (पंजाब), पृथ्वी सिंह चहल (पंजाब) और अजय सोहल (हिमाचल प्रदेश)ने दुनिया के शीर्ष पर अपनी दिलचस्प, हाड़ कंपा देने वाली यात्रा को याद किया। इस अत्यंत कठिन उपलब्धि ने द लॉरेंस स्कूल, सनावर को

लॉरेंस स्कूल में सनावर एवरेस्ट अभियान-2013 की 10वीं वर्षगांठ के दौरान गणमान्य अतिथि।

दुनिया का एकमात्र स्कूल, जिसने अपना राष्ट्रीय तिरंगा और स्कूल का झंडा सबसे ऊंची चोटी पर फहराया। 15-17 वर्ष की आयु के शावक पर्वतारोही एवरेस्ट पर चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के स्कूल दल बने हुए हैं।

अभियान का बीज सितंबर, 2012 के दौरान बोया गया था, जब हिमालय पर्वतारोहण संस्थान (एचएमआई), दार्जिलिंग में एक कठिन बुनियादी पर्वतारोहण पाठ्यक्रम के बाद स्वयंसेवकों के बीच सात सदस्यीय टीम को चुना गया था। पाठ्यक्रम पूरा करने पर टीम वापस स्कूल लौट आई, जहां सदस्यों को विशेष रूप से एचएमआई दार्जिलिंग द्वारा प्रतिनियुक्त एक योग्य प्रशिक्षक की आहार संबंधी देखरेख में तीन सप्ताह की बढ़ी हुई सहनशक्ति और फिटनेस प्रशिक्षण दिया गया।

सरोकार उद्योग मंत्री ने पांवटा साहिब कफोटा तथा शिलाई में सुनीं जनसमस्याएं

मांगों को जल्द किया जाएगा पूरा : हर्षवर्धन चौहान

अनंत ज्ञान, नाहन

उद्योग, श्रम रोजगार एवं संसदीय मामले मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने सिरमौर प्रवास के दौरान पांवटा साहिब, कफोटा तथा शिलाई में क्षेत्र के लोगों की जनसमस्याएं सुनीं।

इस दौरान विभिन्न पंचायतों के चुने हुए प्रतिनिधियों व स्थानीय लोगों ने मंत्री से मुलाकात कर अपने क्षेत्र की तथा अपनी व्यक्तिगत समस्याएं उनके समक्ष रखीं। इसके अतिरिक्त क्षेत्र के लोगों द्वारा उद्योग मंत्री के समक्ष उनके क्षेत्र से संबंधित कुछ मांगें भी

पांवटा साहिब में जनसमस्याएं सुनते उद्योग मंत्री हर्ष वर्धन चौहान ।

रखी गईं। उद्योग मंत्री ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में अधिकांश समस्याओं का निपटारा मौके पर किया, जबकि कुछ समस्याओं को उन्होंने संबंधित विभागों को सौंपा तथा विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द उनका निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा रखी गई मांगों को भी शीघ्र पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शिलाई सीता राम शर्मा सहित पंचायती राज संस्थानों के चुने हुए प्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

बदलती जलवायु जीवन के पहलुओं के लिए चुनौतियां करती है पैदा : राजेश्वर

अनंत ज्ञान, सोलन

- पहाड़ों में पहले से ही बढ़ा हुआ तापमान चिंता का विषय

डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी में बदलती जलवायु परिस्थितियों में फलों की उत्पादन तकनीक और प्रबंधन पर केंद्रित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उत्तर भारत के पांच राज्यों के किसान ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र के दौरान कुलपति प्रो. राजेश्वर सिंह चंदेल ने इस बात पर जोर दिया कि बदलती जलवायु परिस्थितियां न केवल कृषि के लिए, बल्कि जीवन के विभिन्न पहलुओं के लिए चुनौतियां पैदा करती हैं। कुछ कृषि पद्धतियों के कारण मोनोकल्चर को बढ़ावा मिला है और स्वदेशी बीजों और फसलों के उपयोग में गिरावट आई है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि राज्य में जंगल की आग की बढ़ती घटनाओं के कारण पहाड़ों में पहले से ही बढ़ा हुआ तापमान चिंता का विषय है और भविष्य में इससे निपटने के लिए संयुक्त प्रयास करने होंगे। प्रोफेसर चंदेल ने पर्यावरण अनुकूल तकनीकों को अपनाने की वकालत की, जो मिट्टी, पानी और पर्यावरण का संरक्षण करते हुए छोटे और मध्यम किसानों के लिए कृषि को अधिक लाभदायक बना सकती हैं।

न्यूज ब्रीफ

श्रीनगर में दर्ज हुई सीजन की सबसे गर्म रात

अशोक ठाकुर, जम्मू। मानसून की सक्रियता अभी तक जम्मू-कश्मीर में कुछ खास नहीं नजर आ पा रही है। नतीजतन लोगों को भारी उमस का सामना करना पड़ रहा है। जम्मू संभाग के साथ ही कश्मीर घाटी में गर्मी और उमस लोगों को परेशान कर रही है। इसी बीच जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में सीजन की सबसे गर्म रात दर्ज की गई। यहां तापामान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि इस सीजन में सबसे गर्म रात है। तापमान सामान्य से 5.8 डिग्री सेल्सियस अधिक था और पिछले 132 वर्षों में तीसरा सबसे अधिक तापमान रहा। यह जानकारी स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमानकर्ता की तरफ से दी गई है। उन्होंने कहा कि 26 जुलाई 2021 को दूसरा सबसे अधिक न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जबकि, 21 जुलाई 1988 को अब तक का सबसे अधिक तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। हालांकि रविवार को जम्मू-कश्मीर के मौसम में बदलाव देखने को मिला है। जम्मू में सुबह की शुरुआत झमाझम बारिश के साथ हुई। जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों में तापमान में उल्लेखनीय गिरावट देखने को मिल सकती है। (अनंत ज्ञान)

चीन में भूस्खलन से 12 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के हुनान में रविवार को भारी बारिश के कारण भूस्खलन होने से एक मकान ढह गया, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई जबकि छह अन्य घायल हो गए। प्रांतीय आपातकालीन कमान केंद्र ने बताया कि भूस्खलन हेंगयांग शहर के यूलिन गांव में सुबह करीब आठ बजे हुआ। उसने बताया कि भूस्खलन होने से मकान का एक हिस्सा ढह गया, जिससे 18 लोग दब गए। बचावकर्मियों ने 12 शव बरामद किए हैं जबकि छह व्यक्ति घायल हैं। बताया जा रहा है कि भूस्खलन पहाड़ पर अचानक आई बाढ़ की वजह से हुआ। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रक्षा मंत्रालय 15 लाख पौधे लगाएगा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि वह 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश भर में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाएगा, जिसमें 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 15 लाख पौधे लगाए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इस अभियान की शुरुआत की थी और भारत तथा दुनियाभर में सभी लोगों से अपनी माताओं के सम्मान में एक पेड़ लगाने का आग्रह किया था।

ईरान में भीषण गर्मी के कारण सरकारी कार्यालय बंद

तेहरान। ईरान में भीषण गर्मी के कारण अधिकारियों को शनिवार को विभिन्न प्रतिष्ठानों में काम के घंटों में कटौती करने के साथ ही रविवार को सभी सरकारी और वाणिज्यिक संस्थानों को बंद रखने का आदेश देना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को राजधानी तेहरान में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस (98.6 डिग्री फारेनहाइट) से लेकर 42 डिग्री सेल्सियस (लगभग 107 फारेनहाइट) तक रहा।

एफपीआई ने जुलाई में शेयरों में 33,600 करोड़ डाले

नई दिल्ली। नीतिगत सुधार जारी रहने की उम्मीद, सतत आर्थिक वृद्धि और कंपनियों के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजार में 33,600 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। हालांकि, सरकार द्वारा बजट में वायदा और विकल्प व्यापार (एफएंडओ) और इक्विटी निवेश से पूंजीगत लाभ पर कर में बढ़ोतरी के बाद एफपीआई ने पिछले तीन कारोबारी सत्रों (24-26 जुलाई) में शेयरों से 7,200 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार इस साल विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए अच्छी स्थिति में है। हालांकि, कुछ घटनाक्रमों की वजह से मासिक आधार पर इनमें कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (26 जुलाई तक) शेयरों में शुद्ध रूप से 33,688 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इससे पहले जून में शेयरों में 26,565 करोड़ रुपये का निवेश आया था। एफपीआई ने चुनावी नतीजों को लेकर असमंजस के बीच मई में शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे। मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी में बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी की चिंताओं के कारण अप्रैल में एफपीआई ने शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी।

कांगो में भगदड़ से सात लोगों की मौत

किन्शासा। कांगो की राजधानी किन्शासा में संगीत कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मच गई, जिससे सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। किन्शासा के गवर्नर डैनियल बुम्बा ने बताया कि मशहूर गायक माइक कलमबाई राजधानी के मध्य में स्थित स्टेड डेस मार्टियर्स स्टेडियम में आयोजित संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति दे रहे थे, तभी वहां भगदड़ मच गई। उन्होंने बताया कि इस स्टेडियम में 80,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि स्टेडियम में भगदड़ कैसे मची। उन्होंने कहा कि घटना की जांच जारी है। हालांकि, कार्यक्रम का आयोजन करने वाली प्रबंधन कंपनी माजाबु गॉस्पेल ने कहा कि यह घटना उस समय हुई, जब सुरक्षाकर्मी कुछ उपद्रवियों को शांत कराने का प्रयास कर रहे थे।

मणिपुर पुलिस ने चार उग्रवादी किए गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले से यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पंबेई) के चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। चारों को चिंगमेइरोंग से गिरफ्तार किया गया। वे गोलीबारी की घटना, नागरिकों पर हमला और एक महिला के साथ अभद्र व्यवहार करने में शामिल थे। पुलिस ने शनिवार को काकचिंग जिले के तेजपुर आईवीआर से प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबांगनगांबा) के एक सदस्य को भी गिरफ्तार किया था।

अगरतला रेलवे स्टेशन से 23 बांग्लादेशी गिरफ्तार

अगरतला। भारत में अवैध तरीके से एंट्री करने के आरोप में सुरक्षाकर्मियों ने एक दलाल सहित 23 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने कहा कि सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) के जवानों ने शनिवार रात अगरतला रेलवे स्टेशन पर बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। जब वे गुवाहाटी के रास्ते अन्य भारतीय राज्यों की यात्रा के लिए ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहे थे।

माओवादी नेता सोमन केरल से गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। केरल एटीएस ने माओवादी नेता सोमन को पलक्कड़ से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की फाइलों में सोमन कई यूएपीए मामलों में आरोपी है। अधिकारियों ने बताया कि सोमन से पूछताछ की जा रही है। सोमन प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की पश्चिमी घाट विशेष क्षेत्र समिति के कबानी दलम का नेता है। इससे पहले वरिष्ठ माओवादी नेता मनोज सोमन को कोच्चि से गिरफ्तार किया गया था।

ग्लोबल वार्मिंग के कारण 75 प्रतिशत भू-भाग पर वर्षा की परिवर्तनशीलता बढ़ी

एजेंसी, सिडनी

नए शोध से पता चला है कि पिछली शताब्दी में मानवीय गतिविधियों के चलते बढ़ी गर्मी के कारण गई है, विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया, यूरोप और पूर्वोत्तर अमेरिका में यह प्रभाव अधिक है। चीनी शोधकर्ताओं और ब्रिटेन के मौसम विभाग द्वारा किए गए निष्कर्ष साइंस जर्नल में प्रकाशित किए गए हैं। वे इस बात का पहला व्यवस्थित साक्ष्य प्रस्तुत करते हैं कि जलवायु परिवर्तन वैश्विक वर्षा की गतिविधियों को अधिक अस्थिर बना रहा है।

जलवायु प्रारूपों ने अनुमान जताया था कि जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश की यह परिवर्तनशीलता और भी बदतर हो जाएगी। लेकिन, इन नए निष्कर्षों से पता चलता है कि पिछले 100 वर्षों में वर्षा की परिवर्तनशीलता पहले ही बदतर हो चुकी है, खास तौर पर ऑस्ट्रेलिया में।

प्रेक्षण संबंधी रिकॉर्ड के पिछले अध्ययनों में या तो दीर्घकालिक औसत वर्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया था, जो वैश्विक स्तर पर व्यवस्थित रूप से नहीं बदल रही है, या वर्षा की चरम स्थितियों पर ध्यान केंद्रित किया गया था, जहां परिवर्तनों को सटीक रूप से मापना कठिन है। हालांकि, यह अध्ययन केवल वर्षा गतिविधियों की परिवर्तनशीलता पर ध्यान केंद्रित करता है, जो वर्षा के असमान समय और मात्रा को संदर्भित करता है। परिणाम हमारे सहित पिछले शोध के अनुरूप हैं। इसका मतलब है कि अतीत की तुलना में या तो बारिश की मात्रा बिल्कुल कम है, या बहुत अधिक है। चिंताजनक बात यह है कि ग्लोबल वार्मिंग जारी रहने के कारण समस्या और भी बदतर हो जाएगी। इससे सूखे और बाढ़ दोनों का खतरा बढ़ जाता है, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए एक प्रासंगिक मुद्दा है।

अध्ययन में क्या पाया गया

शोध से पता चलता है कि 1900 के दशक से वर्षा में परिवर्तनशीलता में व्यवस्थित वृद्धि हुई है। वैश्विक स्तर पर हर दशक में वर्षा में दिन-प्रतिदिन की परिवर्तनशीलता में 1.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। परिवर्तनशीलता में वृद्धि का मतलब है कि समय के साथ बारिश का वितरण अधिक असमान है, जिससे या तो बारिश बहुत अधिक हो रही है या बेहद कम हो रही है।

ग्लोबल वार्मिंग वर्षा को कैसे प्रभावित करती है

इन निष्कर्षों को समझने के लिए, यह समझना जरूरी है कि कौन से कारक यह निर्धारित करते हैं कि एक तूफान कितनी भारी बारिश पैदा करता है और ये कारक ग्लोबल वार्मिंग से कैसे प्रभावित हो रहे हैं। पहला कारक यह है कि हवा में कितना जल वाष्प मौजूद है। गर्म हवा में ज्यादा नमी हो सकती है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण एक निश्चित हिस्से पर जल वाष्प की औसत मात्रा में सात प्रतिशत की वृद्धि होती है। वैज्ञानिकों को इस समस्या के बारे में लंबे समय से पता है। औद्योगिक क्रांति के बाद से पृथ्वी 1.5 डिग्री सेल्सियस गर्म हो गई है - जो निचले वायुमंडल में जल वाष्प में 10 प्रतिशत की वृद्धि के बराबर है, इसलिए यह तूफानों को अधिक बारिश वाला बना रहा है।

किसानों को घर-जमीन गिरवी रखे बगैर लोन दे रही सरकार : अनुराग

जगदीश शर्मा, चंडीगढ़

पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर से सांसद अनुराग ठाकुर ने रविवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-33 में बीजेपी भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए हाल ही में पेश किए गए केंद्रीय बजट की खूबियों के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों को जमीन और घर गिरवी रखे बगैर मोदी सरकार 10 लाख के बजाय अब 20 लाख तक के ऋण दे रही है। अब तक लगभग 34 करोड़ के ऋण किसानों को दिए जा चुके हैं।

देश में रोजगार दिलाने के मकसद से 100 ऐसे शहर चुने जाएंगे, जहां हर तरह की सुविधा होगी। स्पेस सेक्टर में भी भारत ने बहुत उन्नति की है। कम पैसे से भारत से सैटेलाइट को लांच किया जा सकता है। भारत ने दक्षिणी ध्रुव में 'चंद्रयान मिशन' सफलतापूर्वक लांच किया है। सरकार ने 350 स्टार्टअप को बढ़ाकर 1000 से ज्यादा पहुंचा दिया है। भारत दुनिया का तीसरा इको स्टार्टअप सिस्टम शुरू करने वाला दुनिया का तीसरा देश बन गया है। हमने स्टार्टअप इंडस्ट्री की मांग कर इस बजट में एंजल टेक्स भी खत्म कर दिया है।

जब अनुराग ठाकर से पूछा गया कि आपकी सरकार में जब किसानों को इतनी सुविधा मिल रही है, एमएसपी भी मिल रहा है और उनकी आय भी सरकार ने दोगनी कर दी है तो किसान आंदोलन खत्म क्यों नहीं हो रहा है। क्या आपकी बात किसानों को समझ नहीं आ रही। यह सरकार समझने में विफल है। इस पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि आप भी समझाइए और हम भी उनको समझा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार भारत को निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रखते हुए विकसित भारत संकल्प को सिद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध है। बजट 2024-2025 एक आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला को और सुदृढ़ करने वाला है, जो गरीबों, महिलाओं, युवाओं, किसानों, मध्यम वर्ग और अन्य जरूरतमंद समूहों के सशक्तिकरण की दिशा के अत्यंत प्रभावी होगा। यह बजट रोजगार और अवसरों के एक नए युग की शुरुआत है। (अनंत ज्ञान)

कोचिंग सेंटर हादसा

कांग्रेस ने जवाबदेही तय किए जाने की मांग की

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने दिल्ली के 'ओल्ड राजेंद्र नगर' इलाके में एक कोचिंग संस्थान की इमारत के 'बेसमेंट' में पानी भरने के कारण तीन विद्यार्थियों की मौत होने के मामले में जवाबदेही तय किए जाने की रविवार को मांग की और पार्टी नेता राहुल गांधी ने कहा कि हर स्तर पर संस्थानों की गैर-जिम्मेदारी की कीमत आम लोग चुका रहे हैं।

मध्य दिल्ली के 'ओल्ड राजेंद्र नगर' इलाके में शनिवार को भारी बारिश के बाद एक कोचिंग सेंटर के 'बेसमेंट' में पानी भर जाने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन अभ्यर्थियों की मौत हो गई।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह बहुत दुखद है कि सरकार और प्रशासन की आपराधिक लापरवाही के कारण राजधानी में एक आईएएस कोचिंग संस्थान के 'बेसमेंट' में पानी भरने की वजह से तीन युवाओं की जान चली गई।

उन्होंने कहा, ''हम शोकसंतप्त परिजन के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।''

हैरिस की प्रचार टीम ने 20 करोड़ डॉलर का चंदा जुटाया

वाशिंगटन। कमला हैरिस के राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ में शामिल होने के एक सप्ताह से भी कम समय में उनकी प्रचार टीम ने 20 करोड़ अमरिकी डॉलर का चंदा जुटा लिया है। यह जानकारी हैरिस की प्रचार टीम ने रविवार को दी।

हैरिस की प्रचार टीम ने कहा कि इतने कम समय में 20 करोड़ अमरिकी डॉलर का चंदा जुटा लेना यह दर्शाता है कि हैरिस के पक्ष में समर्थन बढ़ता जा रहा है।

प्रचार टीम ने यह भी माना कि राष्ट्रपति पद के लिए पांच नवंबर को होने वाले चुनाव में कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

कांवड़ियों को कार से टक्कर लगने के बाद दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर यातायात बंद

एजेंसी, गाजियाबाद (उप्र)

पुलिस ने दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर यातायात पाबंदी लगाने के साथ ही सुरक्षा बढ़ा दी है। यह कदम एक दिन पहले एक कार द्वारा सड़क पर कुछ कांवड़ियों को कथित तौर पर टक्कर मारने की घटना के बाद उठाया गया है। यह जानकारी पुलिस ने दी।

गाजियाबाद के पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि मोदीनगर के कादराबाद गांव से गाजियाबाद जिले के हर प्रवेश बिंदु-मेरठ रोड तिराहा, मोहन नगर, लोनी रोड, लिंक रोड, उत्तर प्रदेश-दिल्ली सीमा से दिलशाद गार्डन तक सड़क पर वाहनों के प्रवेश को रोकने के इंतजाम किए गए हैं। मिश्रा ने कहा, 'इस यातायात योजना को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस और यातायात पुलिस अतिरिक्त सतर्कता बरतेगी। मिश्रित आबादी के निकास बिंदु पर, उस क्षेत्र के नागरिक समाज के स्वयंसेवक पुलिस की मदद करेंगे।'

शनिवार को, एक कार से कथित तौर पर टकराने से गुस्साये कांवड़ियों ने चालक को गाड़ी से बाहर निकाला और उसकी पिटायी की। उन्होंने कार को भी कथित तौर पर नुकसान पहुंचाया था।

मिश्रा ने बताया कि घटना के समय कार मालिक नौबहार सिंह (40) भी वाहन में मौजूद था, जो मुरादनगर का रहने वाला है। मिश्रा ने बताया कि चालक कथित तौर पर नशे की हालत में गाड़ी चला रहा था और गाड़ी गलत दिशा में चला रहा था।बाद में कांवड़ियों ने दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे को जाम कर दिया और हंगामा किया, जिससे यातायात जाम हो गया।

महात्मा गांधी का अहिंसा का संदेश आज भी प्रासंगिक : जयशंकर

विदेश मंत्री ने टोक्यो के फ्रीडम प्लाजा में किया प्रतिमा का अनावरण

एजेंसी, टोक्यो

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि महात्मा गांधी का यह शाश्वत संदेश संघर्ष, ध्रुव्रीकरण और रक्तपात देख रही दुनिया पर आज भी लागू होता है कि समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलते और कोई भी युग युद्ध का युग नहीं होना चाहिए। जयशंकर ने रविवार को टोक्यो के एडोगावा स्थित फ्रीडम प्लाजा में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया।

जयशंकर 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए लाओस से दो दिवसीय यात्रा पर जापान पहुंचे। जापान में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज ने उनका स्वागत किया। जयशंकर ने कार्यक्रम के दौरान गांधी के शाश्वत संदेशों पर बात की। उन्होंने कहा कि मैं यह कहना चाहता हूं कि जब हम दुनिया में इतना संघर्ष, इतना तनाव, इतना ध्रूवीकरण, इतना खून-खराबा देख रहे हैं, तो महात्मा गांधी का यह संदेश बहुत महत्वपूर्ण है कि समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलते और कोई भी युग, युद्ध का युग नहीं होना चाहिए। यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना 80 साल पहले था।

जयशंकर और ब्लिंकन ने क्षेत्रीय, वैश्विक मुद्दों पर की चर्चा

टोक्यो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को अपने अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों व क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। दोनों नेताओं ने टोक्यो में क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर मुलाकात की। जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा कि लिखा कि टोक्यो में विदेश मंत्री ब्लिंकन से मुलाकात कर बहुत अच्छा लगा। 'क्वाड' विदेश मंत्रियों की सोमवार को होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं।

मुझे कमजोर समझा जा रहा, पर चुनाव में होगी मेरी जीत : हैरिस

एजेंसी, वाशिंगटन

डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की संभावित उम्मीदवार कमला हैरिस ने कहा कि उन्हें व्हाइट हाउस की दौड़ में भले ही कमजोर (अंडरडॉग) समझा जा रहा है, लेकिन वह जमीनी स्तर पर अपने जन केंद्रित प्रचार अभियान के बल पर नवंबर में होने वाला चुनाव जरूर जीतूंगी।

राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की आधिकारिक घोषणा के बाद निधि एकत्रित करने संबंधी पहले अभियान में हैरिस ने समर्थकों से कहा कि इस साल का चुनाव देश के लिए दो दृष्टिकोण के बीच का चुनाव है-एक, जो भविष्य की ओर देखता है और दूसरा, जो देश की प्रगति को नष्ट करना चाहता है। उपराष्ट्रपति हैरिस ने मैसाच्युसेट्स के पिट्सफील्ड में उनके लिए निधि एकत्रित करने वाले 800 लोगों के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा कि हमें इस दौड़ में कमजोर समझा जा रहा है। एक स्तर तय कर दिया गया है। हैरिस ने उम्मीद जताई कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप उनके साथ बहस करने पर राजी होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप उनके खिलाफ झूठ और भ्रम फैला रहे हैं।

इसराइल पर हिजबुल्लाह की बड़ी एयरस्ट्राइक, 12 लोगों की मौत

गाजा/तेल अवीव।

हिजबुल्लाह ने इसराइल के गोलन हाइट्स में एक फुटबाल मैदान पर एयरस्ट्राइक की। ईरान समर्थक आतंकी संगठन हिजबुल्लाह ने इसराइल पर पिछले करीब 10 महीने का सबसे बड़ा हमला किया है। आतंकी संगठन ने शनिवार को लेबनान से गोलन हाइट्स के फुटबाल ग्राउंड पर रॉकेट दागे। इस हमले में 12 लोगों की मौत हो गई है, जबकि करीब 30 घायल हैं। मरने वालों में ज्यादातर बच्चे हैं, जिनकी उम्र 10-20 साल के बीच है। हमले की सूचना मिलते ही अमेरिकी दौरे पर गए इसराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू तुरंत देश लौट आए हैं।

अमेरिका को बनाएंगे बिटकॉइन सुपरपावर: ट्रंप

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होना है। राष्ट्रपति जो बाइडन इस दौड़ से बाहर हो चुके हैं। जो बाइडन की जगह डेमोक्रेटिक ने अब उप राष्ट्रपति कमला हैरिस को उम्मीदवार के तौर पर उतारा।

राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में कमला हैरिस की एंट्री के बाद से मुकाबला कड़ा हो गया। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को बिटकॉइन सुपरपावर बनाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि अगर वह व्हाइट हाउस में दोबारा लौटे तो पूरे उद्योग के लाभ के लिए पारदर्शी नियामक मार्गदर्शन तैयार करने के लिए एक सलाहकार परिषद नियुक्त करेंगे। हालांकि, उन्होंने डिजिटल मुद्रा के औपचारिक संघीय रिजर्व का प्रस्ताव देने से इनकार कर दिया। ट्रंप ने बिटकॉइन सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन के अध्यक्ष गैरी जेन्सलर को बर्खास्त करने और रणनीतिक राष्ट्रीय बिटकॉइन भंडार बनाने का वादा किया। ट्रंप ने कहा कि मैं यह सुनिश्चित करने के लिए योजना बना रहा हूं कि अमेरिका ग्रह की क्रिप्टो राजधानी और दुनिया की बिटकॉइन महाशक्ति होगा। बता दें कि बिटकॉइन दुनिया की व्यापक रूपसे अपनाई जाने वाली पहली क्रिप्टो करेंसी है।

श्रद्धा कड़ी सुरक्षा के बीच 29 दिन में 4.51 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

अमरनाथ यात्रा: पिछले साल का टूटा रिकॉर्ड

एजेंसी, जम्मू

29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रही है। अमरनाथ यात्रा ने पिछले साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पिछले 29 दिन में 4.51 लाख से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने अमरनाथ यात्रा की है।

अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि पिछले 29 दिनों में 4.51 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए हैं, जिससे पिछले साल की यात्रा का रिकॉर्ड टूट गया है। पिछले वर्ष पूरी यात्रा अवधि के दौरान 4.45 लाख श्रद्धालुओं ने गुफा मंदिर के दर्शन किए थे। शनिवार को लगभग 8 हजार तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा में दर्शन किए हैं। सीएपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के असाधारण सुरक्षा इंतजामों की वजह से इस साल यात्रा शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से चल रही है।

1,677 भक्तों का एक और जत्था रवाना

1,677 तीर्थयात्रियों का एक और रविवार को जत्था जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों के अनुसार, 29 जून को यात्रा शुरू होने के बाद से घाटी जाने वाले तीर्थयात्रियों की यह सबसे छोटी संख्या है। इनमें से 408 यात्री सुबह 3.35 बजे 24 वाहनों के काफिले में सवार होकर उत्तरी कश्मीर के बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुए। 1,269 यात्रियों का दूसरा काफिला 43 वाहनों में सवार होकर दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) आधार शिविर के लिए रवाना हुआ।

बसपा नेता की हत्या के मामले में तीन और लोग गिरफ्तार

चेन्नई। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नेता के. आर्मस्ट्रांग की हत्या के मामले में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान एन. विजयकुमार (21), वी. मुकिलन (32) और एन. विगनेश (27) के रूप में हुई है। सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपियों को 15 दिन की हिरासत में भेजा है। इस मामले में अब तक 20 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बसपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष आर्मस्ट्रांग की एक गिरोह ने यहां पांच जुलाई को हत्या कर दी थी और इस हत्या के बाद व्यापक आक्रोश फैल गया था।

ममता का अपमान लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं : राउत

एजेंसी, मुंबई

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने कहा कि नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का अपमान लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। राज्यों के कई मुद्दे हैं, जिनसे निपटने की जरूरत है और किसी मुख्यमंत्री का माइक्रोफोन बंद करना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है।

ममता शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक बीच में छोड़कर बाहर निकल गई थीं। उन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें भाषण के दौरान बीच में ही रोक दिया गया। हालांकि, सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ममता को बोलने के लिए दिया गया समय समाप्त हो गया था। बैठक में हिस्सा लेने वाली एकमात्र विपक्षी नेता ममता ने आरोप लगाया कि उनके भाषण के पांच मिनट बाद उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया, जबकि आंध्र प्रदेश, गोवा, असम और छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों को ज्यादा समय तक बोलने की अनुमति दी गई।

पेरिस ओलंपिक 2024
अनंत ज्ञान

पदक तालिक (टॉप-10)

क्रम	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
01.	ऑस्ट्रेलिया	03	02	00	05
02.	चीन	03	00	01	04
03.	द.कोरिया	02	02	01	05
04.	अमेरिका	01	02	02	05
05.	फ्रांस	01	02	01	04
06.	बेल्जियम	01	00	01	02
06.	जापान	01	00	01	02
06.	कजाखस्तान	01	00	01	02
09.	जर्मनी	01	00	00	01
09.	हांगकांग	01	00	00	01
17.	भारत	00	00	01	01

भाकर को 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य

एजेंसी, पेरिस

स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक के साथ पेरिस ओलंपिक में भारत के पदक का खाता खोला और ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनीं।

मनु ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 221.7 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। भारतीय निशानेबाज जब बाहर हुईं तो दक्षिण कोरिया की येजी किम से सिर्फ 0.1 अंक पीछे थीं जिन्होंने अंतत: 241.3 अंक के साथ रजत पदक जीता।

किम की हमवतन ये जिन ओह ने 243.2 अंक के फाइनल के ओलंपिक रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। लंदन ओलंपिक 2012 के बाद भारत का निशानेबाजी में यह पहला ओलंपिक पदक है।

निशानेबाजी में 12 साल बाद पदक

भारत को निशानेबाजी में आखिरी ओलंपिक पदक 2012 में मिला था। यह निशानेबाजी में भारत का अब तक का 5वां पदक है। राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने 2004 में पदक, अभिनव बिंद्रा ने 2008 में स्वर्ण और 2012 में विजय कुमार ने रजत और गगन नारंग ने कांस्य पदक जीता था।

मनु बोलीं- गीता पढ़ने से मदद मिली

जीत के बाद मनु ने कहा, 'मैं गीता बहुत पढ़ती हूं। इससे फोकस करने में मदद मिलती है। आज के मैच में मैंने आखिर तक टारगेट पर फोकस किया। भारत इससे ज्यादा डिजर्व करता है। उम्मीद है कि बाकी इवेंट में भारत और मेडल जीतेगा।'

बैडमिंटन : पीवी सिंधू ने आसान जीत से अभियान शुरू किया

एजेंसी, पेरिस

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने रविवार को यहां पेरिस ओलंपिक की महिला एकल स्पर्धा में अपने अभियान की शुरुआत ग्रुपएम के मैच में मालदीव की फातिमाथ अब्दुल रज्जाक के खिलाफ आसान जीत के साथ की।

लगातार तीसरे ओलंपिक पदक के लिए चुनौती पेश कर रही सिंधू और फातिमाथ के बीच का अंतर साफ नजर आया। भारतीय खिलाड़ी ने अपने से कम रैंकिंग वाली खिलाड़ी को सिर्फ 29 मिनट में सीधे गेम में 21-9, 21-6 से शिकस्त दी। रियो ओलंपिक 2016 में रजत और तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली 10वीं वरीय सिंधू ग्रुप के अपने दूसरे मैच में बुधवार को दुनिया की 75वें नंबर की खिलाड़ी एस्टोनिया की क्रिस्टिन कूबा से भिड़ेंगी।

पेरिस ब्रीफ

रमिता जिंदल एयर राइफल के फाइनल में

शेटराउ (फ्रांस)। भारतीय निशानेबाज रमिता जिंदल ने पेरिस ओलंपिक की महिला 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाजी स्पर्धा के क्वालीफिकेशन में पांचवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। इसी स्पर्धा में इलावेनिल वलारिवान 10वें स्थान पर रहते हुए क्वलीफिकेशन से बाहर हो गई। हांगझोऊ एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता रमिता ने कुल 631.5 अंक के साथ फाइनल में जगह पक्की की। इलावेनिल शुरुआती चरण में शीर्ष निशानेबाजों में शामिल थी, लेकिन आखिरी कुछ निशाने सटीक नहीं लगने के कारण वह 630.7 अंक के साथ फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

नाइजीरिया की मुक्केबाज सिंथिया निलंबित

पेरिस। नाइजीरिया की मुक्केबाज सिंथिया ओगुनसेमिलोर को प्रतिबंधित डोपिंग पदार्थ के सेवन का दोषी पाए जाने के बाद पेरिस ओलंपिक खेलों से बाहर कर दिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के अनुसार अफ्रीकी खेलों की लाइटवेट चैंपियन ओगुनसेमिलोर का गुरुवार को परीक्षण किया गया था और उनके मूत्र में फ्यूरोसेमाइड पाया गया है। फ्यूरोसेमाइड एक मास्किंग एजेंट है जो अन्य दवाओं की उपस्थिति को छिपा सकता है। ओगुनसेमिलोर को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है और वह ओलंपिक में भाग नहीं ले सकती हैं। इस 22 वर्षीय मुक्केबाज को 60 किग्रा भार वर्ग में चौथी वरीयता दी गई थी तथा उन्हें अपना पहला मुकाबला सोमवार को खेलना था। ओगुनसेमिलोर ने पिछले साल अपने वजन वर्ग में अफ्रीकी खेलों का खिताब जीता था। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीता था।

सीन नदी में ट्रायथलॉन आयोजन रद्द

पेरिस। सीन नदी की जल गुणवत्ता को लेकर चिंताएं 2024 ओलंपिक में भी जारी हैं और मुख्य ट्रायथलन स्पर्धा से पहले रविवार को यहां होने वाले ट्रायथलन आयोजन को रद्द कर दिया गया। आयोजकों ने कहा कि उन्होंने जल गुणवत्ता परीक्षण करने वाले अधिकारियों के बीच जल गुणवत्ता को लेकर हुई बैठक के बाद रविवार सुबह होने वाले ट्रायथलॉन के तैराकी चरण के सामंजस्य कार्यक्रम को रद्द कर दिया। इसमें विश्व ट्रायलथलन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ शहर के और क्षेत्रीय अधिकारी भी शामिल थे।

ऑस्ट्रेलियाई साइकिलिस्ट का ऑपरेशन

पेरिस। ऑस्ट्रेलियाई साइकिल चालक लुकास प्लैप शनिवार को ओलंपिक टाइम ट्रायल के दौरान बारिश से भीगी सड़क पर गिर गए, जिसके कारण उन्हें रात को अपने पेट का ऑपरेशन करवाना पड़ा। प्लैप 32.4 किलोमीटर की रेस की शुरुआत करने वाले खिलाड़ियों में से थे। जब वह कोर्स के टेक्निकल क्षेत्र में पहुंचे तो उनकी साइकिल फिसल गई और वह नीचे गिर गए थे।

तैराकी में भारतीय चुनौती खत्म

नांटेरे (फ्रांस)। पेरिस ओलंपिक की तैराकी स्पर्धा में भारत की चुनौती रविवार को खत्म हो गई जब श्रीहरि नटराज और धिनिधि देसिंघु अपने अपने वर्ग के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सके। नटराज 55. 01 सेकंड की टाइमिंग के साथ 100 मीटर बैकस्ट्रोक में अपनी हीट में संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे थे। ओवरआल तालिका में वह 33वें स्थान पर रहे। शीर्ष-16 तैराक ही सेमीफाइनल में पहुंचते हैं। नटराज का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 53.77 सेकंड का है। पहली बार ओलंपिक में उतरी भारतीय दल की सबसे युवा सदस्य 14 वर्ष की देसिंघु 200 मीटर महिला फ्रीस्टाइल हीट में अव्वल रही। पहली हीट में उन्होंने 2:06.96 का समय निकाला, लेकिन 30 प्रतियोगियों में वह 23वें स्थान पर रहीं।

टेनिस : सुमित नागल पहले दौर में बाहर

पेरिस। भारत के नंबर एक खिलाड़ी सुमित नागल रविवार को यहां ओलंपिक पुरुष एकल टेनिस प्रतियोगिता के तीन सेट तक चले पहले दौर के मुकाबले में फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट से हारकर बाहर हो गए। भारत के इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को दो घंटे 28 मिनट तक चले मैच में 2-6, 6-2, 5-7 से हार मिली। दोनों खिलाड़ियों ने पहले दो सेट 6-2 के समान स्कोर से जीते। पर 65 मिनट तक चले निर्णायक सेट में फ्रांस के खिलाड़ी ने भारतीय खिलाड़ी की चुनौती पस्त कर दी।

आसान जीत से श्रीजा अगले दौर में

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला ने स्वीडन की क्रिस्टीना कल्बर्ग पर 4-0 की शानदार जीत के साथ पेरिस ओलंपिक खेलों के राउंड ऑफ-32 में प्रवेश किया। श्रीजा ने स्वीडन की खिलाड़ी को 11-4, 11-9, 11-7, 11-8 से पराजित किया।

महिला एकल मैच में 29 साल की मनिका ने ब्रिटेन की अन्ना हर्से पर दबदबा बनाया। मनिका ने 41 मिनट में हर्से को 11-8 12-10 11-9 9-11 11-5 से मात दी। वहीं भारत के स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल रविवार को यहां अपने से कम रैंकिंग के स्लोवेनिया के खिलाड़ी डेनी कोजुल से 2-4 से हारकर पुरुष एकल प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

बलराज पंवार पुरुष एकल स्कल्स के क्वार्टर फाइनल में

पेरिस। भारत के बलराज पंवार रविवार को पेरिस ओलंपिक में रेपेचेज-2 में दूसरे स्थान पर रहते हुए नौकायन (रोइंग) की पुरुष एकल स्कल्स स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। बलराज ने सात मिनट 12.41 सेकेंड का समय लिया और वह मंगोलिया के क्वेंटिन एंटोगनेली से पीछे रहे, जो सात मिनट 10.00 सेकेंड के समय से शीर्ष पर रहे। प्रत्येक रेपेचेज से शीष-2 में रहने वाले खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। पंवार पूरी रेस के दौरान दूसरे स्थान पर बने रहे। उन्होंने 500 मीटर की दूरी को एक मिनट 44.13 सेकेंड, 1000 मीटर की दूरी को तीन मिनट 33.94 सेकेंड और फिर 1500 मीटर की दूरी को पांच मिनट 23.22 सेकेंड में पार किया। इसके बाद उन्होंने 2000 मीटर की दूरी की रेस सात मिनट 12.41 सेकेंड में पूरी की। शनिवार को बलराज इसी स्पर्धा में सात मिनट 07.11 सेकेंड के समय से चौथे स्थान पर रहे थे और रेपेचेज दौर में पहुंचे थे।

निकहत जरीन प्री-क्वार्टर फाइनल में

दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने रविवार को यहां जर्मनी की मैक्सी करीना क्लोएट्जर पर जीत के साथ महिलाओं के 50 किग्रा ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

इस 28 साल की गैरवरीय मुक्केबाज ने यहां 'नॉर्थ पेरिस एरेना' अंतिम 32 दौर के मुकाबले में जर्मनी की मुक्केबाजी के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की।

निकहत के सामने गुरुवार को खेल जाने वाले प्री-क्वार्टर फाइनल में एशियाई खेलों और मौजूदा फ्लाईवेट विश्व चैंपियन चीन की वू यू की चुनौती होगी। शीर्ष वरीयता प्राप्त वू यू को पहले दौर में बाई मिली है।

क्रिकेट | मंधाना की फिफ्टी बेकार, भारत आठ विकेट से हारा

श्रीलंका बना महिला एशिया कप चैंपियन

एजेंसी, दांबुला

हर्षिता समरविक्रमा और कप्तान चमारी अटापट्टू की आक्रामक पारियों और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 63 गेंद में 87 रन की साझेदारी के दम पर श्रीलंका ने महिला टी-20 एशिया कप के फाइनल में रविवार को यहां भारत को आठ विकेट से हराकर पहली बार खिताब अपने नाम किया। भारत को छह विकेट पर 165 रन पर रोकने के बाद श्रीलंका ने 18.4 ओवर में दो विकेट पर 167 रन बनाकर यादगार जीत दर्ज की।

भारतीय टीम की इस हार में खराब गेंदबाजी के साथ बेहद लचर क्षेत्ररक्षण का भी हाथ रहा। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने समरविक्रमा का आसान कैच टपकाया, जिन्होंने 51 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके और दो छक्के की मदद से 69 रन बनाए। चमारी ने 43 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 61 रन बनाकर भारतीय गेंदबाजों को हावी होने का मौका नहीं दिया। कप्तान के आउट होने के बाद समरविक्रमा ने कविशा दिलहारी के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 गेंद में 73 रन की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। विजयी छक्का लगाने वाली दिलहारी ने 16 गेंद की नाबाद पारी में 30 रन बनाए। दिलहारी ने इससे पहले गेंदबाजी में प्रभावित करते हुए 36 रन देकर दो विकेट चटकाये थे। भारत के लिए सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 47 गेंद की अपनी पारी 10 चौके की मदद से 60 रन की पारी खेल बड़े स्कोर की नींव रखी।

उन्होंने पहले विकेट के लिए शेफाली वर्मा (16) के साथ 44 रन की साझेदारी कर टीम को सधी शुरुआत दिलाई जबकि जेमिमा रोड्रिग्स के साथ चौथे विकेट के लिए तेजी से 41 रन रन जोड़े। जेमिमा ने 16 गेंद की आक्रामक पारी में तीन चौके और एक छक्का की मदद से 29 रन बनाए।

पारी के दौरान शॉट खेलती श्रीलंका की बल्लेबाजी हर्षिता समरविक्रमा।

हर्षिता समरविक्रमा को नाबाद 69 रन बनाने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' अवार्ड मिला

स्कोर बोर्ड

भारत (महिला)	रन	गेंद	4/6
शेफाली पगबाधा ब. कवीशा	16	19	2/0
मंधाना क. चमारी ब. कवीशा	60	47	10/0
छेत्री पगबाधा ब. चमारी	09	07	1/0
हरमनप्रीत क. सिल्वा ब. सचिनी	11	11	1/0
जेमिमा (रन आऊट)	29	16	3/1
घोष क. संजीवनी ब. उदेशिका	30	14	4/1
पूजा (नाबाद)	05	06	0/0
दीप्ति (नाबाद)	01	01	0/0
अतिरिक्त	04		
कुल : (20 ओवर)	165/6		

विकेट पतन : 1-44, 2-58, 3-87, 4-128, 5-133, 6-164,

गेंदबाजी : इनोशी 4-0-31-0, उदेशिका 3-0-27-1, सुगंधिका 4-0-23-0, कवीशा4-0-36-2, सचिनी 2-0-20-1, चमारी 3-0-28-1.

श्रीलंका (महिला)	रन	गेंद	4/6
विशमी (रन आऊट)	01	03	0/0
चमारी ब. दीप्ति	61	43	9/2
हर्षिता (नाबाद)	69	51	6/2
कवीशा (नाबाद)	30	16	1/2
अतिरिक्त	06		
कुल : (18.4 ओवर)	167/2		

विकेट पतन : 1-7, 2-94.

गेंदबाजी : रेणुका 3-0-23-0, पूजा 3.4-0-29-0, दीप्ति 4-0-30-1, कंवर 4-0-34-0, राधा 4-0-47-0.

अर्जेंटीना के खिलाफ जीत की लय कायम रखने उतरेगी भारतीय हॉकी टीम

एजेंसी, पेरिस

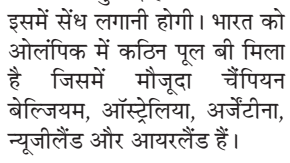

जीत के साथ शुरूआत करने वाली भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक पुरुष हॉकी स्पर्धा के दूसरे मैच में रियो ओलंपिक 2016 चैम्पियन अर्जेंटीना के खिलाफ इस लय को कायम रखने उतरेगी।

भारत ने रोमांचक पहले मैच में शनिवार को आखिरी सीटी बजने से डेढ मिनट पहले पेनल्टी स्ट्रोक पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह के गोल के दम पर न्यूजीलैंड को हराया। इस मैच में हालांकि टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सका और नौ पेनल्टी कॉर्नर गंवाए। न्यूजीलैंड की टीम ने पहला गोल भी जल्दी दाग दिया था और अब आगे कठिन मैचों में भारत को इस गलती से बचना होगा।

अर्जेंटीना की टीम मैन टू मैन मार्किंग में मुस्तैद है और भारत को इसमें सेंध लगानी होगी। भारत को ओलंपिक में कठिन पूल बी मिला है जिसमें मौजूदा चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड हैं।

तीरंदाजी टीम क्वार्टर फाइनल में हारी

भारतीय महिला तीरंदाजी टीम पेरिस ओलंपिक में रविवार को क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड से 0-6 से हार गई। अपना चौथा ओलंपिक खेल रही दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और भजन कौर की तिकड़ी 51-52, 49-54, 48-53 से हार गई। अंकिता और दीपिका ने बेहद खराब प्रदर्शन किया जबकि भजन ने अच्छा स्कोर बनाया। तीरंदाजी में सर्वोच्च स्कोर बनाने वाली टीम को दो अंक मिलते हैं जबकि ड्रॉ पर दोनों टीमों को एक एक सेट प्वाइंट मिलता है। भारत ने क्वालीफिकेशन में चौथे स्थान पर रहने के बाद क्वार्टर फाइनल में सीधे जगह बनाई थी ।

ओलंपिक टेनिस | नदाल-अल्काराज की जोड़ी पुरुष युगल के दूसरे दौर में

स्वियातेक, अल्काराज और जोकोविच की जीत से शुरुआत, ओसाका हारी

एजेंसी, पेरिस

इगा स्वियातेक और कार्लोस अल्काराज ने फ्रेंच ओपन जीतने के दो महीने से भी कम समय में रोला गैरां पर वापसी करते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों की टेनिस प्रतियोगिता के एकल वर्ग में जीत से अपने अभियान की शुरुआत की। नोवाक जोकोविच ने भी सीधे सेटों में जीत हासिल की।

दूसरे दौर में उनका मुकाबला राफेल नदाल से हो सकता है। नदाल ने हालांकि अल्काराज के साथ मिलकर पुरुष युगल में जीत के साथ शुरुआत की। स्पेन की इस जोड़ी ने अर्जेंटीना के मैक्सिमो गोंजालेज और एंड्रेस मोल्टेनी की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 7-6 (4), 6-4 से हराया। एंजेलिक कर्बर ने नाओमी ओसाका को 7-5, 6-3 से हराया। यह दोनों पूर्व में विश्व की नंबर-1 खिलाड़ी रह चुकी हैं। विश्व की नंबर-1 महिला खिलाड़ी स्वियातेक ने रोमानिया की इरिना कैमेलिया बेगू को 6-2, 7-5 से जबकि फ्रेंच ओपन और विंबलडन चैंपियन अल्काराज ने लेबनान के हैडी हबीब को 6-3, 6-1 से हराया।

मुकाबले के दौरान शॉट खेलती स्वियातेक

पुरुष वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के खिलाफ 6-0, 6-1 से जीत दर्ज करने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। अन्य मैचों में इटली की जैस्मीन पाओलिनी ने रोमानिया की एना बोगदान को 7-5, 6-3 से हराया, लेकिन 17वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिन गार्सिया रोमानिया की जैकलीन एडिना क्रिस्टियन से 5-7, 6-3, 6-4 से हार गईं।

अमेरिका क्रिकेट ने पात्रता जरूरत पूरी की

न्यूयॉर्क। अमेरिका क्रिकेट (यूएसएसी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के एसोसिएट देश के रूप में अयोग्य ठहराए जाने से बचने के लिए दो महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से एक को पूरा करते हुए जोनाथन एटकीसन को एक अगस्त से अपना मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है।

यूएसएसी को इस महीने की शुरुआत में आईसीसी ने दो मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए 'नोटिस' दिया था। सीईओ की नियुक्ति नहीं होना इसमें से एक कारण था, जबकि दूसरा कारण यूएसएसी का अमेरिका ओलंपिक और पैरालंपिक समिति (यूएसओपीसी) द्वारा निर्धारित संचालन नियमों को पूरा नहीं करना था।

नियमों के अनुसार प्रत्येक खेल संघ के लिए राष्ट्रीय संचालन संस्था (एनजीबी) का दर्जा प्राप्त करना आवश्यक है। यह लॉस एंजल्स 2028 ओलंपिक खेलों में शामिल किए गए सभी खेलों के लिए आवश्यक है।